केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान बोले किसी राज्य पर कोई भाषा नहीं थोप रहा केंद्र
- 10

जीएसटी-2.0 वस्तुएं होंगी आज से सस्ती, कंपनियों को होगा लाभ
- 10

फलस्तीनी राष्ट्र को ब्रिटेन ऑस्ट्रेलिया कनाडा ने दी मान्यता भड़के नेतन्याहू
- 11

मिथुन मन्हास ने बीसीसीआई अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल किया- 12

आज का मौसम

33.0° अधिकतम तापमान

26.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.01

सूर्यास्त 06.09

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

आश्विन शुक्ल पक्ष प्रतिपदा 02:56 उपरांत द्वितीया विक्रम संवत 2082

सोमवार, 22 सितंबर 2025, वर्ष 6, अंक 303, पृष्ठ 12+4 मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

स्टेशन पर खड़ी सेना की विशेष ट्रेन में आग

उज्जैन। मध्यप्रदेश के उज्जैन रेलवे स्टेशन पर ट्रकों से लदी सेना की एक विशेष ट्रेन में रविवार सुबह आग लग गई हालांकि कोई हताहत नहीं हुआ। एक अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना सुबह करीब साढ़े नौ बजे प्लेटफॉर्म संख्या एक और दो के बीच से गुजरने वाली रेल लाइन पर उस समय हुई, जब एक बोगी में लदे ट्रकों को ढकने वाले तिरपाल में आग लग गई।

एकनाथ शिंदे का एक्स अकाउंट किया हैक

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के 'एक्स' खाते को रविवार को हैक कर लिया गया और उस पर पाकिस्तान तथा तुर्किये के झंडे वाली तस्वीरें पोस्ट की गईं। 45 मिनट के बाद खाते पर नियंत्रण हासिल कर लिया गया। महाराष्ट्र के वरिष्ठ कांग्रेस नेता नाना पटोले ने साइबर सुरक्षा पर सवाल उठाए और मांग की कि राज्य का गृह विभाग ऐसे खतरों से बचाने के लिए स्पष्ट जवाब उपलब्ध कराए।

बीएसएफ के जवानों को ड्रोन युद्ध की ट्रेनिंग

टेकनपुर (मप्र)। बीएसएफ ने अपने प्रशिक्षण पाठ्यक्रम को अद्यतन किया है और बीएसएफ जवानों एवं अधिकारियों के लिए ड्रोन युद्ध को एक अनिवार्य विषय के रूप में जोड़ा है। इसके अलावा, ऑपरेशन सिंदूर के बाद नए युग के युद्ध के लिए स्वदेशी उपकरण विकसित करने के उद्देश्य से एक नवाचार केंद्र भी स्थापित किया है।

प्रधानमंत्री ने देशवासियों को दी नवरात्र की बधाई, जीएसटी बचत उत्सव आज से

जीएसटी सुधार हर परिवार में लाएंगे खुशहाली : मोदी

- राष्ट्र के नाम संबोधन में प्रधानमंत्री बोले हर घर को बनाना होगा स्वदेशी का प्रतीक

नई दिल्ली, एजेंसी

जीएसटी दरों में कटौती लागू होने से एक दिन पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को स्वदेशी वस्तुओं को बढ़ावा देने की पुरजोर वकालत की। उन्होंने कहा कि अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार भारत की वृद्धि गाथा को गति देंगे, कारोबारी सुगमता को बढ़ाएंगे और अधिक निवेशकों को आकर्षित करेंगे।

मोदी ने राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में कहा कि नवरात्रि के पहले दिन से जीएसटी बचत उत्सव शुरू होगा और आयकर छूट के साथ यह ज्यादातर लोगों के लिए दोहरा लाभ होगा। संशोधित जीएसटी दरों के लागू होने की पूर्व संध्या पर प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वदेशी देश की समृद्धि को उसी तरह मजबूती देगा, जिस तरह इसने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन को शक्ति दी थी। उन्होंने कहा कि हमें हर घर को स्वदेशी का प्रतीक बनाना होगा। हमें हर दुकान को स्वदेशी (सामान) से सजाना होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि विकास की दौड़ में सभी राज्य समान हितधारक होंगे। उन्होंने राज्यों से आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी अभियानों को ध्यान में रखते हुए विनिर्माण को गति देने का आग्रह किया। मोदी ने कहा कि नवरात्रि के पहले दिन, देश आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण और बड़ा कदम उठाने जा रहा है। कल सूर्योदय के साथ, अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार लागू हो जाएंगे। कल से जीएसटी बचत उत्सव शुरू होगा।

उन्होंने आगे कहा कि आप अपनी पसंद की वस्तुएं ज्यादा आसानी से खरीद पाएंगे। इससे गरीब, मध्यम वर्ग, नव मध्यम वर्ग, युवा, किसान, महिलाएं, व्यापारी और दुकानदार लाभान्वित होंगे। मोदी ने कहा कि त्योहारों के इस मौसम में सभी की खुशियां बढ़ेंगी। उन्होंने अगली पीढ़ी के माल एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों के लिए सभी को बधाई दी। मोदी ने कहा कि ये सुधार भारत की वृद्धि गाथा को गति देंगे, कारोबारी सुगमता को बढ़ाएंगे और अधिक निवेशकों को आकर्षित करेंगे। मोदी ने अपने 19 मिनट से ज्यादा के संबोधन में कहा कि संशोधित जीएसटी दरें उनकी सरकार के नागरिक देवो भवः के मंत्र को दर्शाती हैं, क्योंकि इससे रोजमर्रा की जरूरत की वस्तुओं के दाम कम होंगे।

एक राष्ट्र-एक कर का सपना हुआ साकार

प्रधानमंत्री ने कहा कि जब भारत ने 2017 में जीएसटी सुधारों की ओर कदम बढ़ाया, तो इतिहास रचने की एक नई शुरुआत हुई। उन्होंने कहा कि जीएसटी ने एक राष्ट्र-एक कर के सपने को साकार किया। उन्होंने 12 लाख रुपये तक की आय पर आयकर छूट और जीएसटी सुधारों का हवाला देते हुए कहा कि यह गरीबों, नव-मध्यम वर्ग और मध्यम वर्ग के लिए दोहरा लाभ है। इन दोनों फैसलों से नागरिकों को 2.5 लाख करोड़ की बचत होगी।

रसोई के सामान से लेकर दवा, वाहन तक हुए सस्ते

- आज से लागू होंगी जीएसटी कटौती 375 वस्तुओं की घट जाएंगी कीमतें

नई दिल्ली, एजेंसी

रसोई में इस्तेमाल के सामान से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स, दवाइयां और उपकरणों से लेकर वाहन तक लगभग 375 वस्तुएं सोमवार 22 सितंबर से सस्ती हो जाएंगी। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में कटौती सोमवार से ही लागू होने जा रही हैं। जीएसटी परिषद ने उपभोक्ताओं को राहत देते हुए 22 सितंबर (नवरात्रि के पहले दिन) से जीएसटी दरें कम करने का फैसला किया है। घी, पनीर, मक्खन, नमकीन, केचप, जैम, सूखे मेवे, कॉफी और आइसक्रीम जैसी आम इस्तेमाल की चीजें और टीवी, एयर कंडीशनर (एसी), वॉशिंग मशीन जैसे महंगे उत्पाद भी सस्ते हो जाएंगे। जीएसटी में बदलाव को देखते हुए रोजरमां के उपभोग का सामान बनाने वाली (एफएमसीजी) कई कंपनियों ने पहले ही कीमतों में कटौती की घोषणा कर दी है।

22 सितंबर से जीएसटी में दो स्लैब होंगे। अधिकांश वस्तुओं और सेवाओं पर पांच और 18 प्रतिशत का कर लगेगा। विलासिता की वस्तुओं के लिए कर की दर 40 प्रतिशत होगी।

मेडिकल उपकरण और सीमेंट की कीमतें भी घटीं

अधिकांश दवाओं और फॉर्मूलेशन और ग्लूकोमीटर और डायग्नॉस्टिक किट जैसे मेडिकल उपकरणों पर जीएसटी दर को घटाकर पांच प्रतिशत कर दिया गया है, जिससे आम आदमी को दवाएं सस्ती मिलेंगी। सीमेंट पर जीएसटी 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है, जिससे घर बनाने वालों को भी फायदा होगा। सरकार ने पहले ही दवा दुकानों को जीएसटी में कटौती के लाभ को ध्यान में रखते हुए अपने अधिकतम खुदरा मूल्य में बदलाव करने या कम कीमत पर दवाएं बेचने का निर्देश दिया है।

वाहन खरीदने वालों को होगा सबसे ज्यादा फायदा

जीएसटी दर में कटौती से सबसे बड़ा फायदा वाहन खरीदारों को होगा, क्योंकि छोटी और बड़ी कारों पर कर दरें क्रमशः 18 प्रतिशत और 28 प्रतिशत कर दी गई हैं। कई कार कंपनियों ने पहले ही कीमतों में कटौती की घोषणा कर दी है। सेवाओं की बात करें तो, स्वास्थ्य क्लब, सैलून, नाई की दुकान, फिटनेस सेंटर, योग आदि सौंदर्य और फिटनेस सेवाओं पर जीएसटी को इनपुट कर क्रेडिट (आईटीसी) के साथ 18 प्रतिशत से घटाकर, बिना कर क्रेडिट के पांच प्रतिशत कर दिया गया है।

हेयर ऑयल, शैम्पू, साबुन और टूथपेस्ट भी सस्ते

बालों में लगाने वाले तेल, साबुन, शैम्पू, टूथब्रश, टूथपेस्ट जैसे रोजमर्रा के सामान भी सस्ते हो सकते हैं, क्योंकि इन पर टैक्स कर दर 12/18 प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत कर दी गई हैं। टेलकम पाउडर, फेस पाउडर, शेविंग क्रीम, ऑफ्टरशैव लोशन जैसी अन्य रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतें भी कम हो सकती हैं, क्योंकि इन पर जीएसटी 18 प्रतिशत से घटकर पांच प्रतिशत हो गया है।

एशिया कप में भारत ने पाकिस्तान को फिर रौंदा

अभिषेक शर्मा 39 गेंद, 74 रन

नए हिटमैन व प्लेयर ऑफ द मैच अभिषेक शर्मा की विस्फोटक बल्लेबाजी (39 गेंद,74 रन) और शुभमन गिल के 47 रनों की बदौलत टीम इंडिया ने रविवार को दुबई में चल रहे एशिया कप के दूसरे सुपर 4 मुकाबले में सात गेंद रहते पाकिस्तान को छह विकेट से हराकर अपनी बादशाहत कायम रखी। (विस्तृत खेल पेज)

पेंशन पाने के लिए विधवा बनीं पत्नी और दो बेटियां

संवाददाता, आंवला (बरेली)

- जीवित पति को मृत दर्शाकर फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र के जरिए हासिल की पेंशन
- दो बेटियों ने भी पिता को पति बनाकर मृत बताया, ले ली निराश्रित महिला पेंशन
- एसडीएम ने रुकवाई पेंशन, फर्जी प्रमाण पत्र बनाने वाले पर कार्रवाई की तैयारी

अमृत विचार : पति के जीवित रहते हुए विधवा पेंशन लेने के मामले सामने आते रहे हैं, लेकिन तहसील क्षेत्र में एक अजीबो गरीब मामला सामने आया है। महिला ने ही पति को मृत दर्शाकर विधवा पेंशन हासिल नहीं की, बल्कि उसकी दो बेटियों ने भी पिता को पति बनाकर और मृत दर्शाकर निराश्रित महिला पेंशन हासिल कर ली। शिकायत के बाद मामला खुला तो अधिकारी भी हक्के-बक्के रह गए। एसडीएम ने तत्काल प्रभाव से तीनों की पेंशन रुकवाने के साथ ही अब तक ली गई पेंशन की रिकवरी के आदेश दिए हैं। मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने वाले ग्राम पंचायत अधिकारी के खिलाफ भी कार्रवाई की जा रही है।

आंवला के मोहल्ला गौसिया चौक निवासी हसीना पत्नी आसिफ ने 15 जुलाई को मुख्यमंत्री समेत विभिन्न अधिकारियों को शिकायत भेजकर आरोप लगाया था कि मोहल्ला अनुपुरा नई बस्ती की निवासी अन्नी बेगम पत्नी अच्छन खां और उसकी दो बेटियों सन्नो बी और स्वालीन फर्जी दस्तावेजों के आधार पर निराश्रित महिला पेंशन ले रही हैं। अच्छन खां जीवित हैं। इसके बावजूद उनकी विवाहित बेटी स्वालीन ने वर्ष 2022 में पिता को अपना पति और मृत दर्शाते हुए पेंशन का लाभ उठाना शुरू कर दिया। पत्नी अन्नी बेगम ने वर्ष 2023 में पति को मृत दर्शाकर निराश्रित महिला पेंशन लेना शुरू कर दिया।

शिकायत के बाद जांच कराई गई। जांच में फर्जीवाड़ा सामने आने पर तीनों निराश्रित महिला पेंशन बंद करा दी गई हैं। उनसे रिकवरी कराई जा रही है। प्रमाण पत्रों की जांच कर जारी करने वाले के खिलाफ कार्रवाई कराई जाएगी। -**विदुषी सिंह,** एसडीएम आंवला।

यही नहीं अच्छन खां की अविवाहित पुत्री सन्नो भी वर्ष 2023 में पिता को मृत बताकर निराश्रित महिला पेंशन लेने लगी।

शिकायत पर जिला प्रोबेशन अधिकारी ने एसडीएम आंवला को दस्तावेजों की जांच कराकर रिपोर्ट देने के निर्देश दिए थे। जांच में सामने आया कि ब्लॉक बिथरी चैनपुर के गांव परेवा कुइया से सन्नो बी, कैमुआ खुर्द गांव से स्वालीन और अन्नी बेगम का पता दर्शाकर पेंशन स्वीकृत कराई गई। तहसील टीम की रिपोर्ट में अच्छन खां (53 वर्ष) जीवित पाए गए, जबकि उनकी पत्नी और दोनों बेटियों ने गलत दस्तावेज प्रस्तुत कर निराश्रित महिला पेंशन हासिल की थी। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि पेंशन प्राप्त करने वाली विवाहित पुत्री स्वालीन का पति आंवला के रहटुइया निवासी मुजायद हैं।

नमो युवा रन | योगी ने हरी झंडी दिखाकर धावकों को किया रवाना, नशामुक्त भारत बनाने का भी आह्वान

ऊर्जा नशे में जाया हुई तो पतन तय : मुख्यमंत्री

- कहा- विजयादशमी पर हर जिले में भ्रष्टाचार, अन्याय और नशे का पुतला जलाएं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

नमो युवा रन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार सुबह अपने आवास से 'नमो युवा रन' को हरी झंडी दिखाई। युवाओं को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि यदि ऊर्जा को सकारात्मक दिशा मिले तो राष्ट्र को नई ऊंचाई मिलती है, लेकिन यदि वही ऊर्जा नशे में जाया हुई तो पतन अवश्यंभावी है। नशामुक्त भारत बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि विजयादशमी पर हर जिले में भ्रष्टाचार, अन्याय और नशे का पुतला जलाकर युवाओं को जागरूक किया जाएगा।

नमो रन मैराथन में बड़ी संख्या में युवाओं ने हिस्सा लिया। दौड़ कालिदास मार्ग से शुरू होकर 1090 चौराहे पर समाप्त हुई। लोगों को संबोधित करते हुए योगी ने कहा कि 17 सितंबर से दो अक्टूबर तक चल रहा 'सेवा पखवाड़ा' अब जनआंदोलन बन चुका है। रक्तदान शिविरों और स्वच्छता अभियानों में युवा और महिलाएं बड़ी संख्या में जुड़ रही हैं। उन्होंने बताया कि इस बार कार्यक्रमों में 'स्मार्ट हेल्थ चेकअप कैंप' और 'डिजिटल स्वास्थ्य कार्ड वितरण' भी शामिल किए गए हैं, ताकि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाएं सुलभ हो सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के पंच प्रण अब नारों तक सीमित नहीं, बल्कि शासन-प्रशासन की नीतियों में उतारे जा रहे हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, खेल मंत्री गिरीश चंद्र यादव, मेयर सुषमा खर्कवाल, विधायक योगेश शुक्ला, डॉ. नीरज बोरा आदि मौजूद रहे।

अमृत विचार

बरेली , सोमवार,22 सितंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

योगी ने शारदीय नवरात्र की दीं शुभकामनाएं

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शारदीय नवरात्र के पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई देते हुए अपनी मंगलमय शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि भारत की सनातन धर्म की परम्परा में मां दुर्गा की उपासना का प्राचीन काल से ही अत्यधिक महत्व रहा है। मां दुर्गा शक्ति की अधिष्ठात्री देवी हैं। यह चराचर जगत की आदि शक्ति हैं, इनके अनन्त रूप हैं, लेकिन प्रधान नौ रूपों में नवदुर्गा बनकर आदि शक्ति चराचर जगत पर अपनी करुणा की वर्षा करती हैं। शारदीय नवरात्र का आयोजन सभी प्रदेशवासियों के लिए शुभ एवं मंगलमय हो, यह मेरी कामना है।

छात्रावास के लिए 27 करोड़ रुपये जारी

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में अधिक से अधिक चिकित्सक बनाने के उद्देश्य से झांसी मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की 50 सीटें बढ़ाई जानी है, इसके लिए 26 करोड़ 90 लाख रुपये की लागत से 272 बेडेड बालिका छात्रावास निर्माण कराया जाएगा। इस संबन्ध में चिकित्सा शिक्षा विभाग के संयुक्त सचिव मनोज कुमार सिंह ने चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक को वित्तीय स्वीकृति देते हुए स्पष्ट किया है कि कॉलेज में छात्रावास निर्माण के लिए निर्माणकर्ता संस्था सी एंड डीएस, उप्र. को नामित किया गया है।

आज पुन: कार्यभार संभाल सकते हैं मुख्य सचिव

अमृत विचार, लखनऊ : बीते लगभग सवा माह से अवकाश चल रहे मुख्य सचिव शशि प्रकाश गोयल के स्वास्थ्य लाभ लेने के बाद नवरात्र के पहले दिन पुन : अपना कार्यभार ग्रहण करने की संभावना है। हार्ट सर्जरी के बाद एसपी गोयल स्वस्थ हैं और सोमवार को वापसी करेंगे। इससे पूर्व गोयल अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद इलाज के लिए दिल्ली चले गए थे। फिलहाल लखनऊ आ चुके हैं और स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। हालांकि इस बीच उनके सारे पद कृषि उत्पादन आयुक्त दीपक कुमार को सौंप दिए गए। मुख्य सचिव की कुर्सी संभालने के कुछ दिन बाद ही एसपी गोयल की अचानक तबीयत बिगड़ गई थी।

नौकरियों में आरक्षण की अनदेखी : संजय सिंह

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. में भर्ती घोटाला हो रहा है। योगी सरकार दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों के हक की नौकरियां सवर्णों को दे रही है। बांदा कृषि विश्वविद्यालय में 15 पदों पर भर्ती हुई, जिसमें 11 ठाकुर, दो सामान्य और दो दलित-पिछड़ों को नौकरी मिली। इसी तरह, लखीमपुर सहकारी बैंक में 27 पदों में केवल आठ पिछड़े-दलित-आदिवासी चुने गए। यह बात आम आदमी पार्टी (आप) के प्रदेश प्रभारी व राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने गोमतीनगर स्थित कार्यालय में रविवार को कही। उन्होंने कहा कि खुद को पिछड़ों के नेता बताने वाले मोदी दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों का हक हड़पे जाने पर चुप हैं, जिससे इन वर्गों के आक्रोश बढ़ रहा है।

बुद्ध के पिपरहवा अवशेषों की हुई घर वापसी

127 वर्ष बाद यूपी लाए गए पवित्र अवशेष, जल्द किया जाएगा सार्वजनिक प्रदर्शन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश एक बार फिर वैश्विक बौद्ध धरोहर के केंद्र में आ गया है। 127 वर्षों बाद पवित्र पिपरहवा अवशेष, जो सिद्धार्थनगर जिले के पिपरहवा स्तूप से 1898 में खोजे गए थे, भारत वापस लौट आए हैं।

औपनिवेशिक काल में विदेश ले जाए गए ये अवशेष मई 2025 में हांगकांग की एक अंतरराष्ट्रीय नीलामी में रखे गए थे। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय और गॉदरेज इंडस्ट्रीज़ ग्रुप के संयुक्त प्रयास से नीलामी रुकवाई गई और 30 जुलाई 2025 को इन्हें भारत वापस लाया गया।

पिपरहवा अवशेषों की वापसी सिर्फ भारत की नहीं, बल्कि प्रदेश की भूमि के उस गौरवशाली इतिहास की पुनः स्थापना है, जिसने भगवान बुद्ध की शिक्षाओं से पूरी दुनिया को आलोकित किया। इन अवशेषों का सार्वजनिक प्रदर्शन शीघ्र ही आयोजित किया जाएगा। यह आयोजन उत्तर प्रदेश को वैश्विक बौद्ध धरोहर का केंद्र बनाने और राज्य की सांस्कृतिक पर्यटन संभावनाओं को नई ऊंचाई देने वाला साबित होगा।

सिद्धार्थनगर का पिपरहवा स्तूप, जहां भगवान बुद्ध के अवशेष खोजे गए; वाराणसी का सारनाथ, जहां उन्होंने प्रथम उपदेश दिया और कुशीनगर, जहां उन्होंने महापरिनिर्वाण प्राप्त किया, यह पावन त्रिकोण उत्तर प्रदेश को विश्वभर के करोड़ों बौद्ध श्रद्धालुओं के लिए सबसे बड़ा और अद्वितीय तीर्थस्थल बनाता है। उत्तर प्रदेश की पावन धरती भगवान बुद्ध की तपोभूमि है। पिपरहवा अवशेषों की घर वापसी न केवल भारत की सांस्कृतिक शक्ति का प्रमाण है, बल्कि यह उत्तर प्रदेश की ऐतिहासिक महत्ता को भी पुनः स्थापित करती है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी 127 वर्षों बाद भगवान बुद्ध के पवित्र पिपरहवा अवशेषों की भारत वापसी का स्वागत किया था और इसे राष्ट्र की सांस्कृतिक धरोहर के लिए एक गर्व का क्षण बताया था।

अवशेषों का महत्व

इन अवशेषों में भगवान बुद्ध की अस्थियां, क्रिस्टल की पेटिकाएं, स्वर्णाभूषण और रत्न, बलुआ पत्थर का संदूक शामिल हैं। ब्राह्मी लिपि के अभिलेख इन्हें सीधे शाक्य वंश से जोड़ते हैं। गॉदरेज इंडस्ट्रीज़ ग्रुप के कार्यकारी उपाध्यक्ष, पिरोजशा गॉदरेज ने कहा कि पिपरहवा अवशेषों की वापसी केवल भारत ही नहीं बल्कि पूरी मानवता के लिए शांति और करुणा का संदेश है।

प्रदर्शनी के लिए बुद्ध के अवशेष लेकर रूस जाएंगे केशव मौर्य

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पीएमओ से आया निर्देश, कार्यक्रम में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे उप मुख्यमंत्री

अमृत विचार : प्रधानमंत्री कार्यालय के निर्देश पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य रूस की ऐतिहासिक यात्रा पर रवाना होंगे। वे वहां भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों को लेकर आयोजित होने वाले विशेष कार्यक्रम में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

भारत सरकार का संस्कृति मंत्रालय 24 सितंबर से 1 अक्टूबर तक रूस के काल्मिकिया प्रांत में भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों का प्रदर्शन करेगा। इस आयोजन का उद्देश्य भारतीय संस्कृति और बौद्ध धरोहर की समृद्ध परंपरा को वैश्विक स्तर पर प्रदर्शित करना है। योजना के अनुसार, उप मुख्यमंत्री मौर्य 23 सितंबर को वायुसेना के विशेष विमान से रूस के लिए प्रस्थान करेंगे। वहां 25 से 28 सितंबर तक एलिस्ता में भगवान बुद्ध से जुड़ी दुर्लभ कलाकृतियों और ऐतिहासिक धरोहरों की प्रदर्शनी आयोजित होगी। इसमें भारत से ले जाए गए अवशेष और कलाकृतियां भी शामिल होंगी। प्रदेश सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, इस दौरे से भारत और रूस के बीच सांस्कृतिक संबंध और गहरे होंगे। साथ ही, यह आयोजन बौद्ध धर्म की वैश्विक विरासत और भारतीय संस्कृति की गरिमा को अंतरराष्ट्रीय मंच पर नई पहचान दिलाने वाला साबित होगा।

नौ वर्ष में तीन गुनी हुई प्रदेश की जीडीपी

गोरखपुर में 'विकसित भारत-विकसित उप्र विजन-2047' पर कार्यशाला में बोले योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम में कार्यशाला के दौरान लोगों को संबोधित करते मुख्यमंत्री योगी।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत संकल्प के अनुरूप उत्तर प्रदेश 'विकसित यूपी विजन-2047' पर तेजी से काम कर रहा है। इस मिशन में हर नागरिक अपनी भूमिका निभा सकता है। उन्होंने आह्वान किया कि लोग सरकार द्वारा जारी क्यूआर कोड स्कैन कर अपने सुझाव साझा करें। प्रदेश के विकास का रोडमैप जनता की भागीदारी से बनेगा।

- मुख्यमंत्री ने किया आह्वान जारी क्यूआर कोड स्कैन कर लोग दें अपने सुझाव

वे रविवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की ओर से आयोजित 'विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश विजन-2047' विषय पर आयोजित कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि 1947 में देश की अर्थव्यवस्था में यूपी का योगदान 14 प्रतिशत था, जो लगातार घटता गया। 2017 में उनकी सरकार बनने के बाद विकास की रफ्तार बढ़ी और अब प्रदेश की जीडीपी 12.36 लाख करोड़ से बढ़कर 36 लाख करोड़ तक पहुंचने जा रही है। प्रति व्यक्ति आय भी नौ साल में 45 हजार रुपये से बढ़कर 1.20 लाख रुपये तक पहुंची है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि यूपी को 2029-30 तक एक ट्रिलियन डॉलर, 2035 तक तीन ट्रिलियन डॉलर और 2047 तक छह ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए 12 क्षेत्रों कृषि, उद्योग, आईटी, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन, संस्कृति, अवसंरचना व सुशासन आदि से सुझाव आमंत्रित किए जा रहे हैं।

नकली दवाओं के खिलाफ जनजागरण जरूरी : मुख्यमंत्री

■ **अमृत विचार , लखनऊ :** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नकली दवाओं का कारोबार ईमानदार दुकानदारों के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। इस पर रोक लगाने के लिए सभी को जनजागरण अभियान से जुड़ना होगा। गोरखपुर में रविवार को केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स फेडरेशन उत्तर प्रदेश की वार्षिक आमसभा में मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने आगरा सहित कई जगहों पर नकली और प्रतिबंधित दवाओं के कारोबार पर बड़ी कार्रवाई की है। उन्होंने कहा कि यदि फेडरेशन नकली दवाओं के खिलाफ खड़ा होगा तो सरकार हर तरह का संरक्षण और सहयोग देगी। उन्होंने कहा कि यूपी को फार्मा हब बनाने के लिए ललितपुर में फार्मा पार्क विकसित किया जा रहा है, जिससे सस्ती दवाएं उपलब्ध होंगी और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। फेडरेशन के अध्यक्ष संदीप चतुर्वेदी ने आश्वासन दिया कि संगठन नशामुक्ति और नकली दवाओं के खिलाफ मुख्यमंत्री के हर निर्णय के साथ खड़ा रहेगा। इस अवसर पर प्रदेश सरकार के मंत्री, सांसद रविकिशन और बड़ी संख्या में फेडरेशन प्रतिनिधि मौजूद रहे।

दो दशक बाद मतदाता सूची की बारीकी से मॉनिटरिंग कर रहा चुनाव आयोग

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- जमीनी होमवर्क करने पर तमाम जिलों में मिल रहीं खामियां
- 2003 की सूची और वर्तमान सूची का हो रहा मिलान
- बाद में जिनके नाम जुड़े, उन्हें देना होंगे आवश्यक दस्तावेज
- नाम सूची से हटाए जाने पर भी अभिलेख रखे जाएंगे सुरक्षित

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश में चुनाव आयोग लगभग दो दशक बाद मतदाता सूची की बड़ी बारीकी से मॉनिटरिंग कर रहा है। जमीनी होमवर्क करने पर तमाम जिलों में जैसी खामियां मिल रहीं हैं, उसको लेकर आयोग के अधिकारी भी हैरान हैं। दरअसल, मौजूदा अभियान के तहत 2003 की सूची और वर्तमान सूची का मिलान हो रहा है।

इस दौरान मतदाताओं की डुप्लीकेसी तो पकड़ी ही जा रही है, वर्ष 2003 के बाद जिनके नाम जुड़े हैं, उन्हें भी आयोग के कहने पर अपनी पहचान संबंधी आवश्यक दस्तावेज दिखाना होगा। इस स्क्रूटनी में नाम मतदाता सूची से हटाए जाने पर भी उनके अभिलेख सुरक्षित रखे जाएंगे, ताकि भविष्य में आवश्यकतानुसार कानूनी औपचारिकताओं में इसका प्रयोग किया जा सके।

राज्य में पंचायत चुनाव और विधानसभा चुनाव से पहले वोटर लिस्ट को अपडेट और त्रुटिरहित बनाने के लिए अभियान चल रहा है। इसको लेकर जिला निर्वाचन अधिकारियों और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

प्रदेश में मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण साल 2003 में हुआ था। अब लगभग 22 साल बाद यह प्रक्रिया दोबारा शुरू होने जा रही है। इस दौरान 2003 की मतदाता सूची और वर्तमान मतदाता सूची का मिलान किया जाएगा। जिन मतदाताओं के नाम दोनों सूचियों में दर्ज हैं, उन्हें कोई अतिरिक्त दस्तावेज देने की जरूरत नहीं होगी। हालांकि, जिनके नाम बाद में जोड़े गए हैं, उन्हें आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे।

खासकर जिन बच्चों के नाम अभिभावकों के बाद जोड़े गए हैं, उन्हें एसआईआर के दायरे में लाया जाएगा। साथ ही, जिन मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जाएंगे, उनके अभिलेख भी सुरक्षित रखे जाएंगे। आगे किसी विवाद की स्थिति में प्रमाण उपलब्ध कराने के लिए यह व्यवस्था रहेगी।

हर पात्र नागरिक का नाम निर्वाचक नामावली में दर्ज होना सामूहिक जिम्मेदारी है। मतदाता सूची को न केवल त्रुटिरहित और पारदर्शी बनाया जाएगा, बल्कि समावेशी पंजीकरण सुनिश्चित करना भी लक्ष्य है। विशेष ध्यान 18–19 वर्ष की आयु वर्ग के युवाओं पर दिया जाना है, ताकि उन्हें पहली बार मतदाता सूची में शामिल किया जा सके।

– नवदीप रिणवा, मुख्य निर्वाचन अधिकारी

विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाएंगे। वे मतदाताओं को गणना-प्रपत्र वितरित करेंगे। उसे भरने में सहयोग करेंगे और एकत्रित करने के बाद मतदाताओं का सत्यापन कर जानकारी को बीएलओ ऐप पर अपलोड करेंगे। निर्वाचन आयोग की कोशिश है कि पंचायत और विधानसभा चुनाव से पहले अपडेट और सही मतदाता सूची उपलब्ध कराई जा सके।

नेहा राठौर की याचिका खारिज

विधि संवाददाता, लखनऊ : हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने पहलगाम में 26 पर्यटकों का धर्म पूछकर हत्या करने के आतंकी हमले के पश्चात सोशल मीडिया पर कथित अनर्गल, धार्मिक व देश विरोधी पोस्ट करने की आरोपी लोक गायिका नेहा सिंह राठौर को राहत देने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने मामले में दर्ज प्राथमिकी को निरस्त करने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी है, साथ ही उन्हें विवेचनाधिकारी के समक्ष 26 सितंबर को पूछताछ में सहयोग के लिए हाजिर होने का भी आदेश दिया है।

यह आदेश न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान व न्यायमूर्ति सैयद कमर हसन रिजवी की खंडपीठ ने पारित किया है। कोर्ट ने अपने आदेश में टिप्पणी भी की है कि अभिव्यक्ति की आजादी का मौलिक अधिकार है लेकिन इस पर युक्तियुक्त प्रतिबंध भी हैं।

एनसीएमसी कार्ड देश की सभी मेट्रो में होगा मान्य

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- वन नेशन-वन कार्ड योजना पर तेजी से चल रहा काम

अमृत विचार : लखनऊ मेट्रो एक कार्ड लाने जा रहा है। इससे यात्री सिर्फ लखनऊ ही, नहीं पूरे देश में संचालित हो रही किसी भी मेट्रो में कहीं से सफर कर सकेगा।

मेट्रो प्रशासन वन नेशन-वन कार्ड की योजना पर तेजी से काम कर रहा है।इसके तहत नेशनल कॉमन मोबालिटी कार्ड (एनसीएमसी) बनेगा। करीब छह माह में यह कार्ड लाया जाएगा। इसे लांच करते ही मौजूदा समय में इस्तेमाल हो रहा क्लोज कार्ड को बंद कर दिया जाएगा। बता दें कि कानपुर और आगरा मेट्रो में नेशनल कॉमन मोबालिटी कार्ड का इस्तेमाल हो रहा है।

6 महीने बाद टिकट लेने का झंझट खत्म

लखनऊ मेट्रो में सफर करने के लिए यात्री टोकन अथवा कार्ड का इस्तेमाल करते हैं, जिससे सफर के दौरान किराये में 10 प्रतिशत की छूट मिलती है, लेकिन करीब 6 महीने बाद इस कार्ड का इस्तेमाल बंद हो जायेगा। इसकी जगह पर लोग यात्रा के लिए एनसीएमसी कार्ड का इस्तेमाल कर सकेंगे। इस कार्ड की खासियत यह होगी कि देश में चल रही सभी मेट्रो में मान्य होगा। यानी कार्ड लेने के बाद कहीं पर भी लाइन में लगने से छुटकारा मिलेगा और टिकट खरीदने की झंझट खत्म होगी। दरअसल, उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार का साझा उद्यम है। साल 2020 में ही केंद्र सरकार ने नेशनल कॉमन मोबालिटी कार्ड की शुरुआत कर दी थी, दिल्ली मेट्रो में इस कार्ड के इस्तेमाल का फैसला भी ले लिया गया था और तय हुआ कि देश में अब जिन शहरों में मेट्रो सुविधा शुरू होगी, सब जगह एक ही कार्ड का इस्तेमाल होगा। यही वजह है कि लखनऊ में भी इसको शुरू करने की तैयारी है।

नोएडा एयरपोर्ट से कामर्शियल उड़ानें दीवाली बाद शुरू

अमृत विचार, लखनऊ : दीवाली बाद नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से कमर्शियल उड़ानें शुरू हो जाने की संभावना है। जेवर स्थित इस एयरपोर्ट के खुलने से दिल्ली-एनसीआर के यात्रियों के लिए हवाई यातायात सुगम हो जाएगा। हालांकि इस एयरपोर्ट का औपचारिक उद्घाटन 30 अक्टूबर को होना है, लेकिन इससे पूर्व कमर्शियल उड़ानें शुरू हो जाएंगी।

वीजा शुल्क बढ़ने से घटेगा कारोबार: अखिलेश

इटावा में लॉयन सफारी का भ्रमण करते पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा की आर्थिक और विदेश नीति फेल हो गयी है। दुनिया में भारत के मित्र देशों की संख्या घट गयी है। मित्र देश भी व्यापार में चिढ़ा रहे हैं।

अब एच-1बी वीजा पर जो पाबंदियां लग रही हैं, उससे भारतीय कंपनियों और भारतीयों को बहुत परेशानी का सामना करना पड़ेगा। कंपनियों का कारोबार घटेगा। सपा प्रमुख ने रविवार को सोशल मीडिया पर केन्द्र सरकार पर भोजपुरी भाषा में तंज कसते हुए कहा कि झूठी हुई हर बतिया, एच वन वीजा हुआ लखटकिया। उन्होंने जारी बयान में स्पष्ट करते हुए कहा कि भारत से व्यापार और कारोबार छीना जा रहा है। भाजपा सरकार के पास इन सवालों का जवाब नहीं हैं। कहा कि ये पहले टैक्स बढ़ाकर ज्यादा जीएसटी ले रहे थे। अब कम करने का ढिंढोरा पीट रहे हैं।

मुलायम सिंह ने देखा था लॉयन सफारी का सपना

■ **अमृत विचार :** इटावा में लॉयन सफारी भ्रमण के बाद रविवार को अखिलेश यादव ने कहा कि इटावा लॉयन सफारी का जो सपना कभी मुलायम सिंह और समाजवादियों ने देखा था, आज वह आगे बढ़ रहा है। इटावा लॉयन सफारी को पूरे देश में प्रसिद्धि मिल रही है।

शारदीय नवरात्र आज से

शारदीय नवरात्र सोमवार 22 सितंबर से शुरू हो रहे हैं और 1 अक्टूबर को खत्म होंगे। इस बार सोमवार को माता का आगमन हाथी पर होगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, हाथी पर माता का सवार होकर आना बेहद शुभ संकेत होता है। शारदीय नवरात्र का समापन 1 अक्टूबर बुधवार को होगा। बुधवार के दिन जब भी माता प्रस्थान करती हैं तो उनकी सवारी हाथी ही होती है। इसे भी शुभ संकेतक माना जाता है। तृतीया तिथि बढ़ जाने के कारण इस बार 9 नहीं 10 दिन के होंगे नवरात्र। विजयादशमी का पर्व 2 अक्टूबर को होगा।

घटस्थापना मुहूर्त – सुबह 5:58 बजे से 7:52 बजे तक घटस्थापना अभिजीत मुहूर्त – दोपहर 11:37 बजे से 12:25 बजे तक।

प्रथम शैलपुत्री

नवरात्र के प्रथम दिन मां शैलपुत्री की पूजा होती है। शैलपुत्री हिमालय की पुत्री हैं। इसी वजह से मां के इस स्वरूप को शैलपुत्री कहा जाता है। इनकी आराधना से हम सभी मनोवांछित फल प्राप्त कर सकते हैं। मां शैलपुत्री को प्रसन्न करने के लिए बीज मंत्र जपना चाहिए। इसके प्रभाव से माता जल्दी ही प्रसन्न होती हैं। देवी शैलपुत्री की पूजा से चंद्र दोष समाप्त होता है।

बीज मंत्र..... ह्रीं शिवायै नमः।

मेरठ में गुर्जर महापंचायत में बवाल, लाठीचार्ज-पथराव

250 से अधिक लोग हिरासत में, इलाके में तनाव, पुलिस तैनात

मेरठ ,एजेंसी

जिले के दौराला थाना क्षेत्र के दादरी गांव में रविवार को बुलाई गई गुर्जर महापंचायत में भारी बवाल मच गया। पंचायत में गुर्जर समाज के हक, राजनीतिक भागीदारी और टिकटों में हिस्सेदारी जैसे मुद्दों पर चर्चा होनी थी, लेकिन पुलिस की सख्ती से माहौल बिगड़ गया। कई प्रमुख नेताओं को कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने से पहले ही हिरासत में ले लिया। इससे आक्रोशित भीड़ उग्र हो उठी और पथराव शुरू हो गया। हालात को काबू में करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। मौके से करीब 250 लोगों को हिरासत में लिया गया है। इलाके में तनाव को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

महापंचायत में मेरठ,सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, गाजियाबाद, नोएडा और अन्य जिलों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे। पुलिस के अनुसार पंचायत में पहुंचे कुछ युवक माहौल बिगाड़ने में लगे थे। पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की। इस दौरान पुलिस और भीड़ आमने-सामने आ गई। कुछ जगहों पर पथराव भी हुआ। स्थिति बेकाबू होते देख पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा।

महापंचायत में गुर्जर नेताओं ने आरोप लगाया कि प्रशासन जानबूझकर समाज की आवाज को दबा रहा है। उन्होंने कहा कि हम शांतिपूर्ण तरीके से अपने अधिकारों की बात कर रहे थे, लेकिन सरकार ने तानाशाही रवैया अपनाते हुए हमारे नेताओं को जबरन उठाया। वर्तमान सरकार के प्रति गुर्जर समाज की निष्ठा है, लेकिन समाज के हक को यदि अनदेखी किया जायेगा तो यह बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। राष्ट्रीय गुर्जर समाज संघर्ष समिति के अध्यक्ष रविंद्र भाटी गुर्जर, अभिनव और अमित मोतला समेत कई नेताओं को पुलिस ने पंचायत स्थल से पहले ही रोककर पुलिस लाइन भेज दिया। इस कार्रवाई से नाराज समर्थकों ने पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की और विरोध प्रदर्शन तेज कर दिया। गिरफ्तारी की खबर फैलते ही मौके पर तनाव बढ़ गया।

एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह ने कहा कि कुछ लोग पंचायत के बहाने रैली और माहौल बिगाड़ने की योजना बना रहे थे। इसी को देखते हुए एहतियाती कार्रवाई की गई। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्थिति को शांतिपूर्ण ढंग से नियंत्रित कर लिया गया है, और फिलहाल कोई पथराव नहीं हो रहा है।

मौसम का बदलता रहेगा मिजाज

लखनऊ, अमृत विचार : प्रदेश में मौसम का मिजाज अब बदलता रहेगा। फिलहाल कहीं चिलचिलाती धूप तो कहीं बारिश का सिलसिला है। पश्चिमी क्षेत्र में मौसम साफ है तो पूर्वी उप्र. के अधिकांश हिस्सों में हल्की से मध्य बारिश हो रही है। मौसम का यह मिजाज इस सप्ताह तक बना रहेगा।

मौसम विज्ञानियों का कहना है कि अधिकतम तापमान में दो से चार डिग्री सेल्सियस की वृद्धि संभव है। मौसम विभाग के अनुसार बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र बनने वाला है। जिसके प्रभाव से प्रदेश के कुछ हिस्सों में बारिश होने के आसार हैं। हालांकि राज्य के ज्यादातर हिस्सों में मौसम साफ बना हुआ है। 26 सितंबर तक पश्चिमी उप्र. में मौसम शुष्क रहने की संभावना है। वहीं, पूर्वी उप्र. में कहीं-कहीं गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने की उम्मीद है। न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव होने के आसार नहीं हैं। बारिश से लखीमपुर खीरी, बलिया, गोंडा समेत आठ जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। इस बीच लखीमपुर खीरी में एक मकान भी ढह गया। 24 घंटे में यहां आठ मकान नदी में समा गए हैं।

रामलला और रामदरबार के दर्शन कर मन को मिला सुकून : नीरा ह्रदेश

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : राममंदिर में रामलला और रामदरबार के साथ-साथ हनुमानगढ़ी में दर्शन-पूजन करने से जो सुकून प्राप्त हुआ वह अलौकिक और अद्वितीय है। इतना भव्य राममंदिर देख बहुत अच्छा लगा। मन को शांति मिली। ये बातें कौशांबी से रविवार को आये भक्त नीरा ह्रदेश और उनके पति ह्रदेश नारायण ने राममंदिर परिसर में कहीं। दोनों भारत गौरव यात्रा स्पेशल ट्रेन से अयोध्या आए थे।

आगरा से विभिन्न धार्मिक स्थलों से होते हुए भारत गौरव यात्रा स्पेशल ट्रेन रविवार सुबह अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन पहुंची। ट्रेन से लगभग 800 भक्त आए थे। जहाँ सभी ने सिद्ध पीठ हनुमान गढ़ी, राम मंदिर, गुप्तारघाट समेत अन्य धार्मिक स्थलों पर दर्शन-पूजन किया। श्रद्धालु नीरा ह्रदेश और उनके पति ह्रदेश नारायण, पवन कुमार शर्मा, शकुंतला शर्मा, प्रभात गुप्ता, संध्या गुप्ता शामिल रहीं। भारतीय रेल और आईआरसीटीसी के द्वारा रामायण सर्किट धार्मिक यात्रा के तहत भारत गौरव यात्रा स्पेशल ट्रेन 13 सितम्बर को आगरा से चली थी। इस 10 दिवशीय यात्रा में गया (बिहार) में दर्शन-पूजन करने के बाद कोलकत्ता गंगासागर, काली मंदिर के बाद झारखण्ड के बैजनाथ धाम, जगन्नाथपूरी, काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन करने और गंगा आरती में शामिल होने के बाद अंतिम धार्मिक स्थल अयोध्या पहुंची।

हनुमानगढ़ी में दर्शन करने पहुंचे भारत गौरव यात्रा ट्रेन से आए नीरा ह्रदेश, ह्रदेश नारायण व कौशांबी, दिल्ली, जयपुर से आए भक्तगण साथ में पुजारी सरोज दास। ● अमृत विचार

जहां राम जन्मभूमि मंदिर, हनुमानगढ़ी, सरयू घाट, नंदीग्राम भरत कुंड समेत अन्य मंदिर में दर्शन-पूजन किया। वहीं इस यात्रा में शामिल भक्तों ने सरकार की इस योजना का स्वागत किया। यात्रा में शामिल शकुंतला शर्मा ने बताया कि इस यात्रा के माध्यम से विभिन्न धार्मिक स्थलों पर दर्शन-पूजन करने का अवसर प्राप्त हुआ है। वहीं आईआरसीटीसी और भारतीय रेल की सुविधाओं पर आपत्ति जताई और कहा कि दोनों के बीच आपसी तालमेल सही न होने के कारण यात्रियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

ट्रेन में एसी कोच और शयन कोच दो अलग-अलग श्रेणी के तहत यात्री सवार रहे। प्रभात गुप्ता ने भी बताया कि अयोध्या में दर्शन पूजन की अच्छी व्यवस्था रही है। ट्रेन की व्यवस्थाओं के लिए गाइडलाइन की आवश्यकता है। जिससे इस यात्रा में शामिल लोगों को अच्छी व्यवस्थाएं मिल सकें।

न्यूज ब्रीफ

ट्रेड शो में प्रतिभाग करेगा समाज कल्याण विभाग

अमृत विचार, लखनऊ : ग्रेटर नोएडा में 25 से 29 सितंबर तक आयोजित होने वाले यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में पहली बार समाज कल्याण विभाग भी प्रतिभाग करेगा। ट्रेड शो में विभाग के स्टॉल पर समावेशी विकास की झलक देखने को मिलेगी। यह जानकारी समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) असीम अरुण ने दी। आयोजन में प्रतिभाग करने के लिए 20 बच्चों का चयन किया जा रहा है।

शिक्षा, स्वास्थ्य व कृषि में सुधार चाहते हैं लोग

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मिशन 2047 के संकल्प को धरातल पर उतारने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आह्वान पर रविवार तक 3 लाख से अधिक फीडबैक दर्ज हुए हैं। इसमें सबसे अधिक लोग सरकार से शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि में सुधार चाहते हैं।

समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश 2047 अभियान के तहत जनता से फीडबैक लेने की प्रक्रिया जारी है। प्रदेश के 75 जनपदों में नोडल अधिकारी और प्रबुद्धजन, आम जनता,

● **ग्रामीण क्षेत्रों से 2.40 लाख और नगरीय क्षेत्रों से 60 हजार से अधिक मिले फीडबैक**

छात्रों, शिक्षकों, व्यवसायियों, कृषकों, स्वयंसेवी संगठनों, श्रमिक संघों और मीडिया के साथ मिलकर उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा और भविष्य के रोड मैप पर चर्चा कर रहे हैं।

samarthuttarpradesh.up.gov.in पर कुल 3 लाख फीडबैक प्राप्त हुए। इनमें से 2.40 हजार ग्रामीण और 60 हजार से अधिक नगरीय क्षेत्रों से आए हैं। आयु वर्ग के अनुसार, 1.12 लाख से अधिक सुझाव 31 वर्ष से कम, 1.66 लाख सुझाव 31-60 वर्ष और बाकी सुझाव 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के नागरिकों से प्राप्त हुए हैं।

इन क्षेत्रों में मिल रहे सर्वाधिक सुझाव

फीडबैक के क्षेत्रवार वितरण में शिक्षा (1.10 लाख), नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्र (52 हजार से अधिक), स्वास्थ्य (23 हजार से अधिक), समाज कल्याण (25 हजार से अधिक), कृषि (51 हजार से अधिक) और आईटी एवं टेक्नोलॉजी (6 हजार से अधिक) शामिल हैं। प्रमुख जनपदों जैसे- आगरा, फिरोजाबाद, बस्ती, जौनपुर, कानपुर देहात, कानपुर नगर, गोरखपुर, सहारनपुर, शामली, एटा, मेरठ, फर्रुखाबाद, मैनपुरी, ललितपुर, महाराजगंज, प्रयागराज आदि से 1.11 लाख से अधिक सुझाव प्राप्त हुए हैं।

आज बराबर होगा दिन-रात का समय

नैनीताल। सोमवार को रात-दिन का समय बराबर रहेगा। 12 घंटे का दिन और 12 घंटे की रात होगी। इसके बाद दक्षिणी गोलार्ध में दिन लंबे होने शुरू हो जाएंगे जबकि उत्तरी गोलार्ध में रातें लंबी होने लगेंगी। आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के वरिष्ठ खगोल वैज्ञानिक डॉ. शशिभूषण पांडे के अनुसार, दिन व रात का घटना-बढ़ना सामान्य प्रक्रिया है, जो वर्ष भर चलती है। साल में दो बार ऐसा दिन आता है, जब दिन व रात की अवधि बराबर हो जाती है। यह दिन मार्च व सितंबर में आता है। इस बार 22 सितंबर को दिन व रात बराबर होंगे। इसे ऑटम इक्विनॉक्स यानी विषुव का दिन कहा जाता है।

यू-ट्यूबर सौरभ से मांगी पांच करोड़ की रंगदारी

संवाददाता, हल्द्वानी

● **भाऊ गैंग के नाम से ई-मेल भेजा, न देने पर गोली मारने की धमकी**

अमृत विचार : नामी यू-ट्यूबर सौरभ जोशी को फिर धमकी मिली है। इस बार उन्हें भाऊ गैंग ने ई-मेल भेजकर पांच करोड़ की रंगदारी मांगी है।

हल्द्वानी निवासी सौरभ जोशी ने पुलिस को बताया कि 15 सितंबर को उन्हें धमकी भरा ई-मेल मिला। मेल भेजने वाले ने खुद को भाऊ गैंग से बताया। धमकी दी गई कि वह इस ई-मेल को अनदेखा न करे, नहीं तो गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। गोली मारने की धमकी देने के साथ ही ई-मेल में सौरभ की करोड़ों रुपये की एक्सयूवी का भी जिक्र किया गया है। इस मेल के बाद सौरभ और उनका पूरा परिवार सहमा हुआ है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक राजेश यादव ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। बता दें कि पिछले वर्ष नवंबर में भी सौरभ जोशी को लॉरेंस विश्नोई गैंग के नाम से धमकी भरा खत भेजा गया था। पुलिस ने तब बदायूं निवासी अरुण कुमार को गिरफ्तार किया था।

न्यूज ब्रीफ

पत्नी से छेड़छाड़, 12 के खिलाफ रिपोर्ट

कैंट, अमृत विचार : थाना क्षेत्र की रहने वाली एक महिला ने बताया, कि 19 सितंबर को रात उसका दामाद गांव में ही अपने घर जा रहा था। इसी दौरान रंजिशन गांव के ही एक दर्जन लोगों ने उसे घेर लिया और लाठी डंडों से पीटने लगे। बचाने गए महिला के पति, बेटी आदि को भी आरोपियों ने पीटा। आरोप है कि मारपीट के दौरान उसकी बेटी के साथ आरोपियों ने छेड़छाड़ की। मारपीट में महिला के पति जेठानी के पुत्र तथा बेटी को गंभीर चोट आई है। पुलिस ने घायलों का मेडिकल परीक्षण करने के बाद महिला की तहरीर पर अशोक, अंशु, अजय, आदित्य समेत 12 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

बीएलओ का प्रशिक्षण आज से

मीरगंज, अमृत विचार : विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में एसआईआर के लिए बीएलओ और सुपरवाइजर को सोमवार से प्रशिक्षण दिया जाएगा। ये जानकारी एसडीएम इशिता किशोर ने दी। उन्होंने बताया कि मीरगंज विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचन नामावलियों के प्रस्तावित स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के लिए क्षेत्र के सभी बीएलओ एवं सुपरवाइजरों को सोमवार को तहसील सभागार में प्रशिक्षण दिया जाएगा। अनुपस्थित रहने वाले बीएलओ का एक दिन के वेतन की कटौती की जाएगी।

सांसद विधायक के बिना पालिका में हुई बोर्ड बैठक

फरीदपुर, अमृत विचार : नगर पालिका परिषद बोर्ड की 13 महीने बाद हुई बैठक क्षेत्रीय विधायक, एमएलसी और सपा सांसद के बगैर कर ली गई। 20 सितंबर को हुई बैठक में विधायक श्याम बिहारी लाल, विधान परिषद सदस्य कुंवर महाराज सिंह की बोर्ड बैठक में अनुपस्थिति नगर में चर्चा का विषय बनी है। लोगों का कहना है कि अगली बैठक शीघ्र बुलाई जाए जिसमें सांसद, स्थानीय विधायक, विधान परिषद सदस्य की भी उपस्थिति हो ताकि जनता की सड़क, सफाई व्यवस्था, पथ प्रकाश व्यवस्था, जल भराव, नालों का निर्माण एवं अन्य समस्याओं से मुक्ति मिल सके। सांसद नीरज मौर्य ने बताया कि बोर्ड बैठक का एजेंडा आया था। दिल्ली में बैठक थी इसलिए बोर्ड बैठक में नहीं आ सके।

जमीन बंटवारे के विवाद में आठ लोग घायल

सीबीगंज, अमृत विचार : जमीन के बंटवारे के विवाद में दो सगे भाइयों में जमकर मारपीट हो गई। दोनों पक्षों के करीब आठ लोग घायल हो गए। पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर पर 10 लोगों पर रिपोर्ट दर्ज की है। बल्ला कोठा निवासी लीलाधर का उनके भाई नत्थूलाल से जमीन के बंटवारे को लेकर कोर्ट में मुकदमा चल रहा है। इसी विवाद को लेकर शनिवार को दोनों पक्षों में जमकर लाठी डंडे चले। एक पक्ष के लीलाधर और दूसरे पक्ष के विनोद ने एक-दूसरे के परिवार के लोगों पर मारपीट की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

बाइक सवार को ट्रक ने रौंदा

हाइवे पर अनियंत्रित ट्रक से हुआ हादसा, चालक फरार

संवाददाता, फतेहगंज पश्चिमी

हादसे के बाद पहुंची पुलिस ने सड़क से बाइक व शव को हटाया। ● अमृत विचार

अमृत विचार : हाईवे पर अनियंत्रित ट्रक की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में ले लिया है। रविवार शाम करीब हाइवे पर टोल के पास पीछे से आ रहे अनियंत्रित ट्रक ने बाइक सवार युवक को रौंद दिया। हादसे में थाना फरीदपुर के गांव धोरेरा निवासी शिवम की मौके पर ही मौत हो गई है।

शिवम मीरगंज अपने रिश्तेदार के यहां से लौट रहा था। बाइक उसके भाई के ससुर अमर सिंह के नाम में है। जो उसके भाई को दहेज में मिली है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस ने टक्कर मारकर भाग रहे ट्रक को टोल टैक्स पर रोककर कब्जे में ले लिया। चालक फरार हो गया।

बुलेरो की टक्कर से बाइक सवार महिला की मौत

बहेड़ी: कोतवाली क्षेत्र एक बुलेरो कार ने मोटरसाइकिल सवार दंपती को टक्कर मार दी। हादसे में मोटरसाइकिल सवार महिला की मौत हो गई। रविवार को पीलीभीत के थाना अमरिया के नैनी गांव निवासी द्रोपदी देवी (58) अपने पति हीरालाल की बाइक से मायके भागलपुर से घर जा रही थी। ग्राम मुंडिया नसीर के पास एक तेज रफ्तार बुलेरो ने बाइक में टक्कर मार दी।इससे द्रोपदी की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि हीरा लाल घायल हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्ज़े में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बुलेरो की तलाश की जा रही है।

आमने सामने बाइक की भिड़ंत में पांच घायल, भमौरा : पत्नी संग ससुराल जा रहे युवक की बाइक में सामने से आ रही बाइक ने टक्कर मार दी। इससे दोनो बाइको पर सवार पांच लोग घायल हो गये। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया ग्राम भमोरा निवासी गौरव पत्नी सरिता व भतीजी अनुष्का के साथ ससुराल सिरसा जा रहे थे। देवचरा बल्लिया रोड पर सामने से आ रही बाइक ने टक्कर मार दी। जिससे गौरव सरिता व अनुष्का के साथ दूसरी बाइक पर सवार प्रेम शंकर पुत्र बनवारी व अंकित पुत्र भूप सिंह निवासी सरोरी जहानाबाद घायल हो गए। पुलिस ने वाहन कब्जे में ले लिए हैं।

ट्रक लदे सरिया से बाइक सवार युवक घायल

घायल राहुल।

नवाबगंज, क्षेत्र के ग्राम ज्योरा मकरन्दपुर में रविवार शाम बड़ा हादसा हो गया। निर्माणाधीन राइस मिल में लोहे के एंगल उतारने से पहले बैक हो रहे ट्रक से बाइक टकरा गई। इससे ट्रक में लदा लोहे का एंगल बाइक सवार युवक की गर्दन में धंस गया और वह घायल हो गया। बरखेड़ा निवासी राहुल गुप्ता (25) पत्नी व एक वर्षीय पुत्र के साथ घर लौट रहे थे। राइस मिल पर मुड़ते समय हादसा हो गया। दुर्घटना में राहुल की पत्नी भी गिरकर घायल हो गई, पुत्र बाल-बाल बच गया। मौके पर ग्रामीणों ने हंगामा शुरू कर दिया और ट्रक चालक को घेरने का प्रयास किया। राइस मिल मालिक और ग्रामीणों के बीच नोकझोंक भी हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल भेजवाया और स्थिति को शांत किया। समाचार लिखे जाने तहरीर नहीं दी गई थी।

चुनाव आयोग की कार्यवाही से विपक्ष है बौखलाया

महतारी वंदन यात्रा के समापन कार्यक्रम को संबोधित करते कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह

संवाददाता, आंवला

अमृत विचार : रविवार को महतारी वंदन यात्रा का समापन कस्बे के एक बारात घर में आयोजित कार्यक्रम के साथ किया गया। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह ने प्रदेश और देश की सरकार की उपलब्धियां बताईं और विपक्ष पर तीखे प्रहार किए।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर चुनाव आयोग ने फर्जी वोट काटे हैं। इस कार्रवाई से विपक्ष बौखला गया है । कहा कि विपक्ष की यह भाषा और उनका व्यवहार इस बात का संकेत है कि उनकी हार निश्चित है। मंत्री ने कहा कि महतारी वंदन यात्रा समाज में मातृ शक्ति के सम्मान और जागरूकता का संदेश लेकर निकाली गई है। कार्यक्रम से पूर्व यात्रा आंवला मंडल के मोहल्ला नगरिया सतन, ताडगंज, गांव अख्तरनगर, भीमपुर, बहजुईया, कल्लिया, नगरिया देहजब्ती, करूआताल, राजपुर खुर्द और आसपुर पहुंची। वहां लोगों से संवाद किया गया। कार्यक्रम में अनमोल गुप्ता उर्फ काकू, रामनिवास मौर्य, संजीव सक्सेना, वेदप्रकाश यादव, मीना मौर्य, ऊषा सतीजा, हरीश चौहान, सुनील श्रीवास्तव, प्रभाकर शर्मा आदि लोग मौजूद रहे।

प्रधान व रोजगार सेवक पर धन के दुरुपयोग का आरोप

बहेड़ी,अमृत विचार: परेवा ग्राम पंचायत के ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर रोजगार सेवक व ग्राम प्रधान पर सरकारी धन के दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है।

मुख्यमंत्री से की शिकायत में कहा है कि रोजगार सेवक और प्रधान ने गांव में न रहने वाले लोगो के फर्जी जॉब कार्ड बनवा लिए हैं। आरोप लगाया कि प्रधान ने अपने चचेरे भाई रिजवान पुत्र महफूज अली का जॉब कार्डबनवाया है। यह सिविल इंजीनियर है और मुरादाबाद में तैनात है। जाकिर खां पुत्र रिफाकत अली खा, मुजफ्फर खां पुत्र लईक अहमद, अली वारिस पुत्र मुजफ्फर खां हैं जो ग्रामीण बैंक में बीसी चलाता है। इरफान पुत्र तहसील खां एमबी इंटर कॉलेज में शिक्षक है। फिरोज पुत्र मुशर्रफ खान दिल्ली में सिलाई का केंद्र चलता है ।हरपाल पुत्र नन्नुका हल्द्वानी में मेडिकल स्टोर चलता हैं । इन सभी लोगों पर मनरेगा के सरकारी धन का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है शिकायतकर्ताओं में नबी अहमद, अख्तर खा राजपाल, कयूम खान, इरशाद खा आदि हैं।

एकजुटता से ही मिलेंगे अधिकार

संवाददाता, मीरगंज

क्षत्रिय महासभा केसम्मेलन में सर्वेश्वर पाल सिंह को सम्मानित करते पदाधिकारी।

अमृत विचार : धनेटा फाटक के पास नेशनल हाईवे पर स्थित आशीर्वाद रेस्टोरेंट में अखिल भारतीय क्षत्रिय चेतना महासभा का क्षत्रिय जन जागरण सम्मेलन हुआ। जिला अध्यक्ष सर्वेश्वर पाल सिंह ने क्षत्रिय एकता पर जोर देते हुए पंचायत चुनाव और विधानसभा चुनाव में भागीदारी पर बल दिया।

राष्ट्रीय संगठन मंत्री भुवनेश्वर सिंह एवं प्रदेश अध्यक्ष जय गोविंद सिंह ने कार्यक्रम की शुरुआत की। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा हम संगठित रहेंगे तभी संगठन मजबूत होगा तभी क्षत्रियों के अधिकारों की लड़ाई लड़ सकेंगे। संगठन मंत्री ने कहा कि पंचायत चुनाव में जिस वार्ड में क्षत्रिय समाज की भागीदारी 30 से 40 फीसदी है वहां समाज के व्यक्ति को वरीयता मिलनी चाहिए।

कार्यक्रम में जेपी सिंह भदौरिया, हरगोविंद सिंह, महेश कठेरिया, अमित चौहान, संजय चौहान, के पी सिंह,अनुरोध सिंह,विजय वीर सिंह सहित जिले के क्षत्रिय नेता और पदाधिकारी शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. देवपाल सिंह ने की, संचालन जिला उपाध्यक्ष डा. रामेंद्र सिंह चौहान और सुदेश पाल सिंह ने बारी-बारी से किया। क्षत्रियों ने एकजुट होने का संकल्प लिया।

रामगंगा तट पर पितरों के लिए हुआ सामूहिक तर्पण

संवाददाता, कैंट

रामगंगा के चौबारी घाट पर सामूहिक तर्पण करते ब्राह्मण सभा के लोग।

अमृत विचार : अखिल भारत वर्षीय ब्राह्मण महासभा के तत्वाधान में पितृ पक्ष के विश्राम दिवस पर रविवार को विधि विधान से रामगंगा के तट पर पूर्वजों, पितरों की आत्मा की शान्ति के लिए सामूहिक तर्पण (जलदान) किया गया।

जिलाध्यक्ष गजेन्द्र पाण्डेय, रमेश तिवारी, पुरुषोत्तम शर्मा, कौशल सारस्वत, ठाकुर राम कुमार सिंह, चौहान, जगदीश चौहान, अमित शर्मा, विवेक उपाध्याय,.बृज किशोर शर्मा, प्रमोद उपाध्याय,. सुमित मिश्रा, राम निवास मिश्रा, काली चरण मिश्रा, प्रेम शंकर शर्मा, ठाकुर मुनेन्द्र सिंह चौहान, आनंद पाल सिंह चौहान, मोनू पाण्डेय, रामा शंकर शर्मा, अजय चतुर्वेदी समेत सैकड़ों सनातन धर्मावलंबियों ने कार्यक्रम में भाग लिया। शनिवार को रामगंगा के गोविंदपुर घाट पर जय भारत मंच के कार्यकर्ताओं द्वारा आचार्य हर्षित शंखधार के माध्यम से कोविड काल में दिवंगत व्यक्तियों, एवं सेना के शहीद जवानों, केन्द्र व राज्य के दिवंगत कर्मचारियों, बाढ़ एवं अन्य प्राकृतिक आपदाओं, दुर्घटनाओं, बीमारियों व अन्य कारणों से दिवंगत हुए व्यक्तियों, ज्ञात और अज्ञात मृत आत्माओं की शांति के लिए सामूहिक तर्पण किया गया। इस दौरान बृज क्षेत्र महामंत्री मनोज कुमार, सुधीर कुमार सिंह, सुधीर कुमार सिंह, राजेश सिंह, शिशुपाल सिंह मुकेश शर्मा, सुरेश वर्मा, महेश पाल, रामजीत वर्मा, अमन यादव, पूरन वर्मा, संतराम सागर, अजयपाल सिंह, सर्वजीत सिंह, सुखपाल आर्य, प्रेम सिंह गुर्जर, रिंकी सिंह नोनीराम, आरेन्द्र सिंह, अमरजीत गुर्जर आदि मौजूद रहे।

आतिशबाजी की दुकान का रिन्यूवल नहीं, कराई बंद

संवाददाता, मीरगंज

अमृत विचार : त्योहार में सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए एसडीएम ने आतिशबाजी की दुकान का लाइसेंस रिन्यू नहीं पाए जाने पर उसे बंद करवा दिया और मानकों का पालन करने के निर्देश सभी दुकानदारों को दिये हैं।

उपजिलाधिकारी इशिता किशोर,क्षेत्राधिकारी अजय कुमार और प्रभारी निरीक्षक प्रयागराज सिंह ने चुरई दलपतपुर रोड पर संचालित फैंसी आतिशबाजी की दुकान का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दुकान का लाइसेंस रिन्यू नहीं पाया गया, अधिकारियों ने कड़ी चेतावनी देते हुए तत्काल दुकान बंद करवा दी और लाइसेंस का नवीनीकरण कराने के निर्देश दिए। एसडीएम ने कहा कि पटाखों की दुकानों के संचालन के लिए परमिट और सुरक्षा मानकों का पालन अनिवार्य है। सीओ अजय कुमार ने कहा कि त्योहार के दौरान कोई भी अवैध गतिविधि बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कामाख्या तक दंडवत यात्रा पर निकले युवा सन्यासी

संवाददाता, मीरगंज

दंडवत यात्रा करते जाते अर्जुन ।

अमृत विचार : रामपुर से कामाख्या देवी तक दंडवत यात्रा पर निकले अर्जुन रविवार को मीरगंज पहुंचे। 16 सितंबर को सुबह रामपुर के प्रसिद्ध रिठौंडा शिव मंदिर से शुरु हुई यात्रा में हर रोज चार किमी दंडवत प्रणाम करते हुए यात्रा की जा रही है।

असम में गुवाहाटी में कामाख्या देवी तक पहुंचने का लक्ष्य 18 से 20 माह का है। कामाख्या देवी तक दंडवत यात्रा कर रहे अजुर्न का पांचवें दिन पड़ाव मीरगंज में हाइवे पर कुल्छा खुर्द गांव के एक होटल पर हुआ। अर्जुन ने बताया कि मेरा उद्देश्य मातृशक्ति (महिलाओं और बहनों) को आत्म निर्भर बनाना, उन्हें अलग ढंग से कुछ कर गुरजने का मार्ग प्रशस्त करना। अर्जुन के पिता कैलाश गंगवार एक प्राइवेट वाहन चालक हैं और वह तीन भाईयों में मध्य के हैं। एवं एक बहन भी है।

अर्जुन की भक्ति ने उन्हें असाधारण बना दिया है। 16 सितम्बर 2025 को सुबह 11 बजे अर्जुन ने रामपुर जनपद के प्रसिद्ध रिठौंडा शिव मंदिर से दंडवत यात्रा आरम्भ कीअर्जुन ने पहली बार 17 वर्ष की आयु में भक्ति का गहन अनुभव किया।

परीक्षित मोक्ष की कथा सुनाई

संवाददाता, भदपुरा

अमृत विचार : विकासखंड के ग्राम दलेलनगर में चल रही 9 दिवसीय श्रीमदभागवत कथा का रविवार को समापन हो गया। कथा के अंतिम दिन श्रीमद् भागवत का रसपान पाने को सैकड़ों भक्त पहुंचे। कथावाचिका रसना शास्त्री ने प्रभु कृष्ण के 16 हजार शादियां के प्रसंग के साथ सुदामा प्रसंग और परीक्षित मोक्ष की कथायें सुनाई। इन कथाओं को सुनकर सभी भक्त भाव विभोर हो गए।

कथा समापन के दौरान शास्त्री ने भक्तों को भागवत को अपने जीवन में उतारने की बात कही जिससे सभी लोग धर्म की ओर अग्रसर हो। कथा के अंतिम दिन सुदामा चरित्र के माध्यम से भक्तों के सामने दोस्ती की मिसाल पेश की और समाज में समानता का संदेश दिया। इस दौरान पिंटू गंगवार पूर्व ब्लॉक प्रमुख, हरपाल सिंह, सोनू गंगवार,मोनू गंगवार,अंकित गंगवार,पुष्पेन्द्र गंगवार, हेमेंद्र गंगवार ,प्रदीप कुमार ,यश पाल विनय,अमित गंगवार आदि रहे।

नहर भूमि पर बने स्वीमिंग पूल पर आज चलेगी जेसीबी

तोड़ने के लिए लगाया लाल निशान ।

सेंथल। नहर विभाग की जमीन पर अतिक्रमण बनाए गए स्वीमिंग पूल की पैमाइश करने पर सरकारी जमीन का कब्जा होना पाया गया है। अब इस कब्जे को हटाने के लिए नोटिस जारी करने के बाद सोमवार को अतिक्रमण हटाने के आदेश एसडीएम ने दिये हैं।

लगभग आठ वर्ष पूर्व जिस समय नहर विभाग की जमीन पर अतिक्रमण की शुरुआत की गई थी उसी समय अफसरों की संज्ञान में यह बात मीडिया के जरिए लाई गई थी तत्कालीन अफसरों ने उस समय ध्यान नहीं दिया और अतिक्रमण कराने में सहायक बने। तत्कालीन अफसरों ने अतिक्रमण हटवाने के बजाए मामले को कोर्ट में डाल दिया।

अब विभाग जागा है। नहर भूमि की पड़ताल के लिए टीम गठित की गई और टीम ने नापजोख की तो स्वीमिंग पूल में नहर की पटटी आ रही है। अब इस अतिक्रमण को ढहाया जाएगा।

6 सितंबर 2025 को नहर विभाग की ओर से नहर की भूमि से अतिक्रमण हटवाने के लिए उपजिलाधिकारी नवाबगंज से मजिस्ट्रेट की मांग की गई थी। अब उपजिलाधिकारी ने नायब तहसीलदार दिवाकर सिंह को मजिस्ट्रेट नामित करते हुए टीम 22 सितंबर को नहर भूमि से अतिक्रमण हटाने के आदेश दिए हैं।

मृत्यु के बाद की गति का ग्रंथ नहीं गरुण पुराण कथा

आंवला, अमृत विचार : पुरैना स्थित गायत्री शक्तिपीठ स्थल पर आयोजित सात दिवसीय गरूड़ पुराण कथा का रविवार को भंडारे के साथ समापन हुआ। श्रोताओं ने कथा श्रवण करते हुए आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त किया ।

कथा व्यास विनीत

कथा वाचक डॉ. विनीत विद्यार्थी दर्शन शास्त्री ने कहा कि गरूड़ पुराण केवल मृत्यु के बाद की गति का ग्रंथ नहीं है, बल्कि यह गीता, वेद और उपनिषदों का सार है। इसमें जीवन जीने की कला बताई गई है और यह मार्ग दर्शाता है कि मनुष्य सांसारिक सुखों का अनुभव करने के साथ-साथ परम आनंद और शांति को कैसे प्राप्त कर सकता है। उन्होंने कहा कि जप, तप, व्रत, नियम, संयम और साधना मानव कल्याण का साधन हैं, किंतु कथा व्यक्ति के जीवन में गहरा परिवर्तन लाने का कार्य करती है। समापन अवसर पर तर्पण, पिंड दान, त्रिपिंडी श्राद्ध तथा नारायण वलि जैसे धार्मिक संस्कार कराए गए। इसके बाद विशाल भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान रामजी मल, मुन्ना लाल, प्रज्ञा प्रखर, आयुष, राजू श्रीवास्तव, दिनेश बिहारी सक्सेना, देवेंद्र गुप्ता आदि मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

नौ देवियों की आकृति उकेरीं

रिठौरा, अमृत विचार : मिशन शक्ति के पांचवें पेज का शुरुआत के तहत रविवार को आवासीय कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में पोस्टर प्रतियोगिता हुई ।छात्राओं ने मां दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों को पोस्टर में दर्शाया है।प्रधानाचार्या सपना पाण्डेय ने बताया छात्र-छात्राओं ने समाज को संदेश दिया कि आज की नारी ,नई शक्ति और ऊर्जा से भरी हुई है। छात्रा कनक को बेहतर प्रदर्शन पर सम्मानित किया गया। इस मौके पर शिखा,आरती, सेजल,प्रियांशी, कशिश,भी रही। 400

रामलीला का किया उद्घाटन

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : रविवार देर शाम कस्बा फतेहगंज पश्चिमी रामलीला मैदान में सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार,विधायक डीसी वर्मा ने देर करीब 8 :30 बजे पहुंचने पर फीता काटकर रामलीला मंचन शुरू कर दिया। मेला अध्यक्ष ओमेंद्र सिंह चौहान ने बताया पांच अक्टूबर तक मेला चलेगा। रामलीला मंचन अयोध्या के कलाकार करेंगे। इस मौके पर जिला अध्यक्ष सोमपाल शर्मा, उमेश कठेरिया, अजय सक्सेना,संजय सिंह चौहान,रमन जयसवाल,आदि रहे।

ताड़का, मारीच व सुबाहु का वध

कैंट, अमृत विचार : सदर बाजार स्थित श्री रामलीला स्थल पर दूसरे दिन रविवार को रामजन्म, नामकरण, दीक्षा ग्रहण के बाद भगवान राम ने ताड़का, मारीच व सुबाहु के वध का मंचन किया गया। ताड़का के स्वरूप की भूमिका में श्याम सिंह का किरदार आकर्षण का केंद्र रहा। कमेटी अध्यक्ष प्रवेश पाराशर, सतीश मेहता, विष्णु, सत्यधीर उपध्याय, विनोद यादव, प्रबंधक सचदेव सागर, रामकुमार चौरसिया आदि उपस्थित रहे।

दूध उत्पादन का महत्वपूर्ण साधन

बरेली, अमृत विचार : आईवीआरआई के संयुक्त निदेशालय प्रसार शिक्षा व पशुधन उत्पाद प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से दूध प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन विषय पर चल रहे पांच दिवसीय प्रशिक्षण का रविवार को समापन हुआ। इसमें दूध प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और दुग्ध उत्पादों के वैज्ञानिक उपयोग के बारे में जानकारी प्राप्त की। मुख्य अतिथि डॉ. असीम कुमार विश्वास ने कहा कि दूध उत्पादन और प्रसंस्करण किसानों के आर्थिक सशक्तीकरण का महत्वपूर्ण साधन है। पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. देवेन्द्र कुमार, डॉ. सागर चंद, डॉ. तनबीर अहमद, डॉ. सुमन तालुकदार समेत कई वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005

बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज

हर्षिल हॉस्पिटल
क्रिटिकल केयर एण्ड पेन सेन्टर
डॉ. हिमांशू वर्मा
MBBS, MD, FICM, FIPM
क्रिटिकल केयर एवं पेन फिजिशियन
Advanced ICU & OT 24x7 Emergency Operation | TPA/कैशलेस की सुविधा उपलब्ध
पताः- प्लाट नं. 4 राघव पेट्रोल पम्प के सामने, बुखारा, बरेली
Mob : 9458702280, 8937810741

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आँख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी-स्कैन द्वारा पर्दे की जाँच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जाँच व उपचार
80000 से अधिक आँखों के ऑपरेशन का अनुभव
TPA सुविधा उपलब्ध
8077344353
समय :- प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री ऑपरेशन की सुविधा

डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT, REFRACTIVE & GLAUCOMA SURGEON
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
7906732664, 8445507002

Indian's Academy
Nigohi Shahjahanpur
REQUIRED
Female Teachers
NC to VIII
Fluent in English
Conveyance Available
Salary 6000 to 10000
Interview School Working days
send your resume
9628425505

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

आम के पेड़ पर लटका मिला प्रधान के भाई का शव

बहेड़ी के गांव सकरस का मामला, मौके से मिली जहर की शीशी

संवाददाता, बहेड़ी

अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सकरस के जंगल में प्रधान कपिल देव शर्मा के भाई का शव संदिग्ध अवस्था में पेड़ पर फंदे से लटका मिला। शव मिलने पर गांव में हड़कम्प मच गया। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव को फंदे से उतरवाने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

जानकारी के मुताबिक रविवार की सुबह करीब साढ़े 11 बजे ग्राम सकरस के जंगल में एक युवक का शव आम के पेड़ पर फंदे से झूलता हुआ मिला। मृतक की पहचान ग्राम रोहनिया निवासी देवव्रत उम्र 27 वर्ष पुत्र चंद्रसेन के रूप में हुई। युवक का

मृतक देवव्रत।

शव मिलने पर ग्रामीण मौके पर पहुंचे गए और इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मृतक के घर सूचना देने के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जाता है कि मृतक रोहनिया के प्रधान कपिल देव शर्मा का सगा भाई है ।

इंस्पेक्टर संजय तोमर ने बताया कि मृतक के शव के पास से जहर की एक बोतल मिली है। मृतक के मुंह से झाग भी निकल रही थी। उसकी जेब से पुलिस को एक मोबाइल भी मिला है। मामले की जांच की जा रही है।

बहगुल नदी से किशोर का शव बरामद

फतेहगंज पूर्वी, अमृत विचार : बहगुल नदी में डूबे युवक का रविवार को नदी में उतराता हुआ शव बरामद हुआ है । क्षेत्र के ग्राम कुठिला निवासी अमित कुमार पुत्र संजू कश्यप (15) शनिवार की शाम को जानवर चराने बहगुल नदी के किनारे गया था। जानवर चराते समय अमित का पैर अचानक फिसल गया जिससे वह नदी में गिर गया। इसके बाद उसकी तलाश शुरू कर दी गई थी । रविवार देर शाम उसका शव नदी में उतराता मिला । शव बरामद होने पर परिजनों के रो-रो कर बुरा हाल हो गया है।

पांच एजेंसियों के 121 केंद्रों पर होगी धान खरीद

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- 1 अक्टूबर से 31 जनवरी तक चलेगी खरीद, विभाग ने की तैयारियां शुरू
- विभाग का दावा-जिले में अब तक 324 किसान करा चुके हैं पंजीकरण

अमृत विचार: जिला प्रशासन ने धान खरीद की तैयारियां शुरू कर दी हैं। अब तक धान बिक्री के लिए 324 किसानों ने पंजीकरण भी करा लिया है।

डिप्टी आरएमओ कमलेश पांडेय ने बताया कि जिले में धान की सरकारी खरीद 1 अक्टूबर से शुरू होगी और 31 जनवरी तक चलेगी। इसके लिए पांच एजेंसियों के 121 केंद्र खोले जाएंगे। सरकार ने इस बार धान के एमएसपी में 69 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की है। किसानों को सामान्य धान के लिए 2,369 रुपये प्रति क्विंटल और ग्रेड ए धान के लिए 2389 रुपये प्रति क्विंटल एमएसपी मिलेगा। विभागीय वेबसाइट fcs.up.gov.in या यूपी किसान मित्र मोबाइल एप पर पंजीकृत किसानों से ही धान की खरीद की जाएगी। किसी भी सहायता या जानकारी के लिए किसान 0581-4002279 या टोल फ्री नंबर 18001800150 पर काल कर सकते हैं या संबंधित जिला खाद्य विपणन अधिकारी, तहसील के क्षेत्रीय विपणन अधिकारी व ब्लॉक के विपणन निरीक्षक से भी संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि पंजीकरण की पूरी प्रकिया ओटीपी पर आधारित है। किसान पंजीकरण करते समय अपने उसी मोबाइल नंबर का प्रयोग करें, जो उनके बैंक खाते और आधार से लिंक है, ताकि धान बेचने के बाद किसी प्रकार की समस्या में उनसे संपर्क किया जा सके।

आवारा पशु को पकड़ा

शहर में रविवार को डिप्टी सीएम बृजेश पाठक आए तो नगर निगम के कर्मचारी भी अलर्ट हो गए। स्टेडियम में नमो मैराथन के शुरू होने से पहले शहर की सड़कों से आवारा पशु को पकड़ने में निगम की टीम के पसीने छूट गए। ● मोहित कुमार सिंह

भारतीय किसान यूनियन की महापंचायत कल

- राकेश टिकैत होंगे शामिल, नेहरू युवा केंद्र पार्क में होगा आयोजन

बरेली, अमृत विचार : भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) की ओर से 23 सितंबर को नेहरू युवा केंद्र पार्क में महापंचायत का आयोजन होगा, जिसमें संगठन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत शामिल होंगे। महापंचायत में आवारा पशुओं की समस्या, गन्ने का भुगतान, फसलों के मूल्य, डीएपी, यूरिया, भूमि अधिग्रहण, बिजली का निजीकरण समेत कई मुद्दे उठेंगे।

रविवार को सिविल लाइंस स्थित एक प्रेस क्लब में आयोजित प्रेस वार्ता में जिलाध्यक्ष सोमवीर सिंह ने बताया कि महापंचायत किसानों की मांगें उठाई जाएंगी। जिला प्रवक्ता हाजी एम इकबाल खां ने बताया कि सरकार से मांग की जाएगी कि आवारा पशुओं को जल्द पकड़कर गोशालाओं में भेजा जाए। रामगंगानगर और ग्रेटर बरेली आवासीय योजना के जमीन अधिग्रहण के मामले को भी उठाया जाएगा। तहसील अध्यक्ष आमिर रजा ने बताया कि सभी मुद्दों को राकेश टिकैत के सामने रखा जाएगा। चौधरी सतेंद्र सिंह, कासिफ रजा, चौधरी गजेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

जीवित अच्छन खां को तीन बार मारा गया

बरेली, अमृत विचारः आलमपुर जाफराबाद के गांव मजनूपुर में वर्ष 2019 में तैनात रहे ग्राम पंचायत अधिकारी ने गजब का खेल कर दिया। अच्छन खां नाम के जीवित व्यक्ति को एक ही माह में तीन अलग-अलग तिथियों में मृत घोषित कर उसके तीन मृत्यु प्रमाणपत्र जारी कर दिए। पहला प्रमाणपत्र 15 मार्च 2019 को जारी किया गया। इसमें मृत्यु की तारीख 10 मार्च 2019 बताई गई। दूसरा प्रमाणपत्र 27 मार्च 2019 को जारी हुआ। इसमें मृत्यु की तिथि 18 मार्च 2019 दर्शाई गई है। तीसरा मृत्यु प्रमाणपत्र 30 मार्च 2019 को जारी किया गया। इसमें मृत्यु तिथि 25 मार्च 2019 दर्शाई गयी है। यह तीनों प्रमाणपत्र एक ही ग्राम पंचायत अधिकारी के हस्ताक्षर और मुहर के साथ जारी किए गये हैं।

नईम को उत्तर प्रदेश श्री का खिताब

बरेली, अमृत विचार : जिला फिटनेस एंड बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन की ओर से संजय गांधी कम्युनिटी हॉल में बरेली श्री एवं उत्तर प्रदेश श्री बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता शनिवार देर रात हुई। इसमें डेढ़ सौ प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद घिल्डियाल ने बताया कि 65 से 70 किलोग्राम भार वर्ग में बरेली के विशाल वाल्मीकि बरेली श्री बने, 70 से 75 किलोग्राम भार वर्ग में अशरूफ ने यह खिताब जीता। रामपुर के नईम खान ने 65 से 70 किग्रा वर्ग में उत्तर प्रदेश श्री का खिताब जीता। 55 से 60 किलोग्राम वर्ग में बरेली के फैजान, 65 से 70 किलोग्राम वर्ग में सहारनपुर के जफर, 70 से 75 किलोग्राम वर्ग में रामपुर के नईम खान, 75 से 80 किलोग्राम वर्ग में मेरठ के

बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ी। ● अमृत विचार

- बरेली श्री एवं उत्तर प्रदेश श्री बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता का आयोजन

राहुल कुमार, 80 से 85 किलोग्राम वर्ग में सहारनपुर के स्वहले व मुजफ्फरनगर के जेड मोहम्मद ने बाजीमारी। मेरठ के राहुल को मसल्स मैन व बेस्ट पोजर, जबकि मुजफ्फरनगर के जैद खान को मोस्ट इंप्रूव्ड बॉडी बिल्डर घोषित किया गया। अशरूफ को इलेक्ट्रिक स्कूटी और विशाल को हीरो रेंजर साइकिल भेंट की गई। नईम खान को ट्रॉफी के साथ 11 हजार रुपये दिए गए।

निर्णायक मंडल में ऑल इंडिया जनरल सेक्रेटरी रायपुर से संजय शर्मा, जयपुर से शिवकुमार थापा, लखनऊ से बबलू खान, दीपक कुमार हलदर शामिल रहे। मुख्य अतिथि रेलवे के नरेंद्र बाबू गुप्ता ने विजेताओं को सम्मानित किया। प्रदेश अध्यक्ष डॉ. नजमुन नबी, प्रदेश महामंत्री अल्ताफ अहमद, जनरल सेक्रेटरी विपिन बाबा, परवेज मियां, सलीम अख्तर, शिवकुमार, संजय कुमार, अनुराग मिश्रा, सोनू, वसीम कुरैशी, वसीम खान आदि का सहयोग रहा।

पांच दिन बाद भी नहीं लिखी रिपोर्ट

नवाबगंज। थाना क्षेत्र के गाँव विसनपुर निवासी कमलेश के घर दिनदहाड़े हुई लाखों रुपये की चोरी के बावजूद पुलिस ने अब तक रिपोर्ट दर्ज नहीं की है।

पीड़िता ने बताया कि 16 सितंबर को दोपहर घर पर ताला लगाकर बीसलपुर गई थीं। पति कोल्हू पर कार्य कर रहे थे, बच्चे बाहर पढ़ाई करते हैं। शाम जब लौटीं तो मुख्य गेट का ताला टूटा और संदूक से लाखों रुपये के जेवरात व नगदी चोरी हो चुके थे। उसी दिन तहरीर दी लेकिन रिपोर्ट दर्ज नहीं की।

टक्कर से नंदी घायल

भुता । बरेली बीसलपुर रोड पर शेखापुर गांव के पास सुबह सड़क पार कर रहे नंदी को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। इससे नंदी वहीं गिर पड़ा। घायल नंदी की सूचना आरोग्य गौ रक्षक दल को दी।

महाराजा अग्रसेन जयंती पर आज से कार्यक्रम

अग्रसेन जयंती की तैयारियों की बैठक करते पदाधिकारी। ● अमृत विचार

बरेली, अमृत विचार : महाराजा अग्रसेन की जयंती के उपलक्ष्य में श्री अग्रवाल सभा कल्याण सोसायटी रजिस्टर्ड सोमवार को हवन पूजन कर 9 अक्टूबर तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करेगी। रविवार को अग्रवाल समाज की बैठक शांति कुटीर धर्मशाला में हुई। इस दौरान अध्यक्ष उमानाथ अग्रवाल ने बताया कि सोमवार को आलमगिरी गंज स्थित शांति कुटीर धर्मशाला में सुबह 10.30 बजे से हवन एवं रंगोली कार्यक्रम है। विभिन्न स्कूलों के बच्चे रंगोली बनाएंगे। 25 सितंबर को निशुल्क मेडिकल परीक्षण शिविर का आयोजन कृष्ण लीला स्थल पर सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक होगा। संरक्षक एड. अजय कुमार अग्रवाल, मीडिया प्रभारी एडवोकेट हर्ष कुमार अग्रवाल ने बताया कि मेडिकल शिविर में चयनित मरीजों के आंख के ऑपरेशन निशुल्क कराए जाएंगे। 9 अक्टूबर को करवा चौथ कार्यक्रम होगा। कोषाध्यक्ष दिनेश अग्रवाल, देवेश अग्रवाल, सुधीर अग्रवाल, मधुर अग्रवाल, रश्मि अग्रवाल, पंकज अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, आलोक अग्रवाल, एनएस अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

सांसद ने रेल मंत्री को भेजा पत्र

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार स्थानीय भिटौरा रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों के ठहराव के लिए स्थानीय जनता की मांग पर बरेली सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार के द्वारा केंद्रीय रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव को पत्र लिखा है।

रविवार को आशीष अग्रवाल,ताहिर रजा नूरी,संजीव गोयल, गांव कुरतरा के दीपांशु गंगवार,उमेश साहू, सुनील गंगवार, सबदर अली, अख्तर अली, इरफान अंसारी, आमिर सिद्दीकी, सोनू गंगवार, दाताराम दिवाकर आदि ने सांसद से मिलकर भिटौरा रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों के ठहराव की मांग में सहयोग करने का आग्रह किया। सांसद ने रेल मंत्री को पत्र लिखकर दिल्ली,हरिद्वार, लखनऊ जाने के लिए हावड़ा मेल ,गंगा सतलज , अयोध्या एक्सप्रेस, लखनऊ मेल के ठहराव की मांग की है।

Ruchi IVF

डा. रुचि श्रीवास्तव
एम.बी.बी.एस., एम.एस.
स्त्री एवं प्रसूति रोग, IVF विशेषज्ञ

रुचि अतुल अस्पताल
निकट टेलीफोन एक्सचेंज चौपला, बरेली।
मो. 9837211131

चुपचाप ना सहें,
निःसंतान
होने की पीड़ा...

सीरियस बच्चों के विशेषज्ञ
डा. अतुल श्रीवास्तव
एम.बी.बी.एस., एम.डी.
माँ या पिता किसी के भी आयुष्मान कार्ड से नवजात शिशु का निःशुल्क इलाज

शरदीय नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं
Sethi Sons
Retail
A Unit of Bombay Hosiery Family
KIDS LADIES GENTS
Twin Tower, Macnair Road,
Near Dharamkanta,
Prem Nagar, Bareilly (UP)

पिछले 62 सालों से आपकी सेवा में

Rakesh Sethi
Geet Sethi
9837026936, 9450175782

न्यूज ब्रीफ

प्रतियोगिता में बच्चों ने बताए मोबाइल के दुष्प्रभाव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : अमृत विचार : राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के मार्गदर्शन में 'स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा–2025' के अंतर्गत रविवार को पांचवें दिन राजभवन में निबंध एवं स्लोगन प्रतियोगिता आयोजित हुई। प्रतियोगिता में डिजिटल भारत, प्लास्टिक प्रदूषण एवं उसके दुष्प्रभाव, मोबाइल का दुष्प्रभाव तथा जल ही जीवन है जैसे- विषयों पर आयोजित रहीं।

पुलिस रिकॉर्ड में जाति का उल्लेख बंद करें: हाईकोर्ट

कोर्ट ने एक मामले में सुनवाई करते हुए यह निर्देश दिया

प्रयागराज, एजेंसी

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में उत्तर प्रदेश सरकार को प्राथमिकियों और जब्त किए गए माल के मेमो सहित पुलिस रिकॉर्ड में जाति का उल्लेख करने की व्यवस्था तत्काल प्रभाव से बंद करने का निर्देश दिया है।

शराब तस्करी से जुड़े एक आपराधिक मामले में सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर ने यह निर्देश पारित किया। अदालत ने 16 सितंबर को पारित अपने निर्णय में इस व्यवस्था को कानूनी भ्रांति और पहचान की प्रोफाइलिंग करार दिया जो संवैधानिक नैतिकता को कमजोर करती है और संवैधानिक लोकतंत्र के लिए गंभीर चुनौती पैदा करती है। अदालत ने उत्तर प्रदेश सरकार को आरोपी व्यक्तियों, सूचना देने वालों और गवाहों की जाति से जुड़े सभी कॉलम और प्रविष्टियों को हटाकर

अपनी पुलिस दस्तावेजी प्रक्रियाओं को दुरुस्त करने का निर्देश दिया है। अदालत ने मौजूदा मामले में कहा कि प्राथमिकी और जब्ती मेमो में आरोपियों की जाति माली, पहाड़ी, राजपूत, ठाकुर, पंजाबी, पाराशर और ब्राह्मण के तौर पर दर्ज करने से किसी कानूनी उद्देश्य की पूर्ति नहीं होता।

अदालत ने पाया कि प्राथमिकी के निर्धारित प्रारूप में ऐसा कोई पैरा नहीं है जहां पुलिस के लिए आरोपी और शिकायतकर्ता की जाति और धर्म का उल्लेख करना अनिवार्य हो।अदालत ने कहा कि इसी तरह अपराध विवरण फॉर्म के परीक्षण पर यह पता चलता है कि जाति और धर्म के आधार पर आरोपी की पहचान के लिए कोई पैरा नहीं है।

पुलिस के रुख से असहमति व्यक्त करते हुए अदालत ने कहा कि 21वीं सदी में पुलिस अब भी पहचान के लिए जाति पर निर्भर है, यह दुर्भाग्यपूर्ण है। खासकर तब जब बॉडी कैमरा, मोबाइल कैमरा, अंगुलियों के निशान, आधार कार्ड, मोबाइल नंबर, माता-पिता के विवरण जैसे आधुनिक टूल उपलब्ध हैं। अदालत ने जाति आधारित डिजिटल प्लेटफॉर्मों का भी यह कहते हुए जिक्र किया कि इंस्टाग्राम, यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्मों पर रील ने व्यक्तियों को जाति की पहचान दी है। अदालत ने सरकार से यह सिफारिश की है कि सरकार सभी निजी और सार्वजनिक वाहनों पर जाति आधारित नारों और पहचान पर प्रतिबंध लगाने के लिए केंद्रीय मोटर वाहन नियम में संशोधन कर सकती है।

चूहे के आतंक ने रोकी फ्लाइट, तीन घंटे बाद मार गिराया

कानपुर, अमृत विचार: शहर के चकेरी एयरपोर्ट पर उस समय हड़कंप मच गया जब रविवार दोपहर दिल्ली की उड़ान भरने से पहले जहाज में चूहा घुस गया। शोर मचने के बाद यात्रियों को नीचे उतारकर सर्चिंग शुरू की गई। तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद चूहे को केमिकल डालकर मारा गया और बाहर निकाला गया। इसके बाद फ्लाइट दिल्ली के लिए रवाना हो सकी। इस घटना के दौरान कई यात्री वापस हो गए।

कानपुर एयरपोर्ट पर इंडिगो की फ्लाइट रविवार को अपने तय समय पर दोपहर 2:10 बजे आई। यहां से दोपहर 2:55 बजे यह फ्लाइट दिल्ली के लिए उड़ान भरती है। उड़ान की तैयारी पूरी हो चुकी थी। यात्रियों को भी बैठाया जा चुका था। सभी यात्रियों के सवार होने के बाद पता चला कि विमान में एक चूहा घुस आया है। क्रू मेंबर की नजर केबिन में घूमते एक चूहे पर पड़ी। चूहे की सूचना मिलते ही सभी यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए फ्लाइट को रोक दिया गया।

पूर्णागिरि धाम में रात के समय भी कर सकेंगे दर्शन

संवाददाता, टनकपुर

- शारदीय नवरात्र में आज से उमड़ेगी भक्तों की भीड़

अमृत विचार : सुप्रसिद्ध मां पूर्णागिरि धाम में आज शारदीय नवरात्र मेला शुरू हो जाएगा। मेले के लिए मंदिर को फूलमालाओं के साथ आकर्षक रूप से सजा दिया गया है। रात के समय भी श्रद्धालु पूर्णागिरि मां के दर्शन कर सकेंगे।

सोमवार से पहले दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है। प्रशासन और पूर्णागिरि मंदिर समिति ने सभी तैयारी पूरी कर ली है। मां श्री पूर्णागिरि मंदिर समिति के अध्यक्ष पंडित किशन तिवारी ने बताया कि पहली नवरात्र से रात के वक्त भी देवी दर्शन हो सकेंगे। 21 जून से रात आठ बजे से सुबह छह बजे तक देवी दर्शनों पर रोक लगाई गई थी। पहली नवरात्रि को धाम के प्राचीन धूनी स्थल में श्रीमद् देवी भागवत कथा का शुभारंभ भी होगा। 11 दिन तक चलने वाली कथा का वाचन पंडित गिरीशानंद शास्त्री करेंगे। सितंबर माह में हुई भारी बारिश से बाटनागाड़, हनुमानचट्टी सहित पूर्णागिरि धाम में जगह-जगह सड़क

मां पूर्णागिरि की प्रतिमा।

और रास्तों को हुए नुकसान हो गया था। इसके अलावा पेयजल, बिजली की लाइनों को भी काफी नुकसान पहुंचा था।

तमाम व्यवस्थाओं को दुरुस्त कर लिया गया है। लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता लक्ष्मण सिंह सामंत ने बताया कि टनकपुर से भैरव मंदिर तक की सड़क को पूर तरह वाहनों की आवाजाही के लिए तैयार कर लिया गया है। मुख्य मंदिर तक के अधिकांश पैदल रास्तों की भी मरम्मत की जा चुकी है। इधर उर्जा निगम ने बिजली आपूर्ति भी सुचारू कर दी है।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर भीषण हादसा, तीन की मौत

कन्नौज, अमृत विचार : आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर देर रात भीषण हादसा हो गया। तेज रफ्तार डबल डेकर बस अनियंत्रित होकर आलू से लदे डीसीएम से टकरा गई। पीछे से आ रही एक कार भी बस से टकरा गई। हादसे में बस व कार चालक समेत तीन लोगों की मौत हो गई। दुर्घटना में करीब 15 यात्री घायल हो गये। कार सवार चार लोगों के भी चोटें आई। सभी घायलों को मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया। जानकारी पर डीएम व एसपी ने घायलों का हाल जाना।

शनिवार रात करीब 11 बजे एक डबल डेकर बस यात्रियों को बैठाकर बलिया जा रही थी। इसमें 35 यात्री सवार थे। लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर फगुहा भट्टा के 187 किलोमीटर के समीप पहुंची उसी समय चालक को झपकी आने से बसआगे चल रही आलू लदी डीसीएम से टकरा गई। दुर्घटना में बस में सवार एक दर्जन से अधिक यात्री घायल हो गये। सूचना पर पहुंची हाईवे की बचाव टीम ने घायलों को एंबुलेंस से मेडिकल कॉलेज पहुंचाया।

न्यायालय श्रीमान् ए.डी.एम. महोदय, बदायूं

वाद सं.- 1621 सन्- 2025

तेजेन्द्र पाल सिंह बनाम ग्राम सभा आदि

धारा- 30 उ.प्र. राजस्व संहिता ग्राम-शरह बरौलिया पर. बिसौली तहसील बिल्सी, बदायूं

सम्मन द्वारा गजट

1. गांव सभा शरह बरौलिया पर. बिसौली तहसील बिल्सी जिला बदायूं द्वारा प्रधान 2. सरकार उ.प्र. द्वारा श्रीमान जिलाधिकारी महोदय, बदायूं 3. अनारकली पत्नी तेजेन्द्र पाल सिंह 4. मीरा देवी पत्नी दीपक 5. शिवानी पुत्री अजयपाल 6. सोनम (नाबालिग) पुत्री अजय पाल 7. श्रीमती ठाकुर देवी पत्नी स्व. अजयपाल नि.गण. ग्राम शरह बरौलिया पर. बिसौली तहसील बिल्सी जिला बदायूं 8. विकास पुत्र शिवेन्द्र पाल सिंह 9. अंकुर पुत्र शिवेन्द्र पाल सिंह 10. जीवेन्द्र पुत्र शिवेन्द्र पाल सिंह 11. रविकुमार पुत्र शिवेन्द्र पाल सिंह 12. श्रीमती ममता पत्नी स्व. शिवेन्द्र पाल सिंह 13. बाल गोविन्द सिंह पुत्र देवराज 14. महेन्द्र पाल सिंह पुत्र देवराज 15. सुनील पुत्र जगदीश सरन 16. सुशील पुत्र जगदीश सरन 17. श्रीमती राजवती पत्नी जगदीश सरन 18. राजीव कुमार सिंह पुत्र सत्यभान सिंह 20. ऋषिदेव पुत्र श्रीराम 21. सहदेव पुत्र श्रीराम 22. चन्द्रभाग सिंह पुत्र चन्द्र सेन 23. विजय भानसिंह पुत्र चन्द्रसेन 24. श्रीमती सुखदेवी पत्नी चन्द्रसेन 25. तुरसीराम पुत्र कन्हीलाल 26. नेत्रपाल सिंह पुत्र लालता प्रसाद 27. ब्रजपाल सिंह पुत्र लालता प्रसाद 28. श्रीमती रामलली पत्नी स्व. लालता प्रसाद 29. सत्यभान सिंह पुत्र हेतराम 30. किशोरी लाल पुत्र धर्मदास 31. सुरेन्द्र पाल सिंह पुत्र धर्मदास 32. प्रतापसिंह पुत्र धर्मदास निवासीगण ग्राम शरह बरौलिया पर. बिसौली तह. बिल्सी जिला बदायूं 33. महावीर पुत्र रामजीमल 34. उपेन्द्र कुमार पुत्र देवेन्द्र कुमार सिंह 35. रिन्कू पुत्र देवेन्द्र कुमार सिंह 36. श्रीमती सीमावती पत्नी देवेन्द्र कुमार सिंह निवासीगण मलिन गौटिया तह. व जनपद बदायूं 37. श्रीमती ववीता व्यास पत्नी राजीव कुमार सिंह 38. वरूण कुमार सिंह पुत्र राजीव कुमार सिंह 39. निशान्त कुमार ना. आयु-16 वर्ष पुत्र राजीव कुमार सिंह। संरक्षिका माता सगी श्रीमती ववीता व्यास। निवासीगण ग्राम शरह बरौलिया पर. बिसौली तह. बिल्सी जिला बदायूं हाल निवासी पंच शील कॉलोनी चन्दोसी जिला सम्भल

नमो मैराथन में दौड़ी युवा ऊर्जा

लखनऊ, अमृत विचार : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर से शुरू हुए सेवा पखवाड़े के तहत रविवार को प्रदेश के 16 महानगरों में नमो मैराथन का आयोजन हुआ। हजारों युवाओं, खिलाड़ियों और नागरिकों ने दौड़ में हिस्सा लेकर फिट इंडिया और नए भारत के नये जोश का संदेश दिया।

लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने नमो मैराथन की शुरुआत की। पूरे शहर में उत्साह का माहौल देखने को मिला। आगरा में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य व बरेली में ब्रजेश पाठक, मेरठ में संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह की मौजूदगी में मैराथन आयोजित हुई। मथुरा में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रेखा वर्मा, अलीगढ़ में किसान मोर्चा अध्यक्ष राजकुमार चाहर, गोरखपुर में स्वतंत्र देव सिंह, शाहजहांपुर में सुरेश खन्ना, झांसी में बेबी रानी मौर्य और अनूप गुप्ता ने युवाओं का उत्साह बढ़ाया।

मंत्री ओपी राजभर की तबीयत बिगड़ी, मेदांता में किया भर्ती

लखनऊ, अमृत विचार : सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के अध्यक्ष व प्रदेश के कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर(ओपी राजभर) की रविवार को अचानक तबीयत बिगड़ गई। जिसके बाद उन्हें मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उनका इलाज चल रहा है। व्हील चेयर पर उन्हें मेदांता अस्पताल ले जाया गया। उनके साथ उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक भी रहे। जांच और इलाज को लेकर डिप्टी सीएम चिकित्सकों को उपचार के लिए निर्देश भी देते रहे। मेदांता अस्पताल में भर्ती होने के बाद डॉक्टरों ने ओपी राजभर की खून, सीटी स्कैन समेत कई जरूरी जांचें कराई हैं। लखनऊ स्थित मेदांता अस्पताल के डायरेक्टर डॉ. राकेश कपूर का कहना है कि ओपी राजभर को चक्कर आ रहा था, जिसके कारण उन्हें भर्ती किया गया है। डॉक्टर उनका इलाज कर रहे हैं।

घास काटने गए युवक पर बाघ ने किया हमला

संवाददाता, खुटार

अमृत विचार: खुटार के गांव रायपुर पटियात में रविवार सुबह करीब 9 बजे झाबर किनारे स्थित जिंद बाबा स्थान के समीप गन्ने के खेत में घास काटने गए श्याम पाल उर्फ रामू (45) और बाघ के बीच खूनी संघर्ष हो गया। कुछ देर तक दोनों में एक दूसरे को बचाने का दौर चला। लेकिन बाघ के जानलेवा हमले से श्यामपाल लहूलुहान हो गए। जब लगा बाघ उसे मार डालेगा तो शोर मचाया। बाघ ने उसे खेत के बीच में ले जाने की कोशिश करता रहा। तभी गांव रायपुर पटियात निवासी खुशीराम, राजेश कुमार अन्य किसान दौड़कर मौके पर पहुंचे और बाघ को लाठी-डंडों से ललकारा तो गन्ने के खेत में वापस चला गया। बाघ के हमले से श्यामपाल की नाक, कान, हाथ और सिर के साथ ही अन्य स्थानों पर पंजे लगे हुए हैं। जिससे घायल हो गए। इसके बाद परिजनों को सूचना दी गई। तो यह सुनकर होश उड़ गए और मौके पर पहुंचे। परिजनों ने एंबुलेंस से घायल को खुटार सीएचसी में भर्ती कराया। जहां उसका इलाज चल रहा है। गांव रायपुर पटियात निवासी रेशमा देवी ने बताया उनके पति श्याम पाल सुबह नाश्ता करने के बाद जानवरों के लिए घास काटने घर से खेतों की ओर निकले थे। खुटार के रहने वाले किसन्ने के गन्ने के खेत में उनके पति घास काट रहे थे। तभी बाघ ने हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गए। उधर, ग्रामीणों ने इसकी जानकारी वन विभाग अधिकारियों को दी तो पैरों तले जमीन खिसक गई। सूचना मिलते ही रेंजर मनोज श्रीवास्तव टीम के साथ खुटार अस्पताल पहुंचे। वहां घायल से घटना की जानकारी जुटाई। बाद में वनकर्मियों की टीम वापस लौट गई।

घायल श्याम पाल।

घटना स्थल पर मौजूद खुटार रेंजर मनोज श्रीवास्तव व ग्रामीण। • अमृत विचार

- किसानों ने बाघ को ललकारा तो बच सकी जान
- परिजनों ने अस्पताल में कराया इलाज, रेंजर ने की पूछताछ

ग्रामीणों ने बताया शनिवार रात को बाघ ने खेतों की तरफ घूम रहे छुट्टा पशु को भी निवाला बना डाला। खेत में गोबर, खून के छींटे मिले हैं। जबकि अवशेष नहीं मिले हैं। बाघ पशु को गन्ने के खेत में घसीट ले गया और मार डाला। जबकि रविवार सुबह 9 बजे फिर से बाघ ने घास काटने गए किसान पर हमला कर घायल कर दिया। इससे गांव में दहशत का माहौल बना हुआ है। लेकिन वन विभाग ध्यान नहीं दे रहा है। जिस पर लोगों ने नाराजगी जाहिर की है।

तलाश गश्ती गुमशुदा

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि गुमशदा (अपहता) शिवानी पुत्री स्व. रामस्वरूप नि. मालपुर ततेरा थाना जरीफनगर जनपद बदायूं उम्र करीब 21 वर्ष जो कहीं चली गई है काफी तलाश किया नहीं मिली है जिसका थाना जरीफनगर पर मु.स.अ. 10/25 धारा 87 बी.एन.स. पंजीकृत किया गया है जिस किसी को मिले सूचित करने का कष्ट करें। हुलिया:- रंग गोरा ल. करीब 5 फिट 3 इंच सफेद सूट व दुपट्टा तथा पैरों मे चप्पल पहनी है।

प्रभारी निरीक्षक थाना जरीफनगर बदायूं मो. 9454402953

उपनिरीक्षक यतेन्द्र कुमार मो. 9410032842

हिंदुजा हाउसिंग फाईनेंस लिमिटेड

HINDUJA HOUSING FINANCE

कॉर्पोरेट कार्यालयः नं. 167-169, द्वितीय तल, अन्ना सलाई, सैदापेट, चेन्नई-600015,
ईमेलः auction@hindujahousingfinance.com,
शाखाः प्रथम तल, एसआरपी कॉम्प्लेक्स, करम चारी नगर, बरेली-243001

आरएलएम–ब्रजेश अवस्थी–9918301885, आरआरएम– हरिश चंद यादव, 7060411785
सीएलएम – शान्तनु प्रताप सिंह–9918837339, सीआरएम–दीपक कुमार शर्मा – 9359650607

सांकेतिक कब्जा सूचना

जबकि अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियो के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रति भूति हित अधिनियम के प्रवर्तन के अधीन **हिंदुजा हाउसिंग फाईनेंस लिमिटेड**, का प्राधिकृत अधिकारी होने तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 (2002 का नं. 3) के नियम के साथ पठित धारा 13(12) के अधीन प्रदत शक्तियो के अंतर्गत निम्नलिखित कर्जदारों (तदोपरान्त कर्जदार एवं गारंटरों को संयुक्त रूप से "कर्जदार" कहा गया है) को निम्नांकित दिनांको को मांग नोटिस जारी किया था जिसमें उल्लेखित राशि प्रत्येक खाते के आगे वर्णित है उक्त सूचना की तिथि से 60 दिनों के अंदर भुगतान करने को कहा गया था।

कर्जदार उक्त राशि का भुगतान करने मे असफल हो गये है, इसलिए एतद्द्वारा कर्जदार और गारंटर तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने इसमे नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा, उक्त अधिनियम की धारा 13(4), उक्त नियमो के नियम 8 के साथ पठित के अधीन उन्हे प्रदत्त शक्तियों के इस्तेमाल के अन्तर्गत सम्पत्ति का कब्जा नीचे प्रत्येक खाते के सामने अंकित के अनुसार लिया है। विशेष रूप से कर्जदार और गारंटर तथा जनसाधारण को एतद्द्वारा उक्त संपत्ति के साथ लेन–देन न करने के लिए सावधान किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी लेन देन **हिंदुजा हाउसिंग फाईनेंस लिमिटेड**, के प्रभार वास्ते निम्नलिखित राशि और उपरोक्तानुसार राशि पर संविदात्मक दर पर भविष्य का ब्याज, आकस्मिक खर्चे, लागत, प्रभार इत्यादि सहित के अधीन होगा। उधारकर्ता का ध्यान एक्ट की धारा 13 की उप धारा (8), के प्रावधानों के अंतर्गत सुरक्षित परिसंपत्तियों के मुक्त करने हेतु उपलब्ध समय सीमा की ओर आकर्षित किया जाता है।

क्र. सं.	कर्जदार/गारन्टर के नाम एवं पता	मांग सूचना की तारीख / कब्जा सूचना की तिथि	बकाया राशि	अचल सम्पतियों का विवरण
1	UP/LKN/BRLY/A000000996 श्री फैजान खान और श्रीमती सहाना जी, दोनोंः 60 बाग ब्रिगटन, सेमीअर्बन, बरेली, उत्तर प्रदेश, भारत – 243005	14-06-2025 / 16-09-2025 सांकेतिक	₹ 709151/- दिनांक 10.06.2025 तक + ब्याज इत्यादि	खसरा नंबर 97, स्वाले नगर, नवदिया, तहसील–सदर, जिला–बरेली, उ.प्र
2	UP/LKN/BRLY/A000000036 श्री जगदीश सरन भारती एवं श्रीमती बीना भारती, दोनोंः मोहल्ला तिलक कॉलोनी अंशिक राजीव कॉलोनी पोस्ट सुभाषनगर शहरी, बरेली, उत्तर प्रदेश, भारत – 243001	14-06-2025 / 16-09-2025 सांकेतिक	₹ 209388 दिनांक 10.06.2025 तक + ब्याज इत्यादि	खसरा नंबर 754, ग्राम– नेकपुर, बरेली, उ.प्र
3	UP/LKN/BRLY/A000000974 श्री जयेंद्र कुमार और श्रीमती कलावती, दोनोंः 11/242, महादेव पुरम पूर्व, रामलीला, बहेरी, सेमीअर्बन, बरेली, उत्तर प्रदेश, भारत – 243201	10-06-2025 / 17-09-2025 सांकेतिक	₹ 5595633/- दिनांक 09.06.2025 तक + ब्याज इत्यादि	खसरा 411 का भाग, बहेरी खास, परगना चौमहेला, तहसील–बरेली, उ.प्र
4	UP/LKN/BRLY/A000000850 श्री राहुल पाल और श्रीमती कमला देवी, दोनोंः मोह मेवात, मीरगंज, सेमीअर्बन, बरेली, यूपी–भारत–243504	14-06-2025 / 17-09-2025 सांकेतिक	₹ 1015232/- दिनांक 10.06.2025 तक + ब्याज इत्यादि	खसरा नंबर 325 मुगरा परगना सिरौली, तहसील मीरगंज, जिला–बरेली, यूपी
5	UP/LKN/BRLY/A000001624 श्री राज कुमार एवं श्रीमती रीता जी, दोनोंः अजीजगंज मुमुखासु आश्रम, शहरी, शाजहाँपुर, उप–भारत –242001	14-06-2025 / 17-09-2025 सांकेतिक	₹ 1523970/- दिनांक 10.06.2025 तक + ब्याज इत्यादि	वाल्मिकी बस्ती रोड, आवासीय मकान नंबर 1758/13, अजीजगंज, प्राथमिक विद्यालय, शाहजहाँपुर, उत्तर प्रदेश –242001
6	UP/LKN/BRLY/A000001305 श्री शिवेंद्र प्रताप सिंह तोमर और श्रीमती मेघना नागपाल, दोनोंः 144 उत्सव पार्ट 2 महानगर, बरेली, शहरी, बरेली, उत्तर प्रदेश, भारत – 243001	10-06-2025 / 17-09-2025 सांकेतिक	₹ 4483909 दिनांक 09.06.2025 तक + ब्याज इत्यादि	फ्लैट नंबर सी–1, तीसरी मंजिल, छावनी असरफ खान, न्यू शक्ति नगर, तहसील और जिला–बरेली
7	UP/LKN/BRLY/A000001178 श्री श्योराज सिंह यादव और श्रीमती साधना, दोनोंः शिव मंदिर, नेकपुर गली नंबर 05 सिविल लाइन्स, शहरी बदायूँ, यूपी, भारत – 243601	14-06-2025 / 17-09-2025 सांकेतिक	₹ 658571 दिनांक 10.06.2025 तक + ब्याज इत्यादि	नेकपुर अंदर चुंगी नगर पालिका शहर तहसील एवं जिला बदायूँ

दिनांक : 20-09-2025, स्थान : बरेली

प्राधिकृत अधिकारी, हिंदुजा हाउसिंग फाईनेंस लिमिटेड

कार्यालय सहायक रजिस्ट्रार फर्म्स सोसाइटीज एवं चिट्स
193 ए सिविल लाइन्स, बरेली

पत्रांक: 1190/पत्रावली सं. बी–30998/बरेली **सार्वजनिक सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि संस्था दशमेश पब्लिक स्कूल समिति, ग्राम रूरिया सलेमपुर पो. आ. गुलाब टाण्डा तहसील पूरनपुर जिला पीलीभीत पत्रावली संख्या बी–30998 की प्रबन्धसमिति की सूची वर्ष 2025–26 पंजीकृत हेतु नोटरीशपथ पत्र के साथ प्रपत्र श्रीमती रूपवती कुशवाह द्वारा प्रबन्धक की हैसियत से प्रस्तुत किये गये हैं। वर्तमान में प्रस्तुत प्रबन्धकारिणी समिति की सूची वर्ष 2025–26 में निम्नलिखित पदाधिकारी/सदस्य दर्शाये गये हैं:–

क्र.	नाम व पिता का नाम	पता	पद
1.	श्री राम निवास पुत्र श्री रामपाल	ग्राम धरमंगदपुर पो. टांडा गुलाबराय तह. पूरनपुर जिला पीलीभीत	अध्यक्ष
2.	श्री अजय सिंह पुत्र श्री लाल सिंह	ग्राम अमरैया कलां पो. व तह. पूरनपुर जिला पीलीभीत	उपाध्यक्ष
3.	श्रीमती रूपवती कुशवाहा पत्नी श्री सियाराम कुशवाहा	ग्राम अमरैया कलां पो. व तह. पूरनपुर जिला पीलीभीत	प्रबन्धक
4.	श्री भरत वीर	ग्राम सुआबोझ पो. पिपरिया दुलई तह. पूरनपुर जिला पीलीभीत	सचिव
5.	श्री दीपक शर्मा पुत्र श्री रामेश्वर दयाल शर्मा	ग्राम महेदखास पो. व तह. पूरनपुर जिला पीलीभीत	कोषाध्यक्ष
6.	श्री प्रेमपाल पुत्र श्री बुद्धसेन	ग्राम धरमंगदपुर पो. टांडा गुलाबराय तह. पूरनपुर जिला पीलीभीत	सदस्य
7.	श्री रामपाल पुत्र श्री रामलाल	ग्राम अमरैया कलां पो. व तह. पूरनपुर जिला पीलीभीत	सदस्य

उक्त के सम्बन्ध में संस्था के किसी भी भूतपूर्व अथवा वर्तमान पदाधिकारी/सदस्यों को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति अभिलेखीय साक्ष्यों सहित सार्वजनिक सूचना प्रकाश के 15 दिनों के अन्दर अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है, यदि उक्त निर्धारित अवधि में किसी को कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है तो यह समझा जायेगा कि किसी को कोई आपत्ति नहीं है, तदोपरान्त आपत्ति के अभाव में अग्रिम कार्यवाही सुनिश्चित कर ली जायेगी। जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी भूतपूर्व/वर्तमान सदस्यों की होगी। उपरोक्त सार्वजनिक सूचना/नोटिस सो.रजि.अधि. 1860 की धारा 4–क के "परन्तुक" के अन्तर्गत जारी की जा रही है।

सहायक रजिस्ट्रार, बरेली

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता पंचम मण्डल सिंचाई कार्य, बरेली

ई–निविदा सूचना संख्या–03/अधी0अभि0/2025–26

महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑनलाइन http://etender.up.nic.in के माध्यम से प्री–क्वालीफिकेशन टेक्निकल बिड एवं प्राईस–बिड/फाइनेन्शियल बिड, सिंचाई विभाग में वर्गीकृत श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से दिनांक–24.09.2025 को पूर्वान्ह 11.00 बजे से दिनांक–30.09.2025 अपरान्ह 03.00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है। प्री–क्वालीफिकेशन टेक्निकल बिड/दिनांक–30.09.2025 को अपरान्ह 04.00 बजे अधीक्षण अभियन्ता, पंचम मण्डल सिंचाई कार्य, बरेली के समक्ष ऑनलाइन खोली जायेगी एवं प्री–क्वालिफिकेशन टेक्निकल बिड में उपयुक्त पाये गये निविदादाताओं के प्राइस–बिड/फाइनेन्सियल बिड खोलने की तिथि कुल प्राप्त निविदाओं की संख्या के आधार पर नोटिस बोर्ड/ई–पोर्टल पर सूचित किया जायेगा। कार्यालय बन्द होने या छुट्टी होने की दशा में यह बिड अगले कार्यालय दिवस में उसी समय प्राप्त की जायेगी।

लाट सं0	कार्यों का विवरण	कार्य से सम्बन्धित खण्ड का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (जी0एस0टी0 रहित) (लाख रू0 में)	धरोहर धनराशि (लाख में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू0 में)	ठेकेदार के पंजीकरण की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
1	हरदोई शाखा नहर के किमी0 2.250 से किमी0 7.590 एवं किमी0 20.850 से किमी0 37.010 के मध्य बांये बैंक पर निर्मित सड़क को गड्ढामुक्त करने का कार्य।	हैड वर्क्स खण्ड, शारदा नहर बरेली	60.35	1.21	01 माह	2715.00	सिंचाई विभाग में "बी" अथवा उच्च पंजीकृत श्रेणी

UP – 237952 **दिनांक:** 19/09/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

अधीक्षण अभियन्ता
पंचम मण्डल सिंचाई कार्य,
बरेली

डंडे से पीटकर पत्नी की हत्या

संवाददाता, तिलहर/शाहजहांपुर

- पत्नी से हुआ था विवाद, पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया

अमृत विचार: धनकपुर गांव में पति-पत्नी में विवाद हो गया। पत्नी जान बचाकर बेटे के घर जा रही थी। घर के बाहर पति ने उसे घेर लिया और सिर में डंडा मारकर हत्या कर दी। महिला का शव सुबह घर से कुछ दूरी पर धान के खेत में मिला। मृतका के भाई ने बहनोई पर हत्या का आरोप लगाते हुए थाने पर तहरीर दी है। फॉरेंसिक टीम ने जांच करके नमूना लिया। आरोपी पति को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया गया।

तिलहर थाना क्षेत्र के गांव धनकपुर निवासी कल्याण (70)ने गांव के बाहर खेत पर मकान बना रखा है। वह पत्नी शांति देवी (65) के साथ वहीं रहता था। गांव में बने मकान में उसका पुत्र व परिवार के अन्य लोग रहते हैं। शनिवार की रात कल्याण और शांति देवी बेटे के घर से खाना खाकर अपने मकान में सोने गए। शराब के नशे में कल्याण का रात में पत्नी से विवाद हो गया। महिला पति से बचने के लिए बेटे के घर जा रही थी। बताते हैं कल्याण ने घर से कुछ दूरी पर धान के खेत के पास उसे घेर लिया और सिर में डंडा मार दिया। शांति देवी बेहोश होकर गिर गई और आरोपी पति भाग गया।

रविवार सुबह 9 बजे ग्रामीण खेत पर जा रहे थे, तभी उन्होंने शांति देवी का शव देखा। उसके सिर से खून बह रहा था। सूचना पर परिवार वाले और पुलिस मौके पर पहुंच गए। मृतका के सिर और अन्य स्थानों पर चोट के निशान मिले। सीओ ज्योति यादव और प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार ने परिजनों से जानकारी ली। मृतका के भाई वेदराम ने आरोप लगाया कि पति-पत्नी के बीच कहासुनी होने पर कल्याण ने उसकी बहन के सिर में लाठी मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई।

दो बच्चों की पानी से भरे गड्ढे में डूबने से मौत

देवरिया, एजेंसी : जिले में रविवार को पानी से भरे गड्ढे में डूबने से दो बच्चों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, बरहज थानाक्षेत्र के हटवा टोला निवासी भीम यादव (9) और किशु यादव (8) पूर्वाह्न 11 बजे अपने घर से पढ़ने के लिए निकले थे। पुलिस ने बताया कि रविवार होने की बात कहकर घर वालों ने उन्हें रोका लेकिन वे शिक्षक द्वारा बुलाने की बात कहकर अपने दोस्तों के साथ खेलने चले गये। पुलिस के मुताबिक, साथियों के साथ खेलते-खेलते दोनों पानी से भरे ईंट भट्ठे के गड्ढे में नहाने लगे और गहरे पनी में उतर गये, जिसके बाद दोनों डूब गये। बरहज थाना प्रभारी निरीक्षक राहुल सिंह ने बताया कि दोनों बच्चों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया और मामले की जांच जारी है।

मैदान से निकलकर अब घाटियों में पहुंचा आदि कैलाश मैराथन

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को मुख्यमंत्री आवास से आदि कैलाश परिक्रमा रन (अल्ट्रा मैराथन) प्रोमो रन का फ्लैग ऑफ और लोगो का अनावरण किया।

आगामी 2 नवंबर को पिथौरागढ़ जिले के गुंजी गांव से आदि कैलाश मैराथन का आयोजन मुख्यमंत्री के साहसिक और शीतकालीन पर्यटन को बढ़ावा देने, युवाओं को स्वस्थ जीवन के लिए प्रोत्साहित करने और नशा मुक्त उत्तराखंड के संकल्प को पूर्ण करने के उद्देश्य से किया जा रहा है।

यह अल्ट्रा मैराथन 10300 से 15000 फीट ऊंचाई पर होगी। मुख्यमंत्री ने इस दौरान कहा कि, उत्तराखंड राज्य स्थापना के रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में व्यास घाटी में आदि कैलाश मैराथन का आयोजन होगा। यह पहल सीमावर्ती क्षेत्रों के सामाजिक एवं आर्थिक विकास, पलायन की समस्या के निराकरण, स्थानीय युवाओं को रोजगार से जोड़ने और पर्यटन इन्फ्रास्ट्रक्चर को सशक्त बनाने की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होगी। वाईब्रेंट विलेज योजना को बढ़ावा देने के लिए भी यह मैराथन काफी कारगर साबित होगी। सीएम ने कहा कि यह मैराथन न केवल खेल प्रतियोगिता है, बल्कि सीमावर्ती लोगों को सम्मान, स्थानीय पहचान तथा होम-स्टे एवं पर्यटन क्षेत्र में स्थायी रोजगार के अवसर सृजित करने का सशक्त माध्यम भी है। इस दौरान कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, आईजी आईटीबीपी संजय गुंज्याल, अपर सचिव पर्यटन अभिषेक रूहेला, पूजा गर्ब्याल भी मौजूद रहीं।

अल्ट्रा मैराथन प्रोमो रन का फ्लैग ऑफ करते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

नवरात्रि, दशहरा एवं दीपावली की समस्त क्षेत्रवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

सर्व मंगल मांगल्ये शिवे सर्वार्थ साधिके।
शरण्ये त्र्यम्बके गौरी नारायणी नमोस्तुते।।

जय माता दी !

ग्राम पंचायत बल्लिया से प्रधान पद प्रत्याशी उम्मीदवार

मंगलामुखी गुरु सोनी बुआ जी

समाजसेवी
बल्लिया

अमृत विचार

सोमवार, 22 सितंबर 2025

जीवन एक आकांक्षा है। इसका लक्ष्य पूर्णता की प्राप्ति के लिए प्रयास करना है। यही आत्म-साक्षात्कार है। अपनी कमजोरियों या अपूर्णताओं के कारण आदर्श को कम नहीं करना चाहिए।

-महात्मा गांधी

अब ट्रंप का वीजा वार

अमेरिका ने एच-1बी वीजा शुल्क को सालाना एक लाख डॉलर तक बढ़ाने का निर्णय लिया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस कदम ने वैश्विक स्तर पर हलचल पैदा कर दी है। इस वीजा पर काम करने वाले भारतीय पेशेवरों की संख्या सर्वाधिक है, इसलिए इस निर्णय का सीधा असर भारतीय समुदाय पर पड़ेगा। यह कदम न केवल भारतीय आईटी कंपनियों को प्रभावित करेगा, बल्कि अमेरिका और भारत के बीच आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक संबंधों पर भी नई चुनौती खड़ी करेगा। एच-1बी वीजा भारतीय आईटी पेशेवरों के लिए अमेरिका की अर्थव्यवस्था में योगदान का सबसे अहम माध्यम रहा है। हजारों भारतीय इंजीनियर, डॉक्टर, वैज्ञानिक और प्रबंधक हर वर्ष इस वीजा के जरिए अमेरिका पहुंचते हैं और वहां की कंपनियों के लिए अपनी विशेषज्ञता उपलब्ध कराते हैं। भारतीय कंपनियां जैसे इंफोसिस, टीसीएस और विप्रो अमेरिका में अपनी सेवाएं संचालित करती हैं और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती देती हैं। शुल्क वृद्धि से इन कंपनियों की लागत बढ़ेगी, जिससे उनकी प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति कमजोर हो सकती है। परिणामस्वरूप वे या तो अमेरिकी बाजार से दूरी बना सकती हैं या अपने कर्मचारियों की संख्या घटा सकती हैं।

इस कदम से भारत की युवा पीढ़ी के सपनों पर भी गहरी चोट पहुंचेगी। अमेरिका लंबे समय से प्रतिभाशाली भारतीय छात्रों और पेशेवरों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा है। महंगी फीस और कठिन वीजा प्रक्रिया के बावजूद वे अमेरिका जाते हैं, ताकि बेहतर अवसर पा सकें, लेकिन यदि वीजा शुल्क इतना अधिक होगा, तो यह अवसर केवल धनी वर्ग तक सीमित रह जाएगा। मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए यह सपना टूटने जैसा होगा। इससे प्रतिभा पलायन की दिशा बदल सकती है और भारतीय युवाओं का ध्यान यूरोप, ऑस्ट्रेलिया या एशियाई देशों की ओर मुड़ सकता है। इस घोषणा का समय भी उल्लेखनीय है। आदेश 21 सितंबर 2025 से लागू होगा। कई भारतीय परिवार दिवाली की यात्रा पर थे। कई शादियां और पारिवारिक समारोह तय थे, जो अब प्रभावित होंगे। भारत सरकार ने सही कदम उठाते हुए इस विषय पर अमेरिका से उपयुक्त समाधान की मांग की है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि भारतीय पेशेवरों का योगदान अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए बेहद महत्वपूर्ण है और इस नीति से दोनों देशों के रिश्तों पर नकारात्मक असर पड़ेगा।

ट्रंप प्रशासन का तर्क है कि वे अमेरिकी नागरिकों के लिए रोजगार सुरक्षित करना चाहते हैं, लेकिन वास्तविकता यह है कि भारतीय पेशेवर अमेरिकी कंपनियों के लिए केवल सस्ती श्रमशक्ति नहीं हैं, बल्कि वे नवाचार, शोध और प्रतिस्पर्धा में भी अहम भूमिका निभाते हैं। गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, एडोबी जैसी बड़ी कंपनियों के नेतृत्व में भारतीय मूल के लोग शामिल हैं। ऐसे में प्रतिभा को हतोत्साहित करना अमेरिका के दीर्घकालिक हितों के खिलाफ होगा। भारत को भी इस अवसर का उपयोग करना चाहिए। यदि अमेरिका में राह कठिन होती है, तो सरकार और निजी क्षेत्र मिलकर भारतीय युवाओं के लिए अपने देश में ही उपयुक्त अवसर पैदा करें।

चुनाव सुधार व 'हम भारत के लोग'

अनिल त्रिगुणायत

लखनऊ

विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक व बहुदलीय प्रणाली वाले देश भारत में चुनाव सुधार पर चर्चा-ए-खास जोरों पर है। जिस देश में विभिन्न जाति, धर्म व संप्रदाय के लोग रहते हों। जातिवाद, क्षेत्रवाद, भाई-भतीजावाद का भाव रच-बस गया हो, वहां सभी को एका के सूत्र में पिरो पाना खासा दुरूह है। 'कोस-कोस पर बदले पानी-चार कोस पर बानी' वाले देश में प्रक्रियागत, पारदर्शी चुनाव करा लेना व आधिकारिक महत्ता पा लेना चुनाव आयोग के लिए 'पत्थर पर दूब उगाने' की ही भांति है। इधर, राष्ट्रीय दलों के अलावा क्षेत्रीय दलों के कुछ बड़े नेताओं के अतिरिक्त सुप्रीम कोर्ट भी केंद्रीय चुनाव आयोग को कठघरे में खड़ा करते दिख रहा है।

दोनों संवैधानिक संस्थाओं के मध्य प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से आरोप-प्रत्यारोप व अहम का टकराव भी परिलक्षित हो रहा है। किंतु, दोनों संस्थाएं देश में चुनाव सुधार व सशक्त लोकतंत्र को सतत् प्रयत्नशील भी हैं, लेकिन देश के जागरूक नागरिक अपनी सुधारात्मक भूमिका से कब तक आंखे फेरे रहेंगे? राष्ट्रीय कर्तव्य बोध, जिम्मेदारी, उत्तरदायित्व व योगदान से कब तक विमुख रहेंगे? मतदाता सूची में वास्तविक नाम डलवाने, फाल्स वोट देने वालों को चिन्हित करने, सिस्टम का साथ देने के अलावा भ्रामक/गलत गतिविधियों को रोकने को क्या उन्हें भी आगे नहीं आना चाहिए? आखिर हम 'सिस्टम' को कब तक और क्यों कोसते रहेंगे?

भारत में चुनाव आयोग (वर्ष 1950 में स्थापना) एक संवैधानिक संस्था है। इस स्वायत्तशासी संस्था का उल्लेख भारतीय संविधान के अनुच्छेद 324 में तार्किकता के साथ वर्णित है। राज्य विधानसभाओं, राज्यसभा व लोकसभा के लिए चुनाव कराने के अलावा मतदाता सूची तैयार करवाने को यह संस्था पूर्णरूपेण जिम्मेदार होती है। उक्त चुनावों के समय सभी प्रकार की शक्तियां इसमें निहित होती हैं। अर्थात केंद्र/राज्यों के सरकारी तंत्र इसके द्वारा ही संचालित होते हैं। केंद्रीय चुनाव आयोग सुव्यवस्था के लिए राज्यों के निर्वाचन आयोगों का भी 'वाच डाग' होता है, जिस देश में मतदाताओं की संख्या करीब 99.1 करोड़ (वर्तमान) हो। वहां संतुलन बनाए रखना व सभी को पूरी तरह संतुष्ट करना आसान तो नहीं।

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत में 25 अक्टूबर 1951 से 21 फरवरी 1952 के बीच पहला आम चुनाव कराया गया था। वर्ष 1951 की जनगणना के अनुसार भारत की कुल आबादी करीब 36 करोड़ 11 लाख थी। इनमें से आयोग ने 17,32,12,343 मतदाताओं का पंजीकरण किया था। आज भारत की कुल जनसंख्या करीब 140 करोड़ अनुमानित है। वर्ष 2024 में 18वीं लोकसभा चुनाव में करीब 65 करोड़ मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया व विश्व रिकॉर्ड बनाया। इसमें पुरुषों का मतदान प्रतिशत 65.8 व महिलाओं का करीब 65.78 प्रतिशत था। आश्चर्य यह है कि चुनाव आयोग 65 करोड़ मतदाताओं को सहेजते हुए बिना राग-द्वेष के स्वतंत्र, निष्पक्ष व पारदर्शी चुनाव कैसे करा लेता है? बावजूद इसके उस पर सवालिया निशान लगते ही रहते हैं। हमारे लिए यह अत्यंत विचारणीय है।

जन प्रतिनिधित्व अधिनियम-1950 व 1951, निर्वाचक पंजीकरण नियम-1960, परिसीमन अधिनियम-2002 में चुनाव सुधार की बात तो है ही, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के माध्यम से चुनाव कराने की व्यवस्था दूर दृष्टि का परिणाम भी। जहां विधि आयोग की रिपोर्ट (2015) ने सुधार के अनेकानेक उपाय बता रखे हैं, वहीं एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) के आंकड़े देश की राजनीति में बढ़ते अपराधीकरण की बानगी पेश करते हैं। उदाहरणार्थ, वर्ष 2024 में निर्वाचित सांसदों में से 46 प्रतिशत के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। इन सांसदों में से 31 प्रतिशत तो ऐसे हैं, जिन पर अपहरण, दुष्कर्म व हत्या के संगीन आरोप हैं। सुधार की कड़ी में चुनाव आयोग ने यूं तो पिछले दो माह में 808 पंजीकृत, किंतु गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को अपनी सूची से हटाकर सुधार के लिए सकारात्मक संदेश दिया है। इनमें से यूपी में 121, महाराष्ट्र में 44, तमिलनाडु में 42 व दिल्ली में 40 राजनीतिक दल प्रमुख हैं।

भारत में वर्ष 1967 में क्षेत्रीय दलों का उदय हुआ, जो आज बहुदलीय प्रणाली को अवलंब दे रही हैं। राष्ट्र भाव से ओतप्रोत स्पष्ट विचारधारा तो कुछ दलों के लिए 'दूर की कौड़ी'। ऐसे दल या तो सत्ता में भागीदारी चाहते हैं या सत्ता पर कब्जा। कुछ राजनीतिक दल धर्म, जाति, भाषा, संस्कृति आदि के आधार पर बनाए जाते हैं, जो एक निश्चित समुदाय व वर्ग के हितों को बढ़ावा देते हैं या केंद्र में किसी राष्ट्रीय दल को समर्थन दे अपना हित साधते हैं। यूपी, उड़ीसा, तमिलनाडु, पंजाब, आंध्र प्रदेश, केरल, बिहार व झारखंड के कुछ राजनीतिक दलों को उदाहरण के रूप में देखा/समझा जा सकता है। आयोग चुनावी प्रदर्शन के आधार पर ही राष्ट्रीय या राज्य स्तरीय दलों के रूप में मान्यता प्रदान करता है। राष्ट्रीय या राज्य स्तरीय दल की मान्यता के लिए वोट प्रतिशत व सीटों के मानक का निर्धारण करता है। राजनीतिक दलों के नेताओं को संसद या विधानसभाओं में जनता ही चुनकर भेजती है।

यह समीचीन है कि चुनाव सुधार को लेकर आयोग से मानवीय/तकनीकी चूक हुई हो, या हो रही हो! उक्त मुद्दों पर मौलिक अधिकारों की संरक्षक सुप्रीम कोर्ट हमारे साथ खड़ी हो, लेकिन हम भारत के लोगों को भी तो संदर्भित सुधारात्मक प्रक्रिया में रचनात्मक/सकारात्मक योगदान देना चाहिए। जान लें, सरकारी सिस्टम हमारी सुविधा के लिए ही है। इसके सशक्तिकरण में ही प्रजातंत्र और हमारा हित सुरक्षित है।

'कोस-कोस पर बदले पानी-चार कोस पर बानी' वाले देश में प्रक्रियागत, पारदर्शी चुनाव करा लेना और आधिकारिक महत्ता पा लेना चुनाव आयोग के लिए 'पत्थर पर दूब उगाने' की तरह है।

आमने

आरजेडी के युवराज तेजस्वी यादव के मंच से प्रधानमंत्री की मां को गाली दी गई है। लगता है कि 1990 के दशक में जो जंगलराज था उसका संस्कार अभी भी तेजस्वी यादव से हटा नहीं है। वही संस्कार लिए तेजस्वी यादव के मंचों से गाली दी गई।

-गिरिराज सिंह
केंद्रीय मंत्री

सामने

बीजेपी के लोग जो वीडियो डाल रहे हैं, उसमें नेता प्रतिपक्ष तेजस्वीब यादव के भाषण की आवाज नहीं है। वीडियो में ऑडियो को तोड़-मरोड़ कर बदनाम करने की साजिश रची गई है। ओरिजनल वीडियो मेरे फेसबुक पेज पर है, सुन सकते हैं।

-मुकेश रोशन
आरजेडी नेता

जैव विविधता बनाए रखने के लिए जरूरी है गैंडा

डॉ. जितेंद्र शुक्ला

वन्यजीव विशेषज्ञ

गैंडा विशेष रूप से एक सींग वाला एशियाई गैंडा, न केवल आकार में विशाल होता है, बल्कि पारिस्थितिकी तंत्र में इसकी भूमिका भी अत्यंत विशाल और महत्त्वपूर्ण होती है। यह शाकाहारी जीव अपने प्राकृतिक आवास में जैव विविधता और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में निर्णायक भूमिका निभाता है। भारत में मुख्य रूप से असम, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में पाए जाने वाले गैंडे, अपने व्यवहार और आहार की प्रकृति के कारण पारिस्थितिक तंत्र के लिए एक 'कीस्टोन प्रजाति' माने जाते हैं। इसका अर्थ यह है कि यदि गैंडा पारिस्थितिकी तंत्र से समाप्त हो जाए, तो उससे पूरे जैविक संतुलन पर गहरा असर पड़ सकता है। इसके संरक्षण को प्रोत्साहन देने के लिए 22 सितंबर को विश्व गैंडा दिवस मनाया जाता है।

गैंडे मुख्य रूप से घास, झाड़ियां, जल पौधे और पत्तियां खाते हैं। इनके इस आहार-व्यवहार के कारण घास के मैदानों का प्राकृतिक प्रबंधन होता है। जब गैंडा घास को आहार के रूप में लेता है, तो वह कुछ खास प्रकार की घासों को नियंत्रित करता है, जिससे जैव विविधता को बढ़ावा मिलता है। इससे अन्य शाकाहारी प्रजातियों जैसे हिरन, बारहसिंगा और नीलगाय को भी बेहतर भोजन और आवास मिल पाता है।

गैंडे के मल-मूत्र में बीज होते हैं, जो उनके भ्रमण के दौरान इधर-उधर फैलते हैं। इससे पौधों का प्राकृतिक प्रसार होता है और भूमि की उर्वरता में वृद्धि होती है। इस प्रकार गैंडा एक प्रकार से बीज फैलाने वाला और पर्यावरणीय संरचना को बनाए रखने वाला जीव भी बन जाता है।

गैंडों के कारण जंगलों और घास के मैदानों में खुले रास्ते और प्राकृतिक गलियां बनती हैं, जिससे छोटे जानवरों की आवाजाही आसान हो जाती है। उनके पैरों से बनी मिट्टी की पगडंडियां जल निकासी में मदद करती हैं, जिससे वर्षा के मौसम में दलदली क्षेत्रों में जल जमाव नहीं होता। यह जल प्रवाह पारिस्थितिकीय स्थिरता बनाए रखने में सहायक होता है। साथ ही, गैंडे द्वारा बनाए गए छोटे जल गड्ढे, पक्षियों और छोटे जीवों के लिए जल स्रोत के रूप में कार्य करते हैं।

गैंडे का अस्तित्व जैव विविधता को बनाए रखने के लिए आवश्यक है। जब कोई शीर्ष प्रजाति, जो खाद्य श्रृंखला में महत्त्वपूर्ण स्थान रखती है, पारिस्थितिकी तंत्र से गायब हो जाती है, तो उसके प्रभाव से अनेक अन्य प्रजातियों का जीवन भी खतरे में पड़ जाता है। उदाहरण के लिए, यदि गैंडे नहीं होंगे, तो घास की कुछ प्रजातियां अत्यधिक फैल जाएंगी, जिससे जैव विविधता घटेगी और छोटे जानवरों का आवास प्रभावित होगा। यह वनस्पतियों और जीवों के बीच प्राकृतिक प्रतिस्पर्धा के संतुलन को बिगाड़ सकता है। पारिस्थितिकी तंत्र में गैंडे की उपस्थिति जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध एक अप्रत्यक्ष रक्षा कवच भी है। उनके कारण घास के मैदान सुरक्षित रहते हैं, जिससे कार्बन अवशोषण की प्रक्रिया तेज होती है। इससे वैश्विक तापमान वृद्धि की दर को नियंत्रित करने में भी सहायता मिलती है।

वर्तमान समय में गैंडे की प्रजाति संकटग्रस्त स्थिति में है। अवैध शिकार, आवास का नाश, जलवायु परिवर्तन और मानव-वन्यजीव संघर्ष के कारण गैंडों की संख्या सीमित हो गई है। गैंडा के सींग की अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भारी मांग के कारण यह शिकारियों के निशाने पर रहता है। यदि गैंडों को संरक्षित नहीं किया गया, तो पारिस्थितिकीय असंतुलन की स्थिति और भी गंभीर हो सकती है, इसलिए गैंडों का संरक्षण न केवल एक प्रजाति को बचाने का कार्य है, बल्कि यह संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र को सुरक्षित रखने का प्रयास भी है।

भारत सरकार और विभिन्न राज्यों ने गैंडों के संरक्षण के लिए कई योजनाएं चलाई हैं, जैसे गैंडा पुनर्वास कार्यक्रम, विशेष निगरानी क्षेत्र और वन्यजीव अपराध नियंत्रण प्रयास। उत्तर प्रदेश का दुधवा टाइगर रिजर्व इस दिशा में एक शानदार उदाहरण है, जहां गैंडों को फिर से बसाकर उनका सफल संरक्षण किया गया है। ऐसे प्रयास न केवल जैव विविधता की रक्षा करते हैं, बल्कि पारिस्थितिकीय चेतना को भी जन-जन तक पहुंचाते हैं।

दुधवा नेशनल पार्क, उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले में स्थित है और यह भारत के महत्वपूर्ण वन्यजीव अभयारण्यों में से एक माना जाता है। यहां की जैव विविधता, हरियाली और शांत वातावरण इसे विशेष बनाते हैं। भारत में एक सींग वाला गैंडा कभी उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और असम जैसे राज्यों में व्यापक रूप से पाया जाता था। परंतु शिकार, प्राकृतिक आवास की कमी और मानव हस्तक्षेप के कारण इसकी संख्या तेजी से घटने लगी। 20वीं सदी के मध्य तक उत्तर भारत से यह लगभग विलुप्त हो चुका था। ऐसी स्थिति में एक स्थायी समाधान की आवश्यकता थी, ताकि इस अद्भुत जीव को फिर से प्राकृतिक परिवेश में बसाया जा सके।

दुधवा में गेंडे का पुनर्वास इसी सोच का परिणाम है। यह आवश्यक है कि हम गैंडों के महत्व को केवल एक आकर्षक जीव के रूप में न देखें, बल्कि उन्हें पारिस्थितिकी तंत्र के एक अनिवार्य अंग के रूप में समझें। उनके संरक्षण में ही हमारे वनों, जलवायु, जैव विविधता और आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित है।

अतीत में दुश्मन की तलवार से रक्षा के लिए इस्तेमाल होने वाली ढाल गैंडे की खाल से बनाई जाती थी। युद्ध के मैदान में ढाल बना गैंडा आज स्वयं के अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है।

प्रसंगवश

नौदिवसीय अंतर्मन की यात्रा है नवरात्रि पर्व

शारदीय नवरात्रि आज 22 सितंबर से आरंभ हो रहे हैं। मां दुर्गा की उपासना का यह पर्व देश भर में बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है। मातृशक्ति को समर्पित इस पर्व में जनजीवन में ऊर्जा की स्थापना होती है। मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा के द्वारा शक्ति की याचना की जाती है। समाज में फैले विकारों के उन्मूलन के लिए पवित्र विचारों की सृष्टि का निर्माण इस पर्व पर होता है। आश्विन शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से नवरात्रि का पावन पर्व शुरू हो जाएगा। माँ दुर्गा के एक एक स्वरूप की हर दिन पूजा अर्चना का विधान है। 'यं यं चिन्तयति कामं तं तं प्राप्नोति निश्चितम्' ऐसा श्लोक दुर्गा सप्तशती में आता है, जिसका अर्थ है कि मां की उपासना उनके भक्तों की सभी इच्छाएं पूरी कर देती हैं। देवी भागवत में एक प्रसंग आता है, जिसमें मां भगवती भगवान श्रीकृष्ण के ऊपर आए संकट को टालती हैं।

रमा निवास तिवारी

लेखक

बात उस समय की है जब भगवान श्रीकृष्ण द्वारिकाधीश हुए। उनके राज्य में सतराजीत नाम का एक व्यक्ति था, जो सूर्य जी का उपासक था। सूर्य देव ने उसकी पूजा से प्रसन्न होकर उसे स्यामंतक नाम की मणि भेंट की, जो रोज स्वर्ण मुद्राओं को देने वाली थी। जब श्रीकृष्ण को इस बात की खबर लगी तो उन्होंने सतराजीत से वह मणि यह कहकर मांगी कि इस मणि की उसे क्या आवश्यकता है। यह मणि राजा के पास रहेगी तो राजकोष समृद्ध होगा, लेकिन सतराजीत ने भगवान श्रीकृष्ण को स्यामंतक मणि देने से इंकार कर दिया। कथा आती है कि उसी के बाद एक दिन अचानक सतराजीत का मृत शरीर जंगल में प्राप्त हुआ और स्यामंतक मणि का कोई अता-पता नही लग रहा था।

लोगों में यह बात फैल गई कि मणि को जबरन प्राप्त करने के लिए कृष्ण जी ने सतराजीत को मार दिया होगा और मणि स्वयं रख ली होगी। सच्चाई का पता लगाने के लिए श्रीकृष्ण जंगल की ओर प्रस्थान कर गए। कुछ दिन जब वापस नहीं लौटे, तो वसुदेव ने मां भगवती की विशेष पूजा की और भगवान श्रीकृष्ण जंगल से सकुशल मां भवानी की कृपा से आ गए और मणि चोरी का लांछन भी उनके ऊपर से हट गया।

हम जीवों की कोई क्या कहे, मां की करुणा तो देवताओं का भी उद्धार करती रही हैं। महिषासुर और शुंभ निशुंभ जैसे दुर्दांत दैत्यों का विनाश करने वाली भगवती की कृपा उनके भक्तों के सभी आदिदैविक, आदिभौतिक और आदिदैविक कष्टों का निवारण कर देती हैं। मां की कृपा, करुणा अपरंपार है। नवरात्रि के पावन अवसर पर माता के चरणों में अपना सुख दुःख निवेदित करने को माता के भक्त तैयार हैं। गांव-गांव शहर-शहर माता की सुंदर झांकियों के पंडाल सजाए जा रहे हैं, जहां नवरात्रि भर मां की ममता भरी छांव में भजन कीर्तन और स्तवन का क्रम चलता रहेगा।

बालिकाओं को माता के रूपों में देखने की दृष्टि भी नवरात्रि के पर्व पर समाज को मिलती है। दुर्गा पूजा के बहाने ही सही नारी सम्मान की अवधारणा की एक लकीर भी स्वतः खिंचती दिखाई देती है। दुर्गा पूजा समाज को नारी शक्ति का एहसास भी कराती है। नवरात्रि पर्व केवल आध्यात्मिक अर्थों में ही सीमित नहीं रह जाता, बल्कि सामाजिक स्तर पर वह व्यक्ति-व्यक्ति के अंतर्मन की नौदिवसीय यात्रा है, जिसमें उसके जीवन की मलिनता का परिष्करण एक-एक दिन करके होती है और नौदिवसीय इस मानसिक विकारों के शोधन के उपरांत जब अंतस में सद्गुणों का प्रादुर्भाव हो जाता है, तो विजयादशमी के दिन अज्ञानता और अवगुणों का रावण मारा जाता है।

सोशल फोरम

यूरोपः सांस्कृतिक उत्सव है यहां फुटबाल का खेल

यूरोप में फुटबॉल केवल एक खेल नहीं है। यह एक धर्म, एक संस्कृति और एक जीवन शैली है। यह एक ऐसा जुनून है जो उम्र, लिंग और सामाजिक सीमाओं को पार करता है, जो लोगों को एकजुट करता है और उन्हें भावनाओं के रोलरकोस्टर पर ले जाता है। यूरोप में फुटबॉल की दीवानगी को समझने के लिए हमें इसके ऐतिहासिक, सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व को देखना होगा।

अभिजीत 'जनार्दन'

ब्लॉगर

फुटबॉल की जड़ें यूरोप में गहरी हैं। 19वीं सदी में इंग्लैंड में आधुनिक फुटबॉल का जन्म हुआ और जल्द ही यह पूरे महाद्वीप में फैल गया। फीफा (Fdration Internationale de Football Association) की स्थापना 1904 में पेरिस में हुई और तब से यूरोप फुटबॉल का वैश्विक केंद्र बना हुआ है। यूईएफए चैंपियंस लीग, प्रीमियर लीग, ला लीगा और बुंडेसलीगा जैसे टूर्नामेंट और लीग ने फुटबॉल को एक वैश्विक विषय बना दिया है।

यूरोप में फुटबॉल केवल 90 मिनट का खेल नहीं है, यह एक सामाजिक घटना है जो समुदायों को एकजुट करती है। स्टेडियम में हजारों प्रशंसकों का एक साथ नारे लगाना, अपने क्लब के रंगों में सजना और हर गोल पर उन्मादपूर्ण उत्सव मनाना- यह सब फुटबॉल की दीवानगी का हिस्सा है।

क्लब- जैसे मैनचेस्टर यूनाइटेड, बार्सिलोना, रियल मैड्रिड और बायर्न म्यूनिख न केवल खेल की संस्थाएं हैं, बल्कि स्थानीय और राष्ट्रीय पहचान का प्रतीक भी हैं। प्रशंसकों के बीच यह जुनून पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तांतरित होता है। एक बच्चा अपने परिवार के साथ पहला मैच देखता है और उसका पसंदीदा क्लब उसके दिल में हमेशा के लिए बस जाता है। यह दीवानगी केवल स्टेडियम तक सीमित नहीं है। पब, कैफे और घरों में लोग टीवी स्क्रीन के सामने इकट्ठा होते हैंय हर पास, हर टैकल और हर गोल पर भावनाओं का ज्वार उमड़ता है। यूरोप में फुटबॉल एक विशाल उद्योग है। प्रीमियर लीग जैसे टूर्नामेंट अरबों डॉलर की कमाई करते हैं और खिलाड़ी जैसे लियोनेल मेसी, क्रिस्टियानो रोनाल्डो और ब्रूनो फर्नांडीस वैश्विक सुपरस्टार हैं। प्रशंसक पसंदीदा खिलाड़ियों की जर्सी, स्कार्फ और अन्य मर्चेंडाइज खरीदने के लिए लाखों खर्च करते हैं।

-फेसबुक वाल से

सामयिकी

ऐसा तो कभी भी नहीं था हमारा पहाड़!

उत्तराखंड में 15 सितंबर को देहरादून और उसके बाद 18 सितंबर को गोपेश्वर चमोली में मानसूनी बारिश के कारण हुई जबरदस्त तबाही ने धराली और थराली के साथ ही कुमाऊं क्षेत्र में आई आपदा से मिले जख्मों को फिर से ताजा कर दिया है। 15 सितंबर की बारिश के बाद आपदा के कारण जहां दो दर्जन से अधिक लोगों की जान चली गई। कई लोग लापता और घायल हो गए। अभी यहां राहत और बचाव कार्य चल ही रहा है कि चमोली के गोपेश्वर में आपदा का पहाड़ टूट पड़ा। इसमें सात लोगों की मौत होने की खबर है और 45 घर तबाह हो चुके हैं।

पहाड़ों में लगातार हो रही इन आपदाओं ने एक बार फिर हमें सोचने पर मजबूर कर दिया है कि दिन-प्रतिदिन विकराल होती और एक के बाद एक हो रही इन आपदाओं का मूल कारण क्या हैं? या यूं भी कह सकते हैं कि सब कुछ जानने-समझने के बाद भी समय रहते ठोस उपाय नहीं हुए और हालात अब एक तरह से बेकाबू हो चुके हैं। पहाड़ों में आपदाएं तो आती रही हैं, लेकिन उनका स्वरूप इतना विस्तृत क्षेत्र तक नहीं था और न ही वह इतनी विकराल थीं। आधुनिक विकास के नाम पर जहां-जहां भूखनन और वन माफिया पहुंचा वहां-वहां पीछे से आपदा भी पहुंच गई।

अरविंद जयतिलक

लेखक

गौर करें तो हमारे बचपन का पहाड़ आज की तरह कष्टकारी और जीवन लीलने वाला नहीं था। मेरा पहाड़ बहुत खूबसूरत, शांत और सुखदाई था, लेकिन न जाने किसकी नजर लग गई पहाड़ को! अब तो जिधर देखो उधर मौतों का, तबाही का खौफनाक मंजर नजर आता है। हां, बारिश तो तब भी होती थी, लगातार सात दिन तक मूसलाधार बारिश, जिसको हम सतझड़ कहते थे। मेरे गांव के चारों तरफ के गधेरे पानी से लबालब किसी गुस्सैल सांप की तरह सरसराते हुए निकल जाते और सामने की पहाड़ियों पर भी कुछ ऐसा ही नजारा होता, गधेरे ही गधेरे और पानी ही पानी।

पहाड़ी का नजारा ऐसा होता, मानो एक पहाड़ी से दर्जनों झरने फूट पड़े हों, लेकिन तब तो कभी ऐसी भीषण तबाही नहीं हुई। तब तो किसी का जीवन नहीं लीला और न ही किसी का घर जमींदोज हुआ, लेकिन आज पहाड़ को माफियाओं की नजर लग गई। खनन माफियाओं की नजर नदी-नालों तो वन माफियाओं की पेड़ों पर है। भू माफिया खेत खलिहानों और पहाड़ों को काट-काटकर बड़ी-बड़ी अट्टालिकाएं बनाकर प्रकृति से मिला सुख चैन लूटकर पैसा कमा रहे हैं। उन्हें किसी के मर जाने, मिट जाने की परवाह नहीं है और न किसी के तबाह हो जाने की। वे तो पैसों से अपना घर भरकर मौज काट रहे हैं और पहाड़ों का सीना चीरने के बाद प्रकृति के रौद्र रूप का शिकार स्थानीय लोग ही बनते हैं। कौन जाने उन स्थानीय लोगों का दर्द। मंदिरों को भी पर्यटक स्थल बनाकर देवी-देवताओं की शांति और एकांत में खलल डाला जा रहा है।

धन की चाह में माफिया, पहाड़ों की शांति, सुख, चैन, हरियाली और प्राकृतिक संपदा को नष्ट करने पर तुले हैं, लेकिन कोई भी उसे रोकने वाला नहीं है, क्योंकि बहती गंगा में सभी हाथ धो लेना चाहते हैं और भर लेना चाहते हैं नोटों से अपना घर। देश-विदेश के सैलानी शीतकालीन पर्यटन और साहसिक खेलों के लिए उत्तराखंड आते हैं। हमें पहाड़ के विकास के लिए विनाशकारी फैसलों से बचना होगा, क्योंकि उत्तराखंड के लिए राजस्व का एक बड़ा हिस्सा पर्यटन से ही आता है, लेकिन जब पहाड़ ही सुरक्षित नहीं होंगे तो सुखद पर्यटन की कल्पना बेमानी होगी।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

हाइड्रोजन बदलेगा परिवहन का भविष्य

दुनिया आज ऊर्जा संकट और जलवायु परिवर्तन के दबाव में घिरी हुई है। प्रदूषण, बढ़ता कार्बन उत्सर्जन और जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता ने मानवता को वैकल्पिक और टिकाऊ ऊर्जा साधनों की ओर मोड़ दिया है। बैटरी आधारित इलेक्ट्रिक वाहनों ने परिवहन क्षेत्र में नई क्रांति की शुरुआत की है, लेकिन अब हाइड्रोजन आधारित गाड़ियां-फ्यूल सेल इलेक्ट्रिक व्हीकल या एफसीईवी-धीरे-धीरे इस क्षेत्र में अपनी जगह बना रही हैं। इन वाहनों से न केवल परिवहन का स्वरूप बदल सकता है, बल्कि यह पूरी ऊर्जा व्यवस्था को भी नई दिशा दे सकते हैं। भारत भी इस दिशा में तेज़ी से कदम बढ़ा रहा है और आने वाले वर्षों में वैश्विक परिदृश्य में अहम भूमिका निभा सकता है। भारत का परिवहन पारंपरिक ईंधन से स्वच्छ, टिकाऊ और बहु-ऊर्जा समाधानों की दिशा में बढ़ रहा है। भारत की सड़कों पर लंबे समय से पेट्रोल और डीज़ल वाहनों का राज रहा है। ये वाहन देश की गतिशीलता का आधार रहे हैं, लेकिन बढ़ते प्रदूषण और जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता ने धीरे-धीरे चिंता बढ़ा दी। हाल ही में E20 पेट्रोल को लेकर सार्वजनिक और तकनीकी चर्चाएं तेज़ हो गईं।

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर

आम लोगों और विशेषज्ञों ने इसके इंजन संगतता, प्रदर्शन और दीर्घकालिक भरोसे को लेकर सवाल उठाए। ऐसे में यह स्पष्ट हो गया कि केवल पारंपरिक ईंधन में बदलाव-चाहे वह E20 ही क्यों न हो-दीर्घकालीन समाधान नहीं दे सकता।

हाइड्रोजन वाहनों का संचालन सरल

हाइड्रोजन वाहनों का संचालन सरल दिखता है, लेकिन तकनीक बेहद दिलचस्प है। कार में एक विशेष टैंक में हाइड्रोजन गैस भरी जाती है। जब यह फ्यूल सेल में हवा से आने वाले ऑक्सीजन के संपर्क में आती है, तो रासायनिक प्रतिक्रिया होती है और बिजली उत्पन्न होती है। यही बिजली मोटर को चलाती है। उप-उत्पाद केवल जल वाष्प है-कोई धुआं, कोई कार्बन नहीं। यही कारण है कि हाइड्रोजन वाहनों को भविष्य का वाहक कहा जाता है।

दुनिया का अधिकांश हाइड्रोजन प्राकृतिक गैस से तैयार होता है, जिसे ग्रे हाइड्रोजन कहा जाता है। इसमें भारी मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन होता है। अगर प्राकृतिक गैस से हाइड्रोजन बनाते समय कार्बन कैप्चर तकनीक का इस्तेमाल किया जाए तो यह ब्लू हाइड्रोजन कहलाता है। सबसे टिकाऊ विकल्प है ग्रीन हाइड्रोजन, जो सौर या पवन ऊर्जा जैसी नवीकरणीय ऊर्जा से इलेक्ट्रोलिसिस प्रक्रिया द्वारा बनता है। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी की "ग्लोबल हाइड्रोजन रिव्यू 2024" के अनुसार, 2023 में वैश्विक उत्पादन लगभग 97 मिलियन टन रहा, लेकिन ग्रीन हाइड्रोजन का हिस्सा अभी भी 1 प्रतिशत से भी कम है। यही कारण है कि लागत कम करना और बड़े पैमाने पर ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन आज की सबसे बड़ी चुनौती है।

चुनौतीपूर्ण है भंडारण और परिवहन

भंडारण और परिवहन भी चुनौतीपूर्ण हैं। हाइड्रोजन हल्की और सक्रिय गैस है, जिसे उच्च दाब वाले टैंकों या अत्यधिक कम तापमान पर तरल रूप में रखना पड़ता है। इसलिए हाइड्रोजन स्टेशनों का निर्माण पेट्रोल पंप की तुलना में महंगा और जटिल है। 2024 तक दुनिया में लगभग 1,000 हाइड्रोजन स्टेशन सक्रिय या निर्माणाधीन थे। जापान, दक्षिण कोरिया, जर्मनी और चीन प्रमुख केंद्र हैं, जबकि अमेरिका में कैलिफ़ोर्निया इसका केंद्र बना हुआ है।

हाइड्रोजन उत्पादन में भारत की स्थिति

भारत में स्थिति अभी शुरुआती दौर में है, लेकिन गति पकड़ रही है। जनवरी 2023 में राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन शुरू किया गया, बजट 19,744 करोड़ रुपये। इसका लक्ष्य 2030 तक भारत को ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन और उपयोग में अग्रणी बनाना है। इसी के अंतर्गत 2024 में परिवहन क्षेत्र में पांच पायलट प्रोजेक्ट शुरू किए गए, जिनमें 37 वाहन और नौ हाइड्रोजन स्टेशन शामिल हैं। ये बसें और ट्रक देशभर के अलग-अलग मार्गों पर चलकर तकनीकी और आर्थिक संभावनाओं का परीक्षण करेंगे। इस पहल में टाटा मोटर्स, एनटीपीसी, रिलायंस, अशोक लेलैंड और कई तेल कंपनियां शामिल हैं।

रेलवे में भी है बड़ी भूमिका

भारत का हाइड्रोजन सफ़र केवल सड़क परिवहन तक सीमित नहीं है। रेलवे ने भी इसमें बड़ा कदम उठाया है। भारतीय रेलवे ने 2025 में जींद-सोनीपत मार्ग पर देश का पहला हाइड्रोजन चालित कोच परीक्षण के दौर से सफलतापूर्वक गुजारा। यह 1,200 हॉर्सपावर इंजन वाला कोच 35 हाइड्रोजन-चालित ट्रेनों के "हाइड्रोजन फॉर हेरिटेज" मिशन का हिस्सा बनेगा। प्रत्येक ट्रेन का निर्माण अनुमानित 80 करोड़ रुपये है और आधारभूत संरचना के लिए 70 करोड़ रुपये अतिरिक्त। रेलवे ने मौजूदा डीज़ल-इलेक्ट्रिक यूनिट को हाइड्रोजन फ्यूल सेल में बदलने के लिए 111.83 करोड़ रुपये का पायलट प्रोजेक्ट भी शुरू किया है। यह पहल भारत को उन चुनिंदा देशों की कतार में खड़ा कर देती है जो रेल परिवहन को पूरी तरह हरित बनाने के लिए प्रयोग कर रहे हैं।

कॉरपोरेट क्षेत्र में भी सक्रिय

कॉरपोरेट क्षेत्र भी इस दिशा में सक्रिय है। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने 2022 में मिराई कार का पायलट प्रोजेक्ट भारत में शुरू किया था। इसके बाद 2025 में टोयोटा और बेंगलुरु स्थित ओहिमयम इंटरनेशनल ने एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए, जिसका उद्देश्य ग्रीन हाइड्रोजन आधारित पावर सॉल्यूशंस विकसित करना है। इसका मतलब है कि भविष्य में हाइड्रोजन का उपयोग न केवल गाड़ियों में बल्कि डेटा सेंटर, दूरस्थ इलाक़ों और उद्योगों में भी बिजली आपूर्ति के लिए किया जा सकेगा। यह सहयोग 'मेक इन इंडिया' की भावना को मज़बूत करता है और दिखाता है कि भारत स्थानीय तकनीक और वैश्विक विशेषज्ञता को जोड़कर आत्मनिर्भर हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है।

पेट्रोल-डीजल की तुलना में कम प्रदूषण

हाइड्रोजन गाड़ियों के लाभ स्पष्ट हैं। पेट्रोल-डीज़ल के विपरीत, इनमें से कोई प्रदूषण नहीं निकलता। बैटरी गाड़ियों की तुलना में इन्हें चार्ज करने की बजाय हाइड्रोजन भरने में सिर्फ़ कुछ ही मिनट लगते हैं। इनकी रेंज भी लंबी होती है, जिससे यह लंबी दूरी की यात्रा और भारी वाहनों के लिए आदर्श विकल्प साबित हो सकती हैं। यही कारण है कि विशेषज्ञ मानते हैं कि निजी कारों से कहीं अधिक हाइड्रोजन का उपयोग बसों, ट्रकों, ट्रेनों और जहाज़ों जैसे बड़े वाहनों में होगा।

चुनौतियां भी उतनी ही गंभीर हैं। ग्रीन हाइड्रोजन अभी महंगी है, उत्पादन सीमित है और इन्फ्रास्ट्रक्चर अधूरा है। इसके अलावा बैटरी गाड़ियां पहले से ही बाज़ार में मज़बूत पकड़ बना चुकी हैं। इसलिए नीति और उद्योग जगत को मिलकर हाइड्रोजन तकनीक को किफ़ायती और व्यवहार्य बनाना होगा। हालांकि, भारतीय नीति निर्माता और उद्योगपति इस दिशा में जिस तरह पहल कर रहे हैं, उससे साफ है कि आने वाले दशक में भारत हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था का अहम केंद्र बन सकता है। आज जब दुनिया स्वच्छ ऊर्जा की तलाश में है, भारत ने हाइड्रोजन को अपनी प्राथमिकता में शामिल कर यह संदेश दिया है कि हम केवल उपभोक्ता ही नहीं, बल्कि नवाचार और नेतृत्व करने वाले राष्ट्र भी बन सकते हैं। चाहे वह सड़कों पर दौड़ती बसें हों, माल ढोते ट्रक, रेल की पटरियों पर दौड़ती ट्रेनें या फिर उद्योगों के लिए ऊर्जा समाधान-हर जगह भारत हाइड्रोजन तकनीक को अपनाने की तैयारी कर रहा है। यह यात्रा अभी लंबी है, लेकिन दिशा स्पष्ट है।

इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग में आई तेजी

भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग तेजी से बढ़ रही है। शहरों में निजी कारें, सार्वजनिक परिवहन की बसें, ऑटो-रिक्शा और बाइकें इलेक्ट्रिक होने लगी हैं। चार्जिंग नेटवर्क का विस्तार और सब्सिडी नीतियों ने इसे प्रोत्साहित किया है। लेकिन इन वाहनों की कुछ सीमाएं भी हैं, जैसे लंबी दूरी की यात्रा, चार्जिंग समय और भारी वाहन जैसे ट्रक और बसों में बैटरी की भारी लागत। इन्हीं सबके बीच नीति निर्माताओं और उद्योग जगत ने भविष्य के परिवहन के लिए और अधिक स्वच्छ, टिकाऊ और शक्तिशाली विकल्प तलाशने की प्रक्रिया में हाइड्रोजन वाहनों के लिए खाका तैयार करना शुरू कर दिया। हाइड्रोजन फ्यूल सेल तकनीक लंबी दूरी तय करने में सक्षम है, रिफ्यूलिंग पेट्रोल-डीज़ल जितनी तेज़ होती है और भारी वाहन चलाने में बैटरी की तुलना में अधिक कुशल है।

हाइड्रोजन की कहानी कोई आज की नहीं है। इसकी नींव लगभग दो सौ साल पहले रखी जा चुकी थी। उन्नीसवीं सदी के मध्य में ब्रिटिश वैज्ञानिक सर विलियम ग्रोव ने यह दिखाया कि हाइड्रोजन और ऑक्सीजन के संयोजन से बिजली उत्पन्न की जा सकती है। यही सिद्धांत आज की फ्यूल सेल तकनीक की बुनियाद है। 1966 में जनरल मोटर्स ने पहली बार "इलेक्ट्रोवैन" नामक फ्यूल सेल वैन बनाकर इतिहास रचा। यह प्रयोगात्मक वाहन था, लेकिन संभावनाओं का द्वार खोल गया।

1990 के दशक में कनाडा की बैलार्ड पावर सिस्टम्स और जापान की होंडा जैसी कंपनियों ने अनुसंधान को तेज़ किया और 2008 में होंडा ने सीमित स्तर पर एफसीएक्स क्लैरिटी कार बाज़ार में उतारी। असली बदलाव तब आया जब 2014 में टोयोटा ने "मिराई" कार को व्यावसायिक स्तर पर लॉन्च किया। इसके बाद ह्युंडई ने 2018 में नेक्सो पेश की और होंडा ने भी अपने प्रयोग आगे बढ़ाए। आज दुनियाभर में हज़ारों हाइड्रोजन कारें सड़कों पर दौड़ रही हैं।

समझें टायरों का मिजाज और अंदाज

कारों में लगे टायर अपने रंग-रूप में एक जैसे नजर आते हैं, लेकिन इनके भी अपने मिजाज और अंदाज होते हैं। आप कार में नया टायर डलवाने वाले हैं तो आपको अपनी जरूरत के हिसाब से ही टायर चुनना चाहिए। अहम बात यह है कि आपको समझना होगा कि आप कार कहां चला रहे हैं और वहां का मौसम कैसा है? जी हां, इलाकों के मौसम के मिजाज के हिसाब से ही टायर का इस्तेमाल करना चाहिए, ताकि आप लॉन्ग ड्राइव पर जाएं तो आपको कोई दिक्कत न हो। आइए आपको बताते हैं कि इनकी खास बात...-*फीचर डेस्क*

- **समर टायरः** इसे स्टैंडर्ड टायर भी कहते हैं। ये टायर गर्म इलाकों के लिए डिजाइन किए गए हैं। यह सूखी और गीली दोनों तरह की सड़कों पर अच्छी पकड़ के साथ चलते हैं। इसमें खास तरह का नरम रबर यूज होता है। ठंडे मौसम में इनका प्रदर्शन ठीक नहीं रहता।
- **विंटर टायरः** बर्फीले इलाकों में इस टायर की परफार्मेंस अच्छी रहती है। इसमें बड़ी संख्या में खांचे होते हैं। तापमान गिरने पर यह लचीले बने रहते हैं और अनुकूलित रहते हैं। इन टायरों का इस्तेमाल उन्हीं जगहों पर किया जाता है, जहां बर्फबारी होती है या फिर तापमान काफी नीचे चला जाता है।
- **ऑल सीजन टायरः** यह टायर सामान्य मौसम के लिए फिट होता है। हालांकि, ये सीजनल टायरों की तरह बहुत गर्मी या

बहुत सर्दी के लिए अनुकूलित नहीं होते। इन्हे सामान्य स्थिति में ही उपयोग किया जा सकता है।

- **हाई परफॉरमेंस टायरः** यह ऐसे टायर होते हैं, जो तेज गति से चलने वाली कारों में यूज किया जाता है। यह बेहतर पकड़ और उच्च गति से निपटने में माहिर होते हैं। मूल रूप से यह स्पोर्ट्स कारों में ही यूज होते हैं। नार्मल कारों के लिए यह टायर नहीं हैं।
- **ऑल टेरेन टायरः** इसे एटी टायर भी कहते हैं। यह विभिन्न रास्तों के लिए बेहतरीन होते हैं। हाईवे, बजरी या कच्ची सड़कों पर यह बेहतर प्रदर्शन करते हैं।
- **ऑफरोडिंग टायरः** इसे मड टेरेन या एमटी टायर भी कहते हैं। यह कीचड़ और ऊबड़-खाबड़ रास्तों पर अच्छी परफॉर्मेंस देते हैं। इन टायरों को कठिन परिस्थितियों में अधिकतम घर्षण प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है।
- **रन-फ्लैट टायरः** पंक्चर होने या हवा निकल जाने के बाद भी इन टायरों को कुछ दूर तक चलाया जा सकता है। यह पंचर हालत में चलाए जाने पर भी सुरक्षित रहते हैं।
- **ट्यूबलेस टायरः** जैसा कि नाम से ही जाहिर है कि इन टायरों में ट्यूब नहीं होती। पंक्चर होने पर यह कम नुकसान पहुंचाते हैं।
- **टूरिंग टायरः** इन्हें बेहतर हैंडलिंग और स्मूथ राइड के लिए जाना जाता है। इनका यूज सेडान और मिनीवैन जैसी गाड़ियों में किया जाता है।

ऑटो टिप्स

बाइक को कैसे रखें फिट

नियमित सर्विस कराएं
- समय-समय पर अधिकृत सर्विस सेंटर या अच्छे मैकेनिक से सर्विस करवाएं।
- इंजन ऑयल समय पर बदलना सबसे जरूरी है।

इंजन ऑयल चेक करें
- हर 2000-2500 किमी पर इंजन ऑयल की स्थिति देखें।
- गंदा या कम ऑयल बाइक के इंजन को नुकसान पहुंचा सकता है।

टायर और हवा का दबाव
- टायर में हवा का दबाव हमेशा कंपनी की सलाह के अनुसार रखें।
- टायर की ग्रिप और घिसाव पर ध्यान दें।

ब्रेक की देखभाल
- ब्रेक ऑयल और ब्रेक शूज/पैड की जांच करें।
- समय पर बदलें ताकि सड़क पर फिसलन या हादसे से बचा जा सके।

बैटरी का ध्यान रखें
- समय-समय पर बैटरी का पानी (अगर नॉन-सील्ड बैटरी है) देखें।
- बाइक को लंबे समय तक स्टार्ट किए बिना खड़ा न रखें।

चेन की सफाई और ग्रीसिंग
- हर 500-700 किमी पर चेन को साफ करके ग्रीस या ल्यूब्रिकेंट लगाएं।
- इससे रगड़ कम होगी और चलाने में स्मूथनेस आएगी।

फ्यूल की क्वालिटी
- हमेशा अच्छी और भरोसेमंद पेट्रोल पंप से फ्यूल भरवाएं।
- गंदा फ्यूल कार्बोरेटर/इंजेक्टर को नुकसान पहुंचाता है।

सही तरीके से चलाएं
- अचानक एक्सेलेरेशन या ब्रेक लगाने से बचें।
- लंबी दूरी पर समान स्पीड में चलाना इंजन के लिए अच्छा है।

कवर करके रखें
- बाइक को धूप, बारिश और धूल से बचाने के लिए कवर का इस्तेमाल करें। इससे पेंट और प्लास्टिक पार्ट्स लंबे समय तक अच्छे रहते हैं।
- नियमित सफाई
- बाइक को साफ-सुथरा रखें।
- धूल और गंदगी बाइक की परफॉर्मेंस और लुक दोनों खराब करती है।

शानदार परफॉर्मेंस के साथ खास बनी टाटा हैरियर ईवी

टाटा हैरियर ईवी अपने बेहतर फीचर के साथ लोगों को काफी आकर्षित कर रही है। इसके चलते टाटा हैरियर की बुकिंग तीन माह से साढ़े तीन माह तक पहुंच चुकी है। वहीं नवरात्रि और दीपावली के दौरान यह बुकिंग छह माह तक पहुंच सकती है।

टाटा मोटर्स के सेल्स एग्ज्यूकेटिव समीर राय ने बताया कि टाटा हैरियर ईवी अपनी शानदार परफॉर्मेंस के लिए लोगों के बीच खास बनी हुई है। उन्होंने बताया कि टाटा हैरियर 6.3 सेकेंड में 0-100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलती है। इसके अलावा एडवांस लेवल-2 अडास, रिमोट से ऑपरेट होने वाला समन मोड, व्हीकल-टू-लोड व व्हीकल-टू-व्हीकल चार्जिंग सपोर्ट जैसे कई खास फीचर्स शामिल हैं।

टाटा हैरियर एक बार चार्जिंग होने के बाद साढ़े 600 किलोमीटर तक रन करती है। टाटा हैरियर ईवी में इको, सिटी, स्पोर्ट और बूस्ट जैसे 7 से 8 ड्राइविंग मोड हैं। इसके अलावा ऑटो पार्किंग की सुविधा भी मौजूद है। इसके अलावा 360 डिग्री कैमरा लगा हुआ है। बैटरी में अनलिमिटेड समय की गारंटी है। उन्होंने बताया कि सनरूफ वाइस के साथ खुलता ओर बंद होता है। सबसे खास बात यह है कि टाटा हैरियर की गाड़ी को अलग-अलक तरीके से ऑटो पार्क कर सकते हैं। सुरक्षा की दृष्टि से टाटा हैरियर में फाइव स्टार की ग्रेडिंग है और कार में छह एयरबैग लगे हुए हैं। इसके अलावा, कोहरे में फॉगलैंप के माध्यम से गाड़ी को चलाने में कोई दिक्कत नहीं होती है। उन्होंने बताया कि टाटा हैरियर की शुरूआती कीमत 21 लाख 75 हजार रुपये है।

भारत का ऑनलाइन घरेलू सेवा बाजार होगा 88 अरब रुपये

नई दिल्ली। भारत का ऑनलाइन घरेलू सेवा बाजार 18-22% की दर से बढ़कर वित्त वर्ष 2029-30 तक 85-88 अरब तक पहुंचने का अनुमान है। इस बाजार को सुविधा, विश्वसनीयता और गति की बढ़ती शहरी मांग से समर्थन मिल रहा है। परामर्श फर्म रेडसीर ने कहा कि 'क्विक कॉमर्स' को व्यापक रूप से अपनाने के बाद, तत्काल घरेलू सेवा भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था में अगले क्षेत्र के रूप में उभर रही है। समय की कमी से जूझ रहे शहरी उपभोक्ताओं के बीच यह लोकप्रिय हो रही है।

अमृत विचार

बरेली, सोमवार ,22 सितंबर 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2615, राज श्री 1840, फ़ॉर्चून कि . 2220, रविन्द्रा 2550, फॉर्चुन 13 किग्रा 1955, जय जवान 1975, सचिन 2050, सूरज 1975, अवसर 1885, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1895, क्लासिक (किग्रा) 2095, मोर 2165, चक्र टिन 2375, ब्लू 2125, आशीर्वाद मस्टर्ड 2475, स्वास्तिक 2570

किराना (प्रतिकु .) : हल्दी निजामाबाद 14000, जीरा 24000, लाल मिर्च 14000-17000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 7000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 27000, (प्रतिकि0) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 880, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु .) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4950, शर्बती स्टीम 5100, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7300, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350, खजाना 4300

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 9500-11200, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 12800, उड़द धोवा 10000-11000,चना काला 7050, दाल चना 7600, दाल चना मोटी 7850, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अकोला 7200, डबरा 7200-9200, सच्चा हीरा 8900, मोटा हीरा 10900, अरहर गोला मोटा 7700, अरहर पटका मोटा 8100, अरहर कोरा मोटा 8800, अरहर पटका छोटा 9800-10300, अरहर कोरी छोटी 10300

चीनी : डालमियां 4380, पीलीभीत 4280, सितारगंज 4260, धामपुर 4360

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 5200, मसूरी- 3200, बासमती- 9100, परमल- 3000

दाल दलहन : काला चना- 7300, साबुत चना दाल- 7000, मूंग साबुत- 9000, राजमा- 12200-14100, दाल उड़द- 9200, साबुत मसूर दाल- 7000, मसूर दाल- 7100, उड़द साबुत- 8400, काबुली चना- 10200, अरहर दाल- 11000, लोबिया/करमानी- 9200

जीएसटी 2.0 : वस्तुएं होंगी आज से सस्ती, कंपनियों को होगा लाभ

नवरात्र से त्योहारी सत्र शुरू, खपत में वृद्धि व बिक्री में उछाल की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी

रोजमर्रा की जरूरतों का सामान (एफएमसीजी) बनाने वाली प्रमुख कंपनियों ने जीएसटी कटौती करते हुए कीमतें कम की है। ऐसे में सोमवार से साबुन, पाउडर, कॉफी, डायपर, बिस्कुट, घी और तेल जैसी वस्तुएं सस्ती होंगी। आगामी त्योहारी सत्र, जो नवरात्रि के साथ शुरू होता है, के दौरान खपत में वृद्धि और बिक्री में उछाल की उम्मीद है।

एफएमसीजी कंपनियों ने जीएसटी 2.0 के लाभों को बिना किसी देरी के उपभोक्ताओं तक पहुंचाया है। इन कंपनियों ने 22 सितंबर से साबुन, शैम्पू, बेबी डायपर, मंजन, रेजर और आफ्टर-शेव लोशन सहित अपने उत्पादों की अधिकतम खुदरा मूल्य की संशोधित सूची जारी की है। इसका मकसद उपभोक्ताओं को जीएसटी दर में कटौती का लाभ देना है। प्रॉक्टर एंड गैंबल, इमामी और एचयूएल जैसी कंपनियों ने नई मूल्य सूची जारी की हैं। इसके बारे में कंपनियों की वेबसाइट के माध्यम से उनके संबंधित वितरकों और उपभोक्ताओं को सूचित किया गया है।

प्रॉक्टर एंड गैंबल ने अपने उत्पादों की एक संशोधित सूची जारी की है। इसमें उसने विक्स, हेड एंड शोल्डर्स, पैंटीन, पैम्पर्स (डायपर), जिलेट, ओल्ड स्पाइस और ओरल-बी आदि ब्रांड के उत्पादों की कीमतों में कमी की है। पीएंडजी इंडिया ने बच्चों के देखभाल से जुड़े उत्पादों के दाम भी कम किए हैं। इन उत्पादों में डायपर पर जीएसटी 12 प्रतिशत से घटकर पांच प्रतिशत और बेबी वाइप्स पर जीएसटी 18 प्रतिशत से घटकर पांच प्रतिशत हो जाएगा। नई दरें 22 सितंबर, 2025 से प्रभावी होंगी। कंपनी जिलेट और ओल्ड स्पाइस की कीमतों में भी कमी करने जा रही है। इमामी बोरोप्लस एंटीसेप्टिक क्रीम, नवरत्न आयुर्वेदिक तेल और झंडू बाम आदि की कीमतें भी कम हो रही हैं।

एचयूएल भी घटाएगा उत्पादों की कीमत

एचयूएल ने भी जीएसटी सुधारों के बाद 22 सितंबर से डव शैम्पू, हॉर्लिक्स, किसान जैम, ब्रू कॉफी, लक्स और लाइफबॉय साबुन सहित अपने उपभोक्ता उत्पाद रेंज की कीमतों में कमी करने की घोषणा की है। जीएसटी परिषद ने इस महीने की शुरुआत में माल एवं सेवा कर के चार स्लैब की जगह दो स्लैब करने का फैसला किया है। अब कर की दरें पांच और 18 प्रतिशत होंगी जबकि विलासिता वस्तुओं पर 40 प्रतिशत की विशेष दर लागू होगी। सिगरेट, तंबाकू और अन्य संबंधित वस्तुओं को छोड़कर नई कर दरें 22 सितंबर से प्रभावी हो जाएंगी।

होटल में 7,500 तक वाले कमरे होंगे 525 रुपये तक सस्ते

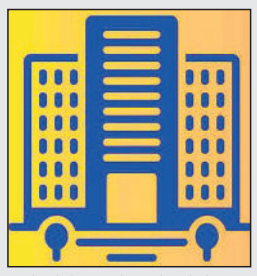

नई दिल्ली। नई जीएसटी दरें लागू होने के साथ होटल में 7,500 रुपये या उससे कम किराये वाले कमरे सोमवार से 525 रुपये तक सस्ते हो जाएंगे। आतिथ्य क्षेत्र के दिग्गजों ने कहा कि होटल उद्योग के लिए, इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के बिना जीएसटी की दरों को 12 से घटाकर 5% करने से वृद्धि को समर्थन मिलेगा। उन्होंने कहा कि इससे राजस्व में वृद्धि होगी, निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा और होटल देश भर में मेहमानों को बेहतर सेवाएं दे सकेंगे। इस समय 7,500 रुपये तक के दैनिक किराये वाले होटल के कमरों पर आईटीसी के साथ 12% कर लगता है। होटल एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अनुसार, इस कटौती से कमरे का किराया 7% सस्ता होगा। इसी प्रकार यात्रियों को भोजन पर जीएसटी का लाभ भी मिलेगा। रेडिसन होटल समूह के दक्षिण एशिया के प्रबंध निदेशक (एमडी) और सीओओ निखिल शर्मा ने बताया कि सरलीकृत कर संरचना होटल संचालकों और यात्रियों के लिए स्पष्टता लाएगी। रमाडा जैसे ब्रांड के मालिक, विन्धम होटल्स एंड रिजॉर्ट्स के यूरेशिया बाजार के प्रबंध निदेशक राहुल मैकरियस ने कहा कि भारत का यात्रा और आतिथ्य क्षेत्र मजबूती से बढ़ रहा है और जीएसटी सुधार बिल्कुल सही समय पर आया है।

टीवी के दाम 2,500 से 85,000 रुपये तक घटेंगे

जीएसटी कटौती के बाद टेलीविजन (टीवी) विनिर्माता कीमतों में 2,500 से 85,000 रुपये तक की कमी करने जा रहे हैं। टीवी विनिर्माताओं को सोमवार से शुरू होने वाले त्योहारी सीजन में अच्छी बिक्री की उम्मीद है। खपत को बढ़ाने के प्रयास में, जीएसटी परिषद ने 22 सितंबर (नवरात्रि के पहले दिन) से माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में कटौती करने का फैसला किया था, जिससे टेलीविजन और एसी, वॉशिंग मशीन जैसे कई उत्पादों की कीमतें कम हो गई हैं। 32 इंच से अधिक स्क्रीन साइज वाले टीवी सेट पर मौजूदा शुल्क 28 से घटकर 18% होगा। टीवी विनिर्माताओं ने स्क्रीन साइज और खूबियों के आधार पर कीमतों में 2,500 रुपये से 85,000 रुपये के बीच कटौती की घोषणा की है, ताकि जीएसटी में 10% की कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जा सके। टीवी उद्योग, जिसने इस वित्त वर्ष के पहले छह महीनों (अप्रैल से सितंबर) में लगभग स्थिर बिक्री दर्ज की है।

पतंजलि फूड्स ने घटाई उत्पादों की कीमत

पतंजलि फूड्स लिमिटेड ने सोयाबीन बड़ी सहित विभिन्न उत्पादों की अधिकतम खुदरा कीमतों (एमआरपी) में कमी की है। पतंजलि फूड्स ने कहा गया कि संशोधित कीमतें खाद्य और गैर-खाद्य श्रेणियों की पूरी श्रृंखला पर लागू होंगी। पतंजलि फूड्स ने सोयाबीन बड़ी की कीमतें भी घटाई हैं। न्यूट्रेला चंक्स, मिनी चंक्स और ग्रैन्यूल्स (एक किलो पैक) सोमवार से 190 रुपये में बिकेंगे, जो 210 रुपये हैं। वहीं, 200 ग्राम पैक में 3 रुपये की छूट मिलेगी। बिस्कुट और कुकीज श्रेणी में दूध बिस्कुट (35 ग्राम) 4 .5, नूडल्स (50 ग्राम) 9 .35 रुपये में बेचे जाएंगे। दांतों और बालों के उत्पादों में दंत कांति 200 ग्राम 106 और केश कांति आंवला हेयर ऑयल (100 मिली) 42 रुपये में बिकेंगे। स्वास्थ्य एवं आरोग्य उत्पादों में आंवला जूस (एक लीटर) 140 रुपये, स्पेशल च्यवनप्राश के एक किग्रा पैक अब 337 रुपये होगी। डेयरी उत्पादों में गाय के घी (900 मिली) की कीमत 732 रुपये कर दी है।

किस पर जीएसटी दरों में कितनी आई कमी

नंबर	आइटम	पुरानी दर	नई दर
	भोजन और रसोई		
1	पनीर/छेना (पैक)	5%	0%
2	यूएचटी दूध (टेट्रा-पैक दूध)	5%	0%
3	पराठे और भारतीय रोटियां (सभी नाम)	18%	0%
4	खाखरा, पिज़्ज़ा ब्रेड	5%	0%
5	बटर/ घी/ डेयरी स्प्रेड	12%	5%
6	चीज/पनीर	12%	5%
7	सूखे मेवे	12%	5%
8	चॉकलेट, पेस्ट्री, केक, बिस्कुट, जैम	18%	5%
9	नमकीन/भुजिया/मिक्सचर/चबेना (पैक्ड)	12%	5%
10	पास्ता/स्पेगेटी/मैकरोनी/नूडल्स	12%	5%
11	कॉर्न फ्लेक्स और अन्य अनाज के फ्लेक्स	18%	5%
12	अचार, फल और सब्जी के रस, नारियल पानी (पैक)	12%	5%
13	परिष्कृत चीनी और चीनी क्यूब्स	12%	5%
14	कॉफी	18%	5%
15	करी पेस्ट, मेयोनेज़, सलाद ड्रेसिंग	12%	5%
16	सूप और शोरबा (तैयार/प्री-मिक्स)	18%	5%
17 .	खमीर और बेकिंग पाउडर	12%	5%
18 .	संरक्षित मछली/मांस (डिब्बाबंद/तैयार)	12%	5%
	पेय पदार्थ (गैर-मादक)		
19	20 लीटर पीने के पानी के जार	12%	5%
20	वनस्पति-आधारित दूध पेय	18%	5%
21	फल-गूदा/रस आधारित पेय (गैर-कार्बोनेटेड)	12%	5%
22	दूध युक्त पेय पदार्थ (दूध आधारित पेय)	12%	5%
	व्यक्तिगत देखभाल (दैनिक उपयोग)		
23	टॉयलेट साबुन, टूथपेस्ट, डेंटल फ़्लॉस, टूथब्रश	18%	5%
24	टूथ पाउडर, कंघी, हेयरपिन, कर्लर (गैर-विद्युत)	12%	5%
25	हेयर ऑयल और शैम्पू, टैल्कम/फेस पाउडर, शेविंग क्रीम/अफ़रशेव/लोगॉन	18%	5%
	घरेलू सामान		
26	दूध की बोतलें-निप्पल, बेबी नैपकिन-डायपर	12%	5%
27	सेफ्टी माचिस, मोमबत्तियां/हस्तनिर्मित मोमबत्तियां	12%	5%
28	रसोई के बर्तन	12%	5%
29	मिट्टी के तेल/लकड़ी के स्टोव (गैर-विद्युत)	12%	5%
30	सिलाई मशीनें और पुर्जे, रबर बैंड	12%	5%
	छात्र एवं शिक्षा		
31	व्यायाम/ग्राफ़/प्रयोगशाला नोटबुक	12%	0%
32	मिटाने वाले या इरेजर	5%	0%
33	पाठ्यपुस्तक/नोटबुक का कागज़ (बिना लेपित)	12%	0%
34	मानचित्र/एटलस/ग्लोब (प्रिंटेड)	12%	0%
35	पेंसिल, क्रेयॉन, पेस्टल, चारकोल, पेंसिल शार्पनर	12%	0%
36	जियोमेट्री/रंग बॉक्स, कागज़ के डिब्बे, कागज़ की ट्रे	12%	5%
	दवाएं और चिकित्सा उपकरण		
37	कई दुर्लभ बीमारियों और कैंसर की दवाएं	5–12%	0%
38	औषधियां (आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध, होम्योपैथी)	12%	5%
39	मेडिकल ऑक्सीजन	12%	5%
40	डायग्नोसजीसी किट और डायग्नोसजीसी अभिकर्मक (रसायन), ग्लूकोमीटर और परीक्षण स्ट्रिप्स	12%	5%
41	थर्मामीटर (चिकित्सा)	18%	5%
42	चिकित्सा/शल्य उपकरण, रबर के दस्ताने	12%	5%

हेटेरो हेल्थकेयर लिमिटेड ने पर्टुजुमैब दवा पर्जिया को किया लांच

- एनजीन बायोसाइंसेज के साथ साझेदारी कर भारतीय मरीजों के लिए किफायती दवा बनाई
- देश की सबसे सस्ती पर्टुजुमैब को सेमी-एक्सक्लूसिव के तहत लांच किया गया

बरेली, अमृत विचार। भारत की अग्रणी स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं में शुमार हेटेरो हेल्थकेयर लिमिटेड ने उन्नत कैंसर उपचारों तक पहुंच को लोकतांत्रिक बनाने के लिए एक रणनीतिक कदम उठाया है। हेटेरो हेल्थकेयर ने एनजीन बायोसाइंसेज के साथ साझेदारी कर स्तन कैंसर रोगियों के लिए सबसे सस्ती पर्टुजुमैब दवा पर्जिया को लांच किया है। पर्टुजुमैब एक ऐसा उत्पाद है जो HER2-पॉजिटिव स्तन कैंसर के लिए लक्षित चिकित्सा है, जिसे एनजीन बायोसाइंसेज लिमिटेड के साथ एक अर्ध-अनन्य सहयोग के माध्यम से पेश किया गया है।

यह साझेदारी भारत भर में मरीजों के लिए उच्च गुणवत्ता वाली ऑन्कोलॉजी थेरेपी को सुलभ और सस्ती बनाने के लिए हेटेरो हेल्थकेयर की प्रतिबद्धता को मजबूत करती है। हेटेरो हेल्थकेयर ने लागत बाधाओं को कम करने के साथ भारत में हजारों मरीजों को उन्नत उपचार विकल्पों तक पहुंच प्रदान करने और समग्र परिणामों में सुधार लाने का प्रयास किया है। हेटेरो हेल्थकेयर लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एम. श्रीनिवास रेड्डी ने कहा है कि हेटेरो हेल्थकेयर में हमारा ध्यान हमेशा नवाचार और सामर्थ्य पर रहा है। एनजीन बायोसाइंसेज के सहयोग से पर्जिया का लॉन्च, भारतीय रोगियों की पहुंच में विश्वस्तरीय कैंसर उपचार लाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। एनजीन बायोसाइंसेज के सीईओ डॉ. हिमांशु गाडगिल ने कहा कि हमें इस प्रभावशाली प्रयास में हेटेरो हेल्थकेयर के साथ साझेदारी करने पर गर्व है। एनजीन में हमारा मिशन अत्याधुनिक तकनीकी प्लेटफार्म का लाभ उठाकर किफायती दामों पर उच्च-गुणवत्ता वाली बायोलॉजिक्स उपलब्ध कराना है। यह सहयोग भारत में कैंसर देखभाल में बदलाव लाने के हमारे साझा दृष्टिकोण का प्रतिबिंब है।

राष्ट्रीय

किसी राज्य पर कोई भाषा नहीं थोप रहा केंद्र

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान बोले- राजनीति से प्रेरित लोग कर रहे त्रि-भाषा नीति का विरोध

चेन्नई, एजेंसी

चेन्नई में आईआईटी मद्रास के सम्मेलन को संबोधित करते केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने रविवार को कहा कि केंद्र किसी पर कोई भाषा नहीं थोप रहा है। प्रधान ने उन लोगों को राजनीति से प्रेरित बताया जो यह दावा करते हैं कि केंद्र, राज्यों पर त्रि-भाषा नीति थोप रहा है।

उन्होंने कहा कि हम किसी पर कोई भाषा नहीं थोप रहे हैं। कक्षा पहली और दूसरी के लिए द्वि-भाषा का फॉर्मूला होगा। एक मातृभाषा होगी। यहां तमिल भाषा होगी। भारत सरकार की शर्त है कि आपको प्राथमिक विद्यालय में तमिल में पढ़ाना होगा। आप अपनी पसंद की कोई अन्य भाषा पढ़ा सकते हैं।

प्रधान 'थिंक इंडिया दक्षिणापथ शिखर सम्मेलन 2025' में शामिल होने के बाद आईआईटी मद्रास के निदेशक प्रोफेसर वी कामकोटि की मौजूदगी में पत्रकारों से बात कर रहे थे। त्रि-भाषा नीति के बारे में विस्तार से बताते हुए उन्होंने कहा कि कक्षा छठी से दसवीं तक त्रि-भाषा फार्मूला लागू है। उन्होंने कहा कि एक भाषा मातृभाषा होगी। बाकी दो आपकी पसंद की होंगी। भारत सरकार किसी भी राज्य पर कोई भाषा नहीं थोपेगी।

उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में त्रि-भाषा नीति कैसे लागू की जा रही है, इस बारे में पूछे गये सवाल पर उन्होंने कहा कि हम उस राज्य में भी इसे लागू कर रहे हैं। भाजपा शासित राज्यों को छोड़ दें तो कई राज्य सरकारें राष्ट्रीय शिक्षा नीति से पहले त्रि-भाषा नीति लागू कर रही हैं।

प्रधान ने कहा कि उत्तर प्रदेश में छात्र हिंदी को मातृभाषा के रूप में सीखेंगे। इसके बाद, वे मराठी और तमिल भी सीख सकते हैं। उत्तर प्रदेश में कुछ छात्र तमिल को तीसरी भाषा के रूप में चुन सकते हैं। उत्तर प्रदेश सरकार को तमिल पढ़ाने की सुविधा प्रदान करनी होगी। उन्होंने कहा कि भारत की केवल 10 प्रतिशत आबादी अंग्रेजी बोलती है, जबकि बाकी लोग अपनी मातृभाषा में बात करना पसंद करते हैं।

छात्रों को 10 भाषाएं सीखने को करेंगे प्रोत्साहित

प्रधान ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन . चंद्रबाबू नायडू की टिप्पणी का हवाला देते हुए कहा कि वह तेलुगु भाषी छात्रों को 10 भाषाएं सीखने के लिए प्रोत्साहित करेंगे, ताकि प्रत्येक तेलुगु लड़का 'वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी' बन सके और वे विभिन्न भाषाओं में निपुण हो सकें। उन्होंने कहा कि भाषा हमेशा एक साधन होती है। राजनीतिक रूप से संकीर्ण विचार रखने वाले लोग यह समस्या पैदा कर रहे हैं। तमिलनाडु की अपनी पिछली यात्राओं का जिक्र करते हुए प्रधान ने कहा कि मैंने तमिलनाडु के सभी हिस्सों का दौरा किया है। यह मूलत : एक भाषाई राज्य है। मैं उड़िया हूं। मुझे अपनी उड़िया भाषा पर बहुत गर्व है, लेकिन मुझे अन्य भारतीय भाषाओं पर भी गर्व है। उन्होंने कहा कि मैं आज पूरी जिम्मेदारी के साथ आपसे कह रहा हूं कि जो लोग भाषाई विभाजन पैदा करना चाहते हैं, वे विफल हो गये हैं। समाज उनसे कहीं आगे निकल चुका है।

वेतन-पेंशन पर ढाई गुना बढ़ा राज्यों का खर्च

नई दिल्ली। वेतन, पेंशन और ब्याज भुगतान पर सभी राज्यों का खर्च वित्त वर्ष 2013-14 के 6,26,849 करोड़ रुपये से 2.49 गुना बढ़कर 2022-23 में 15,63,649 करोड़ रुपये हो गया।

राज्यों के वित्त पर नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट के मुताबिक, राज्यों के राजस्व व्यय का बड़ा हिस्सा या तो प्रतिबद्ध व्यय है या पहले से तय है। वेतन, पेंशन और सार्वजनिक ऋण तथा देनदारियों पर ब्याज भुगतान को 'प्रतिबद्ध व्यय' माना जाता है। 2013-14 से 2022-23 तक ज्यों का राजस्व व्यय, उनके कुल व्यय का 80-87% था। संयुक्त जीएसडीपी के प्रतिशत के रूप में यह लगभग 13-15% था। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक ने राज्य वित्त 2022-23 में कहा कि 2022-23 में राजस्व व्यय, कुल व्यय का 84.73% व संयुक्त जीएसडीपी का 13.85% था। 2022-23 में, 35,95,736 करोड़ के राजस्व व्यय में प्रतिबद्ध व्यय 15,63,649 करोड़ रुपये था।

तेजस्वी की अधिकार यात्रा में दी गईं मोदी की दिवंगत मां को गालियां

- विधानसभा चुनाव से पहले सियासी सरगर्मी तेज होने के बीच भाजपा ने लगाए आरोप
- दरभंगा में राहुल गांधी की रैली में प्रधानमंत्री की दिवंगत मां के लिए कहे गए थे अपशब्द

पटना, एजेंसी

बिहार में इस वर्ष के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले सियासी सरगर्मी तेज होने के बीच भाजपा ने रविवार को आरोप लगाया कि राजद नेता तेजस्वी यादव की 'बिहार अधिकार यात्रा' के दौरान उनके समर्थकों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दिवंगत मां को गालियां दीं। पिछले महीने प्रदेश के दरभंगा जिले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 'वोटर अधिकार यात्रा' के लिए बनाए गए मंच से एक व्यक्ति ने प्रधानमंत्री की दिवंगत मां के लिए कथित तौर पर अपशब्द कहे थे।

भाजपा नेता और प्रदेश के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने एक्स वीडियो साझा करते हुए लिखा कि तेजस्वी यादव ने एक बार फिर प्रधानमंत्री मोदी की दिवंगत माता का अपमान किया है। तेजस्वी ने बिहार की संस्कृति को फिर से तार-तार किया है। राजद कार्यकर्ता जितनी गालियां दे सकते थे, दे रहे थे और तेजस्वी उन्हें प्रोत्साहित कर रहे थे। बिहार की माताएं-बहनें इस गुंडागर्दी वाली मानसिकता और अभद्र व्यवहार का हिसाब जरूर करेंगी। भाजपा नेता ने कहा कि यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और लोकतंत्र का अपमान है। क्या अब माताओं और बहनों का अपमान करना विपक्षी दलों की संस्कृति और हथियार बन गया है? बिहार की जनता इस गंदी राजनीति को भली-भांति समझती है और लोकतांत्रिक तरीके से जवाब देगी।

प्रदेश के अन्य उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने भी एक्स पर लिखा, तेजस्वी की यात्रा के दौरान फिर प्रधानमंत्री की दिवंगत माता के लिए अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया और राजद नेता अपने कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ा रहे थे यह चौंकाने वाला है। इससे उनकी मानसिकता उजागर होती है। चौधरी ने आगे कहा कि यह लोकतंत्र का घोर अपमान है। क्या माताओं-बहनों का अपमान करना उनकी संस्कृति और विपक्षी दलों को जवाब देने का हथियार बन गया है।

30 सितंबर तक एसआईआर लागू करने के लिए रहें तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी

- निर्वाचन आयोग ने दिए राज्य निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश
- अक्टूबर-नवंबर में वोटर लिस्ट का पुनरीक्षण शुरू होने के संकेत

निर्वाचन आयोग ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के निर्वाचन अधिकारियों को 30 सितंबर तक विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए तैयार रहने को कहा है। आयोग का यह निर्देश इस बात का संकेत है कि अक्टूबर-नवंबर की शुरुआत में मतदाता सूची को दुरुस्त करने का काम शुरू हो सकता है। अधिकारियों के अनुसार, इस महीने की शुरुआत में राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के एक सम्मेलन में आयोग के शीर्ष अधिकारियों ने उन्हें अगले 10 से 15 दिनों में विशेष गहन पुनरीक्षण के लिए तैयार रहने को कहा था। हालांकि अधिक स्पष्टता के लिए 30 सितंबर की समय सीमा तय की गई थी।

राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे पिछली एसआईआर के बाद प्रकाशित अपने राज्यों की मतदाता सूची तैयार रखें। कई राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों ने अपनी पिछली एसआईआर के बाद प्रकाशित मतदाता सूचियां पहले ही अपनी वेबसाइटों पर डाल दी हैं।

बच्चे के पेट से निकला बालों का गुच्छा और जूते का फीता

अहमदाबाद। अहमदाबाद के सरकारी सिविल अस्पताल में डाक्टरों ने ऑपरेशन करके सात वर्षीय एक लड़के के पेट से बालों का गुच्छा और जूते का फीता निकाला। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

सिविल अस्पताल के अधीक्षक राकेश जोशी ने बताया कि मध्य प्रदेश में रतलाम निवासी शुभम दो महीने से पेट दर्द, उल्टी आने व वजन घटने की समस्या से पीड़ित था। लड़के की पहले पड़ोसी राज्य मध्य प्रदेश के निजी अस्पताल में सर्जरी हुई थी लेकिन उसे कोई राहत नहीं मिली। डॉ. जोशी ने बताया कि अहमदाबाद के अस्पताल में भर्ती होने के बाद शुभम का सीटी स्कैन और एंडोस्कोपी कराई गई, जिसमें उसके पेट में बालों का एक गुच्छा और जूते का फीता दिखाई दिया।

गुजरात-मेघालय में महसूस किए गए भूकंप के झटके

अहमदाबाद/ शिलांग, एजेंसी

- गुजरात के कच्छ में आया 3.1 तीव्रता का भूकंप

देश के पूर्व और पश्चिम हिस्से में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। गुजरात के कच्छ जिले में रविवार को 3.1 तीव्रता वाले भूकंप के झटके महसूस किए गए। वहीं बांग्लादेश में भूकंप आने के बाद मेघालय में भी झटके महसूस किए गए। भूकंपीय अनुसंधान संस्थान (आईएसआर) ने यह जानकारी दी।

आईएसआर ने कहा कि गुजरात में भूकंप अपराह्न 12.41 बजे आया और इसका केंद्र भचाऊ से 12 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में था। इससे पहले सुबह 6.41 बजे कच्छ में 2.6 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसका केंद्र धोलावीरा से 24 किलोमीटर पूर्व-दक्षिण-पूर्व में था। कच्छ जिला अत्यधिक जोखिम वाले भूकंपीय क्षेत्र है, जहां कम तीव्रता के भूकंप आते रहते हैं।

बांग्लादेश के भूकंप से मेघालय में धरती कांपी

बांग्लादेश में रविवार को चार तीव्रता का भूकंप आने के बाद इसके झटके मेघालय में भी महसूस किए गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि बांग्लादेश से लगती मेघालय की सीमा के पास भारतीय समयानुसार पूर्वाह्न 11.49 बजे भूकंप महसूस किया गया। उन्होंने कहा कि मेघालय में किसी भी तरह के नुकसान या किसी के हताहत होने की तत्काल कोई खबर नहीं है।

भारत को भविष्य की समस्याओं से बचने के लिए अपना रास्ता खुद बनाना होगा

- शुल्क और आव्रजन संबंधी अमेरिकी फैसलों पर आरएसएस प्रमुख भागवत ने की टिप्पणी

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने शुल्क और आव्रजन संबंधी अमेरिकी फैसलों की पृष्ठभूमि में रविवार को कहा कि भारत को उभरी स्थिति से बाहर निकलने के लिए जो भी आवश्यक हो वह करना चाहिए, लेकिन उसे भविष्य में ऐसी समस्याओं से खुद को बचाने के लिए विकास और प्रगति के सनातन दृष्टिकोण का पालन करते हुए अपना रास्ता खुद बनाना शुरू करना चाहिए।

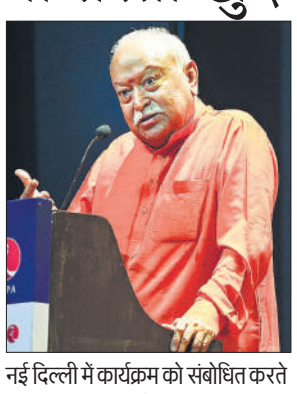

नई दिल्ली में कार्यक्रम को संबोधित करते आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत।

समारोह को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि भारत सहित विश्व के सामने आज जो समस्याएं हैं, वे पिछले 2000 वर्षों से अपनाई जा रही उस व्यवस्था का परिणाम हैं, जो विकास और सुख की खंडित दृष्टि पर आधारित रही हैं। हम इस स्थिति से मुंह नहीं मोड़ सकते। हमें इससे बाहर निकलने के लिए जो भी जरूरी हो, वह करना होगा। लेकिन हम आंख मूंदकर आगे नहीं बढ़ सकते। उन्होंने आगे कहा कि इसलिए हमें अपना रास्ता खुद बनाना होगा। हम कोई न कोई रास्ता निकाल ही लेंगे... लेकिन अनिवार्य रूप से, भविष्य में किसी न किसी मोड़ पर हमें इन सब चीजों का फिर से सामना करना पड़ेगा। क्योंकि इस खंडित दृष्टिकोण में एक ओर 'मैं' होता है और दूसरी ओर बाकी दुनिया, या 'हम' और 'वे'। उन्होंने कहा कि भारत को जीवन के चार लक्ष्यों - 'अर्थ' (धन), 'काम' (इच्छा और आनंद) और 'मोक्ष' (मुक्ति) के अपने सदियों पुराने दृष्टिकोण का पालन करना चाहिए, जो 'धर्म' से बंधा हो और यह सुनिश्चित करता हो कि कोई भी पीछे न छूटे।

वर्ल्ड ब्रीफ

पाकिस्तान: स्कूल की छत गिरी, आठ की मौत

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में एक शिक्षण संस्थान की छत गिर जाने के कारण छह बच्चों समेत आठ लोग जिंदा दफन हो गए तथा तीन घायल हो गए। यह घटना शनिवार शाम लाहौर के उत्तर-पश्चिम से लगभग 120 किमी दूर हाफिजाबाद शहर में हुई। पंजाब आपातकालीन विभाग के बचाव दल 1122 के अनुसार, जब संस्थान की छत गिरी, उस वक्त कक्षा में दो शिक्षक और नौ छात्र मौजूद थे। रेस्क्यू 1122 ने एक बयान में कहा, वे मलबे में दब गए थे। बचाव दल ने चार छात्रों को जीवित निकाला और उन्हें अस्पताल पहुंचाया, जहां उनमें से एक की मौत हो गई। छह से दस साल की उम्र के पांच छात्रों और उनके दो शिक्षकों के शव बरामद कर लिए गए हैं।

नेपाल से चीन के ग्वांगझू के लिए सीधी उड़ान

काठमांडू। नेपाल की राष्ट्रीय विमानन कंपनी ने राजधानी काठमांडू से चीन के ग्वांगझू के लिए बृहस्पतिवार से सीधी उड़ानें शुरू करने की घोषणा की। नेपाल एयरलाइंस कॉर्पोरेशन के प्रवक्ता मनोज कुमार शाह ने बताया कि पहली बार काठमांडू से गुआंगझू के बीच उड़ान सेवा शुरू करने की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। एनएसी इस मार्ग पर सप्ताह में तीन उड़ानें संचालित करेगा। पहली उड़ान बृहस्पतिवार और दूसरी 28 सितंबर को निर्धारित है। एनएसी ने बताया कि इसके बाद हर रविवार, मंगलवार और शनिवार को ग्वांगझू के लिए सीधी उड़ानें होंगी।

हेग में दंगों के सिलसिले में 30 लोग गिरफ्तार

द हेग। नीदरलैंड के शहर द हेग में दंगे के दौरान घायल हुये दो पुलिसकर्मियों के मामले में 30 लोग हिरासत में लिए गए हैं। हेग के मेयर जान वैन जेनन ने अलगेमीन डागब्लाड अखबार के हवाले से कहा कि हमें एक अभूतपूर्व हिंसा का सामना करना पड़ा। इसके कारण शांतिपूर्ण प्रदर्शन को तितर-बितर करना पड़ा क्योंकि वहां मौजूद लोगों की सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं थी। मेयर के मुताबिक नीदरलैंड के सभी असामाजिक तत्व प्रदर्शन में शामिल हो गए। उन्होंने पुलिस, उनके घोड़ों और पत्रकारों पर हमला किया।

युगांडा: झील में पलटी नाव, सात की मौत

कंपाला। उत्तरी युगांडा के अमोलतार ज़िले में क्योगा झील में शुक्रवार को शोक मनाने वालों से भरी एक नाव पलट गई, जिसमें सात लोग डूब गए और 29 अन्य बच गए। पुलिस ने एक बयान में कहा कि लकड़ी की नाव मुचोरा अबिनो ए गाँव से एक धर्मोपदेशक को अंतिम संस्कार समारोह में ले जाने के लिए जा रही थी, जब स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 11:00 बजे अची उप-काउंटी के किरयांगा गांव के पास पलट गई। बयान में कहा गया है, इसमें कुल 36 लोग सवार थे और 29 लोग बच गए।

साइबर हमले: यूरोपीय देशों के कई हवाई अड्डे दूसरे दिन भी प्रभावित

ब्रसेल्स, एजेंसी

- कई उड़ानें की गईं रद्द, तमाम हो पाईं घंटों की देरी से रवाना

कई यूरोपीय हवाई अड्डों पर चेक-इन प्रणालियों को प्रभावित करने वाले साइबर हमले का असर रविवार को भी पूरे दिन जारी रहा। कई यात्री उड़ान रद्द या विलंबित करनी पड़ीं और हवाई अड्डों को यात्रा योजनाओं को होने वाले नुकसान से बचने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी।

शुक्रवार देर रात से ब्रसेल्स, लंदन और बर्लिन के प्रमुख हवाई अड्डों पर इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम में व्यवधान शुरू हो गया था, जिससे 'चेक-इन' में बाधा आई और कर्मचारियों को हाथ से बोर्डिंग पास बनाने या बैकअप लैपटॉप का इस्तेमाल करने पड़ा। कई अन्य यूरोपीय हवाई अड्डों पर प्रभाव नहीं पड़ा। अभी साफ नहीं है कि साइबर हमले में किसका हाथ है, हालांकि विशेषज्ञों ने हैकर्स और आपराधिक संगठनों पर शक जताया है।

साइबर हमले ने कॉलिन्स एयरोस्पेस के सॉफ्टवेयर को प्रभावित किया, जिससे चेक-इन, बोर्डिंग पास और बैग टैग प्रिंटिंग और सामान भेजने में मदद मिलती है। अमेरिकी कंपनी ने शनिवार को यूरोप के कुछ हवाई अड्डों पर अपने सॉफ्टवेयर में व्यवधान की बात कही। रविवार को लंदन के हीथ्रो और बर्लिन के ब्रांडेनबर्ग हवाई अड्डों के प्रस्थान बोर्ड पर आगमन-प्रस्थान के सुचारू होने के संकेत दिख रहे थे, लेकिन ब्रुसेल्स हवाई अड्डे पर काफी समस्याएं थीं।

हवाई अड्डों पर साइबर हमले

पूरी दुनिया परेशान

यूरोपीय देशों के कई हवाई अड्डों पर हुए साइबर हमले की वजह से पिछले दो दिनों में सैकड़ों उड़ानें प्रभावित हुई हैं। दरअसल, दुनिया भर में हवाई अड्डों पर साइबर हमले बेहद आम हो गए हैं। सुरक्षा एजेंसियां लगातार इनसे निपटने के लिए जूझ रही हैं। हवाई अड्डों पर साइबर हमलों के पीछे बड़ा कारण यह है कि वे राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक गतिविधियों और लोगों के जीवन से सीधे जुड़े होते हैं। हैकर्स इन्हें पैसे, डेटा या राजनीतिक फायदे के लिए निशाना बनाते हैं। हवाई अड्डों पर साइबर हमले पिछले कुछ सालों में काफी बढ़े हैं। ईयू एविएशन सेफ्टी एजेंसी के आंकड़ों के मुताबिक 2020 से 2022 के दौरान दो सालों में एयरलाइंस और हवाई अड्डों पर रैनसमवेयर और फिशिंग अटैक में 530 प्रतिशत की अप्रत्याशित वृद्धि हुई है जिसने कई देशों की सरकारों के नाक में दम कर दिया है।

ताबड़तोड़ साइबर हमले

- वर्ष 2023 में अमेरिका, जर्मनी, फ्रांस, भारत सहित कई देशों के हवाई अड्डों पर साइबर हमले हुए। रिपोर्ट हुए हमलों की संख्या दो सौ से ज्यादा थी।
- वर्ष 2024 में यूरोप और अमेरिका के करीब 30 हवाई अड्डों पर एक साथ साइबर हमले हुए। इनसे कई देशों में सैकड़ों उड़ानों पर बड़ा असर पड़ा।
- भारत में 2022 में दिल्ली और मुंबई एयरपोर्ट की वेबसाइट डाउन हुई। 2023 में बेंगलुरु व हैदराबाद हवाई अड्डे को हैकर्स ने अपना निशाना बनाया।

कमजोरियां

- पुराने आईटी सिस्टम, साइबर सिक्योरिटी की कमी, थर्ड पार्टी वेंडर्स पर निर्भरता प्रमुख कमजोरी।
- कई बार कैफे वाई फाई और बैगेज हैंडलिंग सिस्टम जरिए से हैकर्स घुसपैठ शुरू करते हैं। इसके बाद बड़ा साइबर हमला किया जाता है।

हवाई अड्डे क्यों बनते हैं निशाना

- हवाई अड्डे देश की राष्ट्रीय सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और जनसुरक्षा से जुड़े होते हैं। यहां हमले से तुरंत बड़े पैमाने पर असर पड़ता है।
- हवाई अड्डों पर यात्रियों का पासपोर्ट ब्योरा, बायोमेट्रिक, बैंक कार्ड डेटा मौजूद रहता है जिसे डार्क वेब पर बेचा जा सकता है।
- अपराधी एयरलाइंस या एयरपोर्ट अथॉरिटी से रैनसमवेयर के जरिए फिरौती मांगते हैं। पैसा देने तक सिस्टम लॉक कर देते हैं।
- कई बार दुश्मन ताकतें देश की छवि खराब करने, अंतरराष्ट्रीय यात्रा बाधित करने या सुरक्षा खतरे पैदा करने के लिए हमले करती हैं।

यूक्रेन युद्ध के बाद भारत पर हमले

रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद किलनेट जैसे कई प्रोपेगेंडा समूहों ने भारत को पश्चिमी देशों के सहयोगी मानकर निशाना बनाया। इस दौरान एयर इंडिया पर हुआ डेटा ब्रीच हमला अब तक का सबसे बड़ा हमला माना जाता है।

प्रमुख घटनाएं

- स्वीडन के कुछ हवाई अड्डों पर 2016 में साइबर हमला कर एयरक्राफ्ट के जीपीएस सिग्नल जाम कर दिए गए।
- कीव एयरपोर्ट पर 2015 में ब्लैक एनर्जी मालवेयर हमला कर आईटी सिस्टम, एटीसी टावर को निशाना बनाया।
- हीथ्रो एयरपोर्ट पर 2017 में गोपनीय दस्तावेज लीक हुए जिनमें रानी एलिजाबेथ की सुरक्षा की योजना तक थी।
- अमेरिका के अटलांटा एयरपोर्ट पर 2018 में रैनसमवेयर अटैक हुआ और कई ऑनलाइन सेवाएं ठप हो गईं।

यात्रियों के अधिकार

- अगर फ्लाइट घंटों या दिनों तक रुकी रहती है तो कई देशों में यात्रियों को मुआवजा या वैकल्पिक टिकट दिया जाता है।
- अगर पासपोर्ट, बैंक कार्ड या पर्सनल डेटा चोरी हो तो एयरपोर्ट अथॉरिटी या एयरलाइन को जिम्मेदार ठहरा सकते हैं।
- कई देशों में ऐसे मामलों में यात्री क्लास एक्शन केस करके मुआवजा पा सकते हैं। हालांकि भारत में ऐसे कानून नहीं हैं।

फलस्तीनी राष्ट्र को ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया कनाडा ने दी मान्यता, भड़के नेतन्याहू

इजराइली पीएम ने लगाया हमास को इनाम देने का आरोप, कहा- फलस्तीनी राष्ट्र नहीं बनेगा

लंदन, एजेंसी

ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा ने अमेरिका और इजराइल के विरोध को दरकिनार करते हुए फलस्तीनी राष्ट्र को औपचारिक रूप से मान्यता देने की रविवार को पुष्टि की। राष्ट्रमंडल में शामिल और इजराइल के लंबे समय से सहयोगी इन देशों की यह पहल गाजा में जारी युद्ध में उसकी हरकतों के प्रति बढ़ते आक्रोश को दर्शाती है। इस बीच, इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि फलस्तीनी राष्ट्र की स्थापना नहीं होगी।

नेतन्याहू ने विदेशी नेताओं पर हमास को इनाम देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ऐसा नहीं होगा। जॉर्डन नदी के पश्चिम में फलस्तीनी राष्ट्र की स्थापना नहीं होगी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर इजराइल के खिलाफ कड़ा रुख नहीं अपनाने के लिए अपनी सत्तारूढ़ लेबर पार्टी में भारी दबाव का सामना कर रहे थे। ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य फलस्तीनियों और इजराइलियों के बीच शांति की उम्मीदों को जिंदा रखना है। हालांकि, उन्होंने कहा कि यह हमास के लिए कोई तोहफा नहीं है।

स्टार्मर ने एक वीडियो संदेश में कहा, मैं शांति और द्वि-राष्ट्र समाधान की आशा को पुनर्जीवित करने के लिए इस महान देश के प्रधानमंत्री के रूप में स्पष्ट रूप से कहता हूं कि ब्रिटेन औपचारिक रूप से फलस्तीन राष्ट्र को मान्यता देता है। उन्होंने कहा, हमने 75 साल से भी पहले इजराइल राष्ट्र को यहूदी लोगों की मातृभूमि के रूप में मान्यता दी थी। आज हम उन 150 से अधिक देशों में शामिल हो गए हैं, जो फलस्तीनी राष्ट्र को भी मान्यता देते हैं। यह फलस्तीनी और इजराइली लोगों के लिए एक बेहतर भविष्य की प्रतिज्ञा है। जुलाई में स्टॉर्मर ने कहा था कि अगर इजराइल गाजा पट्टी में संघर्ष-विराम के लिए सहमत नहीं होता है, तो ब्रिटेन फलस्तीनी राष्ट्र को मान्यता देगा।

इस सप्ताह संयुक्त राष्ट्र महासभा में फ्रांस समेत और अधिक देशों के ऐसा करने की उम्मीद है। ब्रिटेन की तरह फ्रांस भी सुरक्षा परिषद के पांच स्थायी सदस्यों में शामिल है। आस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने अपने बयान में कहा कि रविवार को तीन देशों की ओर से की गईं घोषणाएं द्वि-राष्ट्र समाधान को नई गति देने के समन्वित अंतरराष्ट्रीय प्रयास का हिस्सा हैं। फलस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने ब्रिटेन की घोषणा का स्वागत करते हुए कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप न्यायपूर्ण शांति कायम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण व आवश्यक कदम है।

गाजा पर हमले तेज करने के लिए दक्षिणी इजराइल में सीमा के पास टैंक भेजे गए हैं।

ट्रंप ने खुले तौर पर जताई थी स्टॉर्मर से असहमति

ब्रिटेन ने अमेरिका के विरोध को दरकिनार करते हुए यह कदम उठाया है। कुछ दिन पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रिटेन की यात्रा के दौरान इस योजना से असहमति जताई थी। ट्रंप ने कहा था, इस मामले पर मैं प्रधानमंत्री स्टॉर्मर से असहमत हूं। अमेरिका और इजराइल सरकार के साथ विभिन्न आलोचकों ने इस योजना की निंदा करते हुए कहा है कि यह हमास और आतंकवाद को बढ़ावा देगी। आलोचकों का तर्क है कि मान्यता देना अनैतिक और एक खोखला कदम है, क्योंकि फलस्तीनी लोग दो क्षेत्र वेस्ट बैंक और गाजा में विभाजित हैं, जिनकी कोई मान्यता प्राप्त अंतरराष्ट्रीय राजधानी नहीं है।

- ब्रिटेन में फलस्तीनी मिशन के प्रमुख हुसम जोमलोट ने कहा कि मान्यता देने से औपनिवेशिक काल की एक गलती सुधर जाएगी। मुझे लगता है कि आज ब्रिटेन के लोगों को इतिहास में की गई गलती को सुधारे जाने का जश्न मनाना चाहिए।

गाजा में इजराइल के हमले में 34 लोग मारे गए

काहिरा। गाजा सिटी पर रात भर हुए हमलों में बच्चों सहित कम से कम 34 लोग मारे गए। इजराइल ने यह हमला कई देशों की ओर से फलस्तीनी राष्ट्र को मान्यता देने की तैयारी के बीच किया है। शिफा अस्पताल के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि मृतकों में शनिवार देर रात शहर के दक्षिणी हिस्से में एक रिहायशी इलाके में हुई गोलीबारी में मारे गए 14 लोग भी शामिल हैं। अधिकतर शव शिफा अस्पताल ही लाए गए थे। मृतकों में अस्पताल में कार्यरत एक पुरुष नर्स, उसकी पत्नी और तीन बच्चे भी शामिल हैं। इजराइल ने हमलों पर कोई टिप्पणी नहीं की। इस सप्ताह शुरू हुए इजराइली अभियान ने पश्चिम एशिया में उथल-पुथल मचाने वाले संघर्ष को और बढ़ा दिया है और संभवत: किसी भी युद्धविराम की संभावना को और क्षीण कर दिया है। इजराइली सेना ने फलस्तीनियों से वहां से चले जाने को कहा है।

अंतिम दर्शन

असम के गायक जुबीन गर्ग का पार्थिव शरीर रविवार को गुवाहाटी हवाई अड्डे से उनके आवास पर ले जाया गया तो उनके अंतिम दर्शन के लिए जनसैलाब उमड़ पड़ा। एजेंसी

जेन जी प्रदर्शन में 72 लोगों के मारे जाने की जांच के लिए समिति

काठमांडू। सुशीला कार्की के नेतृत्व वाली नेपाल की अंतरिम सरकार ने जेन जी की अगुवाई में हुए हिंसक प्रदर्शन की जांच के लिए उच्चतम न्यायालय के एक पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय जांच समिति का रविवार को गठन किया। जेन जी की अगुवाई में हुए हिंसक प्रदर्शन के दौरान 72 लोग मारे गए थे और इसने केपी शर्मा ओली सरकार को गिरा दिया था। गृह मंत्री ओम प्रकाश आर्यल ने सिंह बताया कि पूर्व जज गौरी बहादुर कार्की के अलावा पूर्व अतिरिक्त पुलिस महानिरीक्षक ज्ञान रण शर्मा और कानूनी विशेषज्ञ विश्वेश्वर प्रसाद भंडारी जांच आयोग के सदस्य हैं। आयोग को तीन महीने के भीतर रिपोर्ट सरकार को सौंपनी है। जेन जी की प्रमुख मांग थी कि काठमांडू में आठ और नौ सितंबर को विरोध के दौरान प्रदर्शनकारियों की हत्या की जांच के लिए उच्चस्तरीय जांच आयोग का गठन किया जाए। नेपाल की अंतरिम सरकार ने इस मांग पर सहमत होते हुए समिति का गठन किया है।

- सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज के नेतृत्व में किया गया समिति का गठन

बगराम एयरबेस पर नियंत्रण न दिया तो बुरे नतीजे भुगतेगा अफगानिस्तान

- ट्रंप ने दी धमकी, कहा- एयरबेस को जल्द से जल्द वापस चाहते हैं

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को अफगानिस्तान को धमकी देते हुए चेताया है कि अगर उसने बगराम एयरबेस तुरंत वापस नहीं किया तो उसे बुरे नतीजे भुगतने के लिए तैयार रहना चाहिए। ट्रंप ने यह धमकी सोशल मीडिया पर एक संदेश के जरिए दी है।

बगराम एयरबेस काबुल से लगभग 50 किलोमीटर उत्तर में स्थित है और यह दो दशकों तक अफगानिस्तान में अमेरिका और नाटो के अभियानों का केंद्र था। वर्ष 2021 में अमेरिकी सेना की वापसी के बाद तालिबान ने इस बेस पर नियंत्रण कर लिया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपनी हालिया ब्रिटेन यात्रा के दौरान कहा कि अमेरिका के लिए बगराम एयरबेस को वापस लेने की कोशिश कर रहा है। ट्रंप की इस टिप्पणी ने दुनिया का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। माना जा रहा है कि अमेरिका इस क्षेत्र में चीन के साथ शक्ति संतुलन के लिए ये एयरबेस चाहता है।

अब अटकलें लगाई जा रही हैं कि क्या अमेरिका अफगानिस्तान में फिर से सैनिकों को तैनात करने जा रहा है। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में मीडिया से बातचीत करते हुए बताया कि अमेरिका अफगानिस्तान के साथ एयरबेस पर नियंत्रण वापस पाने के लिए बातचीत कर रहा है। उन्होंने कहा, हम इसे वापस चाहते हैं। हम इसे जल्द से जल्द वापस चाहते हैं। उन्होंने कहा कि अगर वह ऐसा नहीं करता है, तो आपको पता चल जाएगा कि मैं क्या करने जा रहा हूं।

अफगानिस्तान का जवाब, वास्तविक और तर्कसंगत बातें करें ट्रंप

जलालाबाद। तालिबान सरकार ने बगराम वायुसेना अड्डे पर दोबारा नियंत्रण हासिल करने के ट्रंप के दावे को रविवार को खारिज कर दिया। यद्यपि यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि सैन्य अड्डा अमेरिका को सौंपने को लेकर अमेरिकी अधिकारियों की अफगानिस्तान के अधिकारियों से क्या बातचीत हुई है, लेकिन ट्रंप ने संकेत दिया है कि 2021 में सत्ता में लौटने के बाद से आर्थिक संकट, अंतरराष्ट्रीय वैधता, आंतरिक कलह और प्रतिद्वंद्वी समूहों की ओर से चुनौती का सामना कर रहा तालिबान सैन्य अड्डे का नियंत्रण अमेरिका को लौटा सकता है। तालिबान के मुख्य प्रवक्ता जबीहउल्ला मुजाहिद ने ट्रंप के बयानों को खारिज कर दिया और अमेरिका को वास्तविकता और तर्कसंगत नीति अपनाने की सलाह दी।

भारतीय छात्रों में घटी विदेश में पढ़ने की दिलचस्पी

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका में अध्ययन करने के इच्छुक लोगों के पिछले एक वर्ष में पूछताछ करने में 46 प्रतिशत से अधिक की कमी आई है जबकि पिछले दो वर्षों में कनाडा में अध्ययन से संबंधित पूछताछ लगभग 75 प्रतिशत कम हुई है। 'आईडीपी एजुकेशन' के शीर्ष अधिकारियों ने ये आंकड़े जारी किए हैं।

वर्ष 1969 में ऑस्ट्रेलियाई सरकार द्वारा स्थापित, आईडीपी एजुकेशन अंतरराष्ट्रीय शिक्षा सेवाओं में एक वैश्विक अग्रणी संस्थान है जो छात्रों को विदेश में अध्ययन करने के उनके लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करता है। कंपनी ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूजीलैंड, आयरलैंड, ब्रिटेन और अमेरिका जैसे गंतव्यों के लिए पाठ्यक्रम और विश्वविद्यालय चयन, आवेदन जमा करने, वीजा प्रक्रिया और प्रस्थान-पूर्व योजना बनाने पर निःशुल्क विशेषज्ञ मार्गदर्शन प्रदान करती है। यह अंग्रेजी भाषा दक्षता परीक्षा (आईईएलटीएस) भी आयोजित करती है।

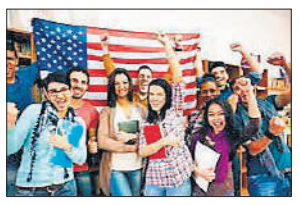

- अमेरिका में पढ़ने के लिए पूछताछ में 46 और कनाडा में पढ़ाई के लिए 75 प्रतिशत की कमी

आईडीपी एजुकेशन के दक्षिण एशिया, कनाडा और लैटिन अमेरिका (एलएटीएएम) के क्षेत्रीय निदेशक पीयूष कुमार के अनुसार, भू-राजनीतिक स्थिति ने छात्रों की अमेरिका और कनाडा जाने की योजनाओं को प्रभावित किया है। कुमार ने कहा, अगर हम भू-राजनीतिक स्थिति की बात करें, तो मुझे लगता है कि यह मुख्य रूप से अमेरिका से संबंधित है और हमने देखा है कि पिछले छह से 12 महीनों में इस स्थिति ने अमेरिका जाने की योजना बना रहे छात्रों की योजनाओं को स्पष्ट रूप से प्रभावित किया है। यह वास्तव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आने से पहले ही शुरू हो गया था, इसलिए हमने देखा कि जून के बाद से वीजा अनुमोदन दरों में गिरावट आई है।

उन्होंने कहा, आमतौर पर, चुनावी वर्ष के दौरान, हम देखते हैं कि हर बार किसी न किसी कारण से वीजा अनुमोदन दर कम हो जाती है। लेकिन राष्ट्रपति ट्रंप के आने के बाद, मुझे लगता है कि वे कुछ बदलाव की योजना बना रहे हैं। आधिकारिक आंकड़ों का हवाला देते हुए कुमार ने कहा कि मई 2024 की तुलना में इस साल मई में अमेरिका के लिए पूछताछ में 46.4 प्रतिशत की गिरावट आई है। पिछले दो वर्षों में कनाडा के लिए पूछताछ में भी लगभग 70 से 75 प्रतिशत की गिरावट आई है।

ट्रंप ने अपने लिए मांगा नोबेल पुरस्कार, भारत-पाकिस्तान युद्ध रुकवाने की बात दोहराई

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत-पाकिस्तान संघर्ष को व्यापार के माध्यम से सुलझाने का एक बार फिर दावा किया और कहा कि उन्हें सात युद्धों को समाप्त कराने के लिए नोबेल शांति पुरस्कार मिलना चाहिए। ट्रंप ने 10 मई को सोशल मीडिया पर घोषणा की थी कि वाशिंगटन की मध्यस्थता में भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम पर सहमत हो गए। तब से विभिन्न अवसरों पर ट्रंप इस दावे को 40 से अधिक बार दोहरा चुके हैं। ट्रंप ने शनिवार को अमेरिकन कॉर्नरस्टोन इंस्टिट्यूट फाउंडर्स डिनर के कार्यक्रम में कहा कि हम शांति समझौते करा रहे हैं। हमने भारत-पाकिस्तान और थाईलैंड-कंबोडिया के बीच युद्ध को रोका है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति: 22 सितंबर, सोमवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-आश्विन, पक्ष-शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा 23 सितंबर 02.55 तक तत्पश्चात द्वितीया।

आज का पंचांग

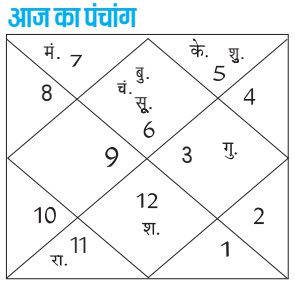

दिशाशूल- पूर्व, ऋतु- शरद।
चन्द्रबल- मेष, कर्क, कन्या, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल-भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- उत्तराफाल्गुनी 11.24 तक तत्पश्चात हस्त।

मेष — आज आपकी आय बढ़ने से आप अत्यंत उत्साहित रहेंगे। अधिकारों के साथ आपको अपने उत्तरदायित्व की चिंता रहेगी। कुसंगति से आपको बचना चाहिए। अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखें। आपकी वाक्पटुता और विचारशीलता से लोग प्रभावित रहेंगे।

वृष — आज आप अत्यंत प्रसन्न रहने वाले हैं। प्रतियोगी परीक्षा में आपको उत्तम सफलता मिल सकती है। दूसरों की भलाई और सेवा में लगे रहेंगे। लेकिन लोग इसका महत्व आपको नहीं देंगे। बारिश में भींगने से बचने का प्रयास करें।

मिथुन — आज घर के लोगों के व्यवहार से आपको परेशानी होगी। आपको अपने खर्चों पर नियंत्रण रखना होगा। बीमार लोगों को स्वास्थ्य लाभ हो सकता है। बहुमूल्य संपत्ति को खरीदने का विचार बनायेंगे। भविष्य को लेकर बड़ा एवं महत्वपूर्ण निर्णय न लें।

कर्क — आज आपकी कोई मनोकामना पूर्ण हो सकती है। व्यवसाय में उत्तम डील प्राप्त हो सकती है। जीवनसाथी के प्रति विश्वास बनाये रखें। कार्यक्षेत्र में बेहतरीन अवसर मिल सकते हैं। विवाहादि मंगल कार्यों को लेकर घर में चर्चा हो सकती है।

सिंह — आज गृहस्थ जीवन थोड़ा उथल-पुथल भरा हो सकता है। अपनी जीवनशैली को सन्तुलित रखें। घर के नवीनीकरण पर धन खर्च कर सकते हैं। भारी और अत्यधिक गरम भोजन का सेवन तुरन्त न करें। इससे आपको पाचन व एसिडिटी की समस्या हो सकती है।

कन्या — आज नजदीकी मित्रों के साथ काफी अच्छा समय बितायेंगे। सही दिशा में किए गए कार्यों से आपको लाभ मिलेगा। जीवनसाथी के व्यवहार से अत्यंत संतुष्ट रहेंगे। आप हंसी-मजाक के द्वारा आसपास का माहौल बहुत अच्छा रखेंगे।

तुला — आज व्यापार में अचानक गिरावट आने की आशंका है। संवेदनशील विषयों को लेकर बहस न करें। काम करने के दौरान अपने मन को शांत रखें। सेहत को लेकर अपने चिकित्सक से परामर्श कर सकते हैं।

वृश्चिक — आज दिन का शुरुआती भाग आपके लिए शुभ रहेगा। आप दूसरों पर अपने व्यक्तित्व की छाप डाल पायेंगे। बच्चों को अपने माता-पिता से संवाद रखना चाहिए। बचत के धन का व्यवसाय में अच्छा उपयोग कर पायेंगे। दिखावे में धन खर्च न करें।

धनु — आज पारिवारिक जीवन बहुत ही आनंदमय रहने वाला है। व्यवसाय में लक्ष्यों को पूर्ण कर सकते हैं। घर के सदस्यों के साथ आप पूजा पाठ में बैठ सकते हैं। दोस्तों के साथ मिलकर नई परियोजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। मित्रों से उत्तम सलाह मिलेगी।

मकर — आज नए कार्यों में कुछ बाधा आ सकती है। अनुशासनहीनता के कारण आप अपने अवसरों का लाभ नहीं उठा पायेंगे। पुराने अनुभवों से लाभ उठाने का प्रयास करेंगे। पूरा दिन आनंद और मनोरंजन में ही बीतने वाला है। धार्मिक पूजन व पाठ में अत्यधिक सक्रिय रहेंगे।

कुंभ — आज जो भी बोलें सोच-समझकर ही बोलें। असामाजिक तत्वों से आपका सामना हो सकता है। उत्तम होगा की आज सबसे विनम्र भाव ही रखें। उल्टी-दस्त की समस्या हो सकती है। जल का सेवन पर्याप्त मात्रा में करें। मन किसी बात को लेकर उद्विग्न हो सकता है।

मीन — आज कार्यक्षेत्र में आपके अधिकारों में वृद्धि होगी। रुके हुए सभी कार्य आसानी से हो जायेंगे। भाई-बहनों के साथ आनंदपूर्ण समय व्यतीत करेंगे। घरेलू कारोबार में आपको बड़ा धन लाभ हो सकता है। दोपहर के बाद कार्यों में बाधा हो सकती है।

सुडोकू-107

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	4	1		8				
3			2		7			5
	5				4			6
		7		2		9		
	9		3		1		2	
		5		6		8		
6							3	
			4		2			9
				3		7	1	

सुडोकू - 106 का हल

6	4	9	3	1	7	5	2	8
2	8	1	6	5	9	7	3	4
3	7	5	8	4	2	1	9	6
9	3	4	5	7	6	8	1	2
1	2	7	9	8	4	6	5	3
5	6	8	1	2	3	4	7	9
4	1	3	7	9	8	2	6	5
7	9	2	4	6	5	3	8	1
8	5	6	2	3	1	9	4	7

एंडी पाइक्रॉफ्ट कोई स्कूल शिक्षक नहीं है। वह कोई प्रिंसिपल नहीं है। वह जाकर सूर्या को यह नहीं कह सकते थे कि आओ हाथ मिलाओ। यह उनका काम नहीं है। आखिर उनकी गलती क्या है। उन्होंने सबको घटिया तमाशा देखने से बचा लिया।
-रविचंद्रन अश्विन

स्टेडियम

बरेली, सोमवार, 22 सितंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

स्वियातेक का कोरिया ओपन खिताब पर कब्जा

सोल (दक्षिण कोरिया) : शीर्ष वरीय इगा स्वियातेक ने पहले सेट में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए दूसरी वरीयता प्राप्त कैटरीना एलेक्जेंद्रोवा को 1-6, 7-6 (3), 7-5 से हराकर रविवार को कोरिया ओपन का खिताब जीत लिया। स्वियातेक ने तीन घंटे तक चले इस रोमांचक मुकाबले में पांच बार सर्विस गंवाई। छह बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्वियातेक के लिए यह इस साल का तीसरा और कुल मिलाकर 25वां खिताब है। पोलैंड की इस 24 वर्षीय खिलाड़ी ने पिछले महीने सिनसिनाटी ओपन का खिताब जीता था और जुलाई में अपना पहला विंबलडन खिताब जीता था। डब्ल्यूटीए फाइनल में उनका रिकॉर्ड अब 25-5 हो गया है।

प्रमोद भगत ने स्वर्ण पदक जीता

नई दिल्ली : भारत के प्रमोद भगत, सुकांत कदम और कृष्णा नागर ने चीन पैरा बैडमिंटन अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए पदक जीते। शीर्ष पैरा शटलर प्रमोद ने 18 महीने बाद शानदार वापसी करते हुए पुरुषों के एकल एसएलडब्ल्यू3 वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। इंडोनेशिया के मोहम्मद अल इमरान से कड़ी चुनौती का सामना करते हुए प्रमोद पहला गेम 15-21 से हार गए लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करते हुए अगले दो गेम 21-19, 21-16 से जीतकर रोमांचक मुकाबले में पहला स्थान हासिल किया।

मेसी के दो गोल से इंटर मियामी विजयी

फोर्ट लॉडरडेल (अमेरिका) : स्टार स्ट्राइकर लियोनेल मेसी ने पहले हाफ में एक गोल करने में मदद की तथा दूसरे हाफ में दो गोल किए जिससे इंटर मियामी ने मेजर लीग सॉकर में डीसी यूनाइटेड पर 3-2 से जीत दर्ज की। मेसी ने 66वें मिनट में अपना पहला गोल दागा। इसके बाद उन्होंने 85वें मिनट में एक और गोल किया। इस तरह से इस सत्र में उनके कुल 22 गोल हो गए हैं, जो गोल्डन बूट अवॉर्ड की दौड़ में नैशविले एससी के सैम सुरिज से एक ज़्यादा है। इससे पहले मिडफ़ील्डर तादेओ अलेंदे ने 35वें मिनट में मेसी की मदद से इस सत्र का अपना आठवां गोल किया।

इटली ने बिली जीन किंग कप बरकरार रखा

शेनझेन (चीन) : जैस्मीन पाओलिनी की जेसिका पेगुला पर जीत से गत चैंपियन इटली ने अमेरिका पर जीत के साथ बिली जीन किंग कप अपने नाम किया। इटली ने दोनों एकल मुकाबले सीधे सेटों में जीते जिससे निर्णायक युगल मैच की कोई जरूरत नहीं पड़ी। आठवीं रैंकिंग की पाओलिनी ने सातवीं रैंकिंग की पेगुला को 6-4, 6-2 से हराया जबकि 91वीं रैंकिंग की एलिसाबेटा कोकियारेटो ने एम्मा नवारो के खिलाफ उनकी सर्विस तोड़कर 6-4, 6-4 से जीत हासिल की।

भारत ने पाकिस्तान को एक बार फिर धोया

एशिया कप : सुपर चार मुकाबले में छह विकेट से हराया, अभिषेक ने खेली तूफानी पारी, शुभमन ने दिया साथ

अभिषेक शर्मा।

74	39	6	5
रन	गेंद	चौके	छक्के

दुबई, एजेंसी

अभिषेक शर्मा (74), शुभमन गिल (47) और तिलक वर्मा (नाबाद 30) की शानदार पारियों के दम पर भारत ने रविवार को एशिया कप के दूसरे सुपर 4 मुकाबले में पाकिस्तान को सात गेंदे शेष रहते छह विकेट से हराया।

172 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत की अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल की सलामी जोड़ी ने आक्रामक शुरुआत करते हुए विस्फोटक बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। आठवें ओवर में फुलर लेंथ की गेंद, रूम बना कर अभिषेक ने हवाई ड्राइव कर चौके लगाते हुए अपना पचासा पूरा किया। दोनों बल्लेबाजों के बीच पहले विकेट के लिए 105 रनों की साझेदारी हुई। 10वें ओवर की पांचवी गेंद पर फहीम अशरफ ने शुभमन गिल को आउटकर पाकिस्तान को पहली सफलता दिलाई। गिल ने 28 गेंदों में आठ चौके लगाते हुए 47 रन बनाये। अगले ही ओवर में हारिस रउफ ने कप्तान सूर्यकुमार यादव (शून्य) को आउटकर पवेलियन भेज दिया। 13वें ओवर में अबरार अहमद ने शतक की ओर बढ़ रहे अभिषेक को राउफ के हाथों कैच आउट कराकर पाकिस्तान को बड़ी सफलता दिलाई। अभिषेक ने 39 गेंदों में पांच छक्के और छह चौके लगाते हुए 74 रन बनाए। एक समय भारत ने 105 पर अपना पहला विकेट गिरने के बाद 18 रन जोड़कर अपने दो विकेट और गंवा दिये थे। ऐसे संकट के समय तिलक वर्मा और संजू सैमसन ने मोर्चा संभाला। 17वें ओवर में हारिस राउफ ने संजू सैमसन (13) को बोल्ड कर पाकिस्तान को चौथी सफलता दिलाई। तिलक वर्मा ने 19वें ओवर की चौथी गेंद पर छक्का और पांचवीं गेंद पर विजयी चौका लगाकर स्कोर चार विकेट पर 174 रन कर दिया।

पाकिस्तान के मोहम्मद नवाज के आउट के बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव टीम के साथियों के साथ जश्न मनाते हुए। एजेंसी

पाकिस्तान

171/5 (20 ओवर)

साहिबजादा का सूर्यकुमार बो दुबे	58
फखर जमां का सैमसन बो पंड्या	15
सईम अयूब अभिषेक बो दुबे	21
हुसैन का चक्रवर्ती बो कुलदीप	10
मोहम्मद नवाज रन आउट	21
सलमान आगा नाबाद	17
फहीम अशरफ नाबाद	20

गेंदबाजी : पांड्या 3-0-29-1, बुमराह 3-0-45-0, चक्रवर्ती 4-0-25-0, कुलदीप 4-0-31-1, अक्षर 1-0-8-0, दुबे 4-0-33-2

भारत

174/4 (18.5 ओवर)

अभिषेक का राऊफ बो अबरार	74
शुभमन गिल बो फहीम	47
सूर्यकुमार का अबरार बो राऊफ	00
तिलक वर्मा नाबाद	30
संजू सैमसन बो राऊफ	13
हार्दिक पंड्या नाबाद	07

गेंदबाजी : शाहीन 3.5-0-40-0, अयूब 3-0-35-0, अबरार 4-0-42-1, राऊफ 4-0-26-2, फहीम 4-0-31-1

मैने उनकी बातों का जवाब बल्ले से दिया: अभिषेक

दुबई : भारत के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने कहा कि मैच के दौरान जिस तरह वे हमारे समाने आ रहे थे मैंने उनकी बातों को जवाब अपने बल्ले से दिया। पाकिस्तान पर छह विकेट से जीत दर्ज करने के बाद प्लेयर ऑफ द मैच अभिषेक शर्मा ने कहा कि जिस तरह वे बिना वजह हमारे सामने आ रहे थे, मुझे बिल्कुल अच्छा नहीं लगा। इसलिए मैंने सोचा कि उनकी बातों का जवाब बल्ले से देना ज्यादा सही था। उन्होंने कहा कि मैं टीम के लिए प्रदर्शन करना चाहता था। (गिल के साथ साझेदारी पर) हम स्कूल के दिनों से साथ खेल रहे हैं, हमें एक-दूसरे की संगत पसंद है। हमें लगा कि हम ऐसा कर सकते हैं और आज वही दिन था। जिस तरह से वह बेहतरीन शॉट्स लगा रहे हैं थे, मैंने उसका पूरा आनंद लिया। अगर आप किसी को इस अंदाज में खेलते देखते हैं, तो वही इरादा मैं भी दिखाने का प्रयास करता हूं। मैं कड़ी मेहनत कर रहा हूं। मुझे पता है कि मैं टीम को जीत दिलाने में सक्षम हूं।

हारिस रउफ को उलझने से रोकते अंपायर।

टीम ने अपने प्रदर्शन से उनका काम आसान बना दिया है। पाकिस्तान के अच्छी शुरुआत करने के बावजूद भारतीय टीम ने धैर्य नहीं खोया। टीम जिस तरह से आगे बढ़ रही उससे मैं खुश हूं। इससे मेरा काम आसान हो रहा है। शुभमन और अभिषेक आग और बर्फ का मेल हैं। वे एक-दूसरे के पूरक हैं और उन्हें साथ में बल्लेबाजी करते देखना मजेदार है।
-सूर्यकुमार यादव

मन्हास हो सकते बीसीसीआई के नए अध्यक्ष

मुंबई, एजेंसी

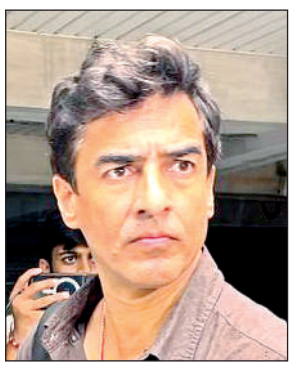

मिथुन मन्हास। एजेंसी

- दिल्ली क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रहे हैं मिथुन मन्हास
- रोजर बिन्नी के बाद खाली हुई है बीसीसीआई अध्यक्ष पद की कुर्सी
- बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने दी जानकारी

157 प्रथम श्रेणी, 130 लिस्ट ए और 91 टी-20 मैच खेले हैं मिथुन अपने घरेलू करियर में

दिल्ली के पूर्व कप्तान मिथुन मन्हास ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के नए अध्यक्ष हो सकते हैं। उन्होंने रविवार को यहां बोर्ड मुख्यालय में अपना नामांकन दाखिल किया जिससे क्रिकेट जगत हैरान रह गया। मन्हास ने 1997-98 से 2016-17 तक के अपने लंबे घरेलू करियर में 157 प्रथम श्रेणी, 130 लिस्ट ए और 55 आईपीएल मैच खेले। वह रोजर बिन्नी की जगह बीसीसीआई अध्यक्ष पद संभालने की दौड़ में सबसे आगे हैं। बिन्नी का कार्यकाल पिछले महीने समाप्त हो गया था।

नई दिल्ली में हुई एक अनौपचारिक बैठक के बाद 45 वर्षीय मन्हास का नाम सामने आया। इस बैठक में बीसीसीआई अध्यक्ष पद के लिए उनके नाम को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया गया था। भारतीय क्रिकेट बोर्ड में कुछ अन्य प्रमुख पदों को अगले रविवार को बोर्ड की वार्षिक आम बैठक के दौरान भरा जाएगा। बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने मीडिया को बताया, ''अगले कार्यकाल के लिए एक नई कार्यकारिणी गठित की जा रही है। मिथुन मन्हास पूर्व खिलाड़ी हैं और उन्हें अध्यक्ष बनाने का फैसला किया गया है। अरुण धूमल आईपीएल संचालन परिषद के अध्यक्ष हैं और वह इस पद पर बने रहेंगे।

नामांकन दाखिल करने वालों में बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया, आईपीएल संचालन परिषद के अध्यक्ष अरुण धूमल और कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) के अध्यक्ष और पूर्व भारतीय क्रिकेटर रघुराम भट शामिल हैं। भट बोर्ड का कोषाध्यक्ष बनने की दौड़ में हैं। अब तक कोषाध्यक्ष रहे प्रभतेज भाटिया संयुक्त सचिव के रूप में रोहन गौंस देसाई की जगह लेंगे। सौराष्ट्र क्रिकेट संघ के अध्यक्ष जयदेव शाह शीर्ष परिषद में दिलीप वेंगसरकर की जगह लेंगे। सैकिया ने बीसीसीआई के सचिव पद पर बने रहने के लिए अपना नामांकन दाखिल किया है। उन्होंने इस वर्ष जनवरी में यह पद संभाला था। सैकिया ने कहा, ''मैं पिछले कुछ महीनों से सचिव हूं। मेरे साथी चाहते थे कि मैं इस पद पर बना रहूं इसलिए मैंने नामांकन दाखिल किया। सैकिया ने कहा कि वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए भारतीय टीम का चयन कुछ दिनों में किया जाएगा। उन्होंने कहा, ''टीम का चयन 23 या 25 सितंबर को किया जाएगा। चयन बैठक ऑनलाइन होगी। भारत और वेस्टइंडीज के बीच पहला टेस्ट मैच दो से छह अक्टूबर तक अहमदाबाद में जबकि दूसरा टेस्ट मैच 10 से 14 अक्टूबर तक नई दिल्ली में खेला जाएगा।

मिथुन के नाम से सभी हैरान रह गए

दुबई : अनुभवी क्रिकेटर मिथुन मन्हास बीसीसीआई के 37वें अध्यक्ष बनने जा रहे हैं और यह चौंकाने वाली खबर लोगों को सिर्फ हैरान ही नहीं कर रही है बल्कि देश के क्रिकेट जगत को भी विश्वास नहीं हो रहा है क्योंकि किसी को भी इसकी उम्मीद नहीं थी। मन्सास ने कोई अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच नहीं खेला है और प्रथम श्रेणी में उन्होंने 27 शतक से 9714 रन बनाए हैं जबकि लिस्ट ए मैचों में उनके 4126 रन हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के चुनावों को करीब से देख चुके एक अनुभवी क्रिकेट प्रशासक ने कहा जब चुनावी सूची में तीन टेस्ट खिलाड़ी थे जिनमें से दो (सौरव गांगुली, हरभजन सिंह) 100 से अधिक टेस्ट मैच खेल चुके हैं तो मन्हास का चयन निश्चित रूप से लोगों को हैरान करेगा। दिल्ली क्रिकेट सर्किट में जब कई क्रिकेटरों से संपर्क किया गया तो उनमें से अधिकांश ने सहमति व्यक्त की कि न्हास हमेशा एक प्रतिभाशाली और बुद्धिमान व्यक्ति रहे हैं। पूर्व सलामी बल्लेबाज और क्रिकेट कमेंटेटेर आकाश चोपड़ा ने खेलने के दिनों को याद करते हुए कहा वह हमेशा लोगों के बीच लोकप्रिय रहे।

फेंसिंग के फाइनल में विजेता भारतीय टीम के साथ खेल मंत्री रेखा आर्य व फेडरेशन पदाधिकारी।

एशियाई फेंसिंग चैंपियनशिप में भारत बना चैंपियन

संवाददाता, हल्द्वानी

- एशियन कैडेट कप में किया ऐतिहासिक प्रदर्शन, 16 पदकों के साथ रहा टॉप पर
- उत्तराखंड ने भी रचा इतिहास पहली बार बना फेंसिंग प्रतियोगिता का मेजबान

स्थान	देश	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
1	भारत	5	3	8	16
2	कज़ाख़स्तान	2	0	0	2
3	ओमान	1	1	0	2

अमृत विचार : भारत ने एक बार फिर खेलों के मैदान में अपनी श्रेष्ठता साबित करते हुए एशियन कैडेट कप फेंसिंग चैंपियनशिप-2025 में पदक तालिका में पहला स्थान हासिल किया। दूसरे नंबर पर कज़ाख़स्तान और तीसरे नंबर पर ओमान रहा।

19 सितंबर से इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम गौलापार में आयोजित इस प्रतियोगिता का रविवार को समापन हुआ। तलवारबाजी की इस चैंपियनशिप में भारत ने खुद को चैंपियन साबित करते हुए 5 स्वर्ण, 3 रजत और 8 कांस्य पदकों के साथ कुल 16 पदक जीते। प्रतियोगिता में 17 एशियाई देशों के 200 से अधिक खिलाड़ियों ने प्रतिभाग लिया।

यह पहली बार रहा कि जब उत्तराखंड को इस प्रतिष्ठित आयोजन की मेजबानी मिली और मेजबान देश ने मैदान पर कामयाबी का परचम लहराकर इसे ऐतिहासिक बना दिया। पुरुष टीम स्पर्धाओं में दोहरा स्वर्ण भारतीय खिलाड़ियों ने पुरुष टीम एपी में लेबनान को हराकर और टीम फॉयल में इराक को मात देकर दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए। दोनों ही टीमों में खिलाड़ियों ने बेहतरीन तालमेल, तकनीक और आत्मविश्वास का प्रदर्शन किया।

कड़े मुकाबले में हारे सात्विक-चिराग

शेनझेन (चीन), एजेंसी

चाइना मास्टर्स बैडमिंटन

- फाइनल में दुनिया की नंबर वन कोरियाई जोड़ी किम वोन हो और सियो सेयुंग जेइ से मिली मात

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी को एक बार फिर दिल तोड़ने वाली हार का सामना करना पड़ा जब वे रविवार को यहां चीन मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में किम वोन हो और सियो सेयुंग जेइ की कोरिया की दुनिया की नंबर एक जोड़ी के खिलाफ सीधे गेम में हार गए।

एशियाई खेलों की चैंपियन भारतीय जोड़ी को फाइनल में अपने खिताबी सूखे को खत्म करने की उम्मीद थी लेकिन पहले गेम में 14-7 की मजबूत बढ़त बनाने बावजूद उन्हें मुकाबले में 45 मिनट में सीधे गेम में 19-21, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा। सात्विक और चिराग की जोड़ी लगातार दूसरे फाइनल में लय में दिखी। विश्व चैंपियनशिप में दूसरा कांस्य पदक जीतने और हांगकांग ओपन में उपविजेता रहने के बाद पूरे हफ्ते भारतीय जोड़ी ने एक भी गेम नहीं गंवाया। लेकिन उन्हें मजबूत स्थिति में होने के बावजूद पहला गेम गवाने का मलाल जरूर रहेगा।

किम और सियो अन्य जोड़ीदारों के साथ प्रयोग करने के बाद मौजूद सत्र में फिर से साथ आए हैं। यह जोड़ी 2025 के अपने नौवें फाइनल में खेल रही थी और पहले ही छह खिताब जीत चुकी थी जिसमें पेरिस में विश्व चैंपियनशिप का स्वर्ण और ऑल इंग्लैंड तथा इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 का खिताब भी शामिल है। इस मुकाबले को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ आक्रमण और सर्वश्रेष्ठ डिफेंस के बीच की लड़ाई माना जा रहा था। चिराग ने कहा निश्चित रूप से किम और सियो बहुत अच्छा खेल रहे हैं। जो उनकी रैंकिंग और विश्व चैंपियन टैग से पता चलता है। हमारे पास मौके थे। हम अंत तक डटे रहे। कुछ अंक इधर उधर हुए और हम हार गए। पर हम जिस तरह से खेले, उससे खुश हैं लेकिन हां खिताब की तलाश जारी है।

सात्विक ने कहा कि अगर वे अगर हम पहला गेम जीत जाते तो स्थिति अलग हो सकती थी। मुझे लगा कि हम सही जा रहे हैं। बस यह यहां वहां एक अंक की बात थी। यह सब आत्मविश्वास की बात है और जिस तरह से हम खेल रहे हैं उससे मैं खुश हूं और लगातार पोडियम पर आना अच्छा है।

परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाना जरूरी: मूनी

नई दिल्ली : ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बेथ मूनी का मानना है कि परिस्थितियों से जल्द से जल्द सामंजस्य बिठाना और धैर्य बनाए रखना किसी भी चैंपियन टीम की पहचान है और आगामी महि ला विश्व कप में इन गुणों की एक बार फिर परीक्षा होगी। सात बार की विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया की टीम ने भारत के खिलाफ वनडे श्रृंखला में अपनी इन दोनों ही खूबियों का बखूबी प्रदर्शन किया। उसने शनिवार को यहां तीसरे वनडे में 43 रन से जीत हासिल कर श्रृंखला 2-1 से अपने नाम कर ली।

मूनी ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा मुझे लगता है कि विश्व कप जीतने के लिए आपको परिस्थितियों से जल्द से जल्द सामंजस्य बिठाने वाली और सबसे अधिक धैर्य रखने वाली टीम बनना होगा।

मंधाना बोलीं | ऑस्ट्रेलिया के विशाल लक्ष्य का पीछा जिस तरह भारतीय टीम ने किया उसने नई ऊर्जा भर दी

हमें विश्वास था कि हम जीत सकते हैं

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली में हुए तीसरे वनडे में जब ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 413 रनों का विशाल लक्ष्य दिया, तब शायद बहुत कम लोगों ने ही सोचा होगा कि भारतीय टीम इस स्कोर के इतने करीब जाएगी और जीत हासिल करने की कोशिश करेगी। पर ड्रेसिंग रूम में यह विश्वास शुरू से था, जिसकी मदद से भारतीय टीम एक समय मैच जीतने की कगार पर लग रही थी। उन्होंने आखिर तक ऑस्ट्रेलिया को पर्याप्त टक्कर दी। 63 गेंदों में 17 चौके और पांच छक्कों की मदद से रिकॉर्ड 125 रनों की पारी खेलने वाली भारतीय सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने कहा कि टीम में शुरू से यह विश्वास था कि वे लक्ष्य के पीछे जाएंगे।

स्मृति मंधाना।

मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में मंधाना ने कहा पारी के ब्रेक के दौरान हमारी यही बातचीत थी कि विकेट सपाट है और आउटफील्ड बहुत तेज है, इसलिए हम लक्ष्य तक जा सकते हैं। हमारे पास भी बल्ला है और हम भी यहां पर क्रिकेट ही खेलने आए हैं। आप लोगों (गेंदबाजों) ने अपने सर्वश्रेष्ठ गेंदें डालीं और उन्हें रोकने की कोशिश की। हम भी अपना सर्वश्रेष्ठ करेंगे और उन रनों को हासिल करने की कोशिश करेंगे। टीम में विश्वास हमेशा से बहुत ऊपर था। हम ये 413 रन का लक्ष्य वाकई में हासिल करना चाहते थे, क्योंकि यह टीम का कैरेक्टर दिखाता। हालांकि बीच में कुछ विकेटें गिरी। मैं फ़ुलटॉस पर आउट हुई, ऋचा (घोष) को दुर्भाग्यशाली ढंग से रनआउट होना पड़ा और कुछ चीजें हमारे पास पक्ष में नहीं गईं। लेकिन मुझे इस टीम पर पूरा गर्व है। ऑस्ट्रेलिया के 412 रनों के जवाब में भारतीय टीम का स्कोर एक समय 20 ओवरों में दो विकेट के नुक़सान पर 206 रन था। भारतीय उपकप्तान और भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर के बीच 69 गेंदों में 121 रनों की साझेदारी हो चुकी थी और टीम का रन रेट 10 से ऊपर का था। पर 21वें ओवर में हरमनप्रीत का विकेट गिरा और अगले ओवर में मंधाना भी पवेलियन में थीं।

टीम में सभी 15 खिलाड़ी हैं मैच विनर

उन्होंने कहा ना सिर्फ़ 11 बल्कि टीम के सभी 15 खिलाड़ी मैच विनर हैं। मुझे नहीं लगता कि टीम का कोई खिलाड़ी मुझ पर या किसी और पर कोई दबाव डाल रहा है। जब आप अपने देश का प्रतिनिधित्व करते हो, तो कोई दबाव नहीं होता है। यह हमारा कर्तव्य होता है। और दूसरी बात, मुझे इस टीम पर पूरा भरोसा है कि हम किसी भी समय मैच को जीत सकते हैं। पिछले 12 महीनों में हमने लगातार 300 या उसके ऊपर का स्कोर बनाया है और प्रतिका (रावल), हरलीन (देओल), जेमिमा (रॉड्रिग्स), हरमन (हरमनप्रीत सिंह) सबने शतक लगाया है। इसलिए यह टीम किसी एक पर निर्भर नहीं है।